THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 41 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.10 2083 मंगलवार, 12 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारत आ सकते हैं ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के 14-15 मई को होने वाली ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए भारत आने की संभावना हैं। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पश्चिम एशिया क्षेत्र के मौजूदा हालात और संकट के समाधान पर चर्चा करना है। बता दें कि यह दौरा काफी महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है और विस्तारित ब्रिक्स ढांचे के भीतर भारत और ईरान के बीच बढ़ते संबंधों को और मजबूत करेगा। बता दें कि ईरान 2024 में मिस्र, इथियोपिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के साथ ब्रिक्स में शामिल हुआ था।

'दुनिया की कोई ताकत हमें झुका नहीं सकती'

पोखरण परमाणु परीक्षणों को याद करते हुए बोले पीएम मोदी

अहमदाबाद, 11 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 11 मई, 1998 को पोखरण में किए गए परमाणु परीक्षणों को याद किया।

उन्होंने कहा कि दुनिया की बड़ी ताकतों के भारी दबाव के बावजूद भारत ने अपने परमाणु लक्ष्यों को आगे बढ़ाने का पक्का और मजबूत इरादा दिखाया। उन्होंने कहा कि भारत ने 1998 में दो परमाणु परीक्षण किए थे, पहला 11 मई को और दूसरा 13 मई को। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत इस देश और इसके नागरिकों को बाहरी ताकतों के सामने झुकने पर मजबूर नहीं कर सकती। सोमनाथ मंदिर के दोबारा बनने के 75 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' समारोह में पीएम मोदी ने 1998 के परमाणु परीक्षणों का जिक्र किया। इतिहास के इन अहम पलों को याद करते हुए उन्होंने दिखाया कि कैसे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारत एक वैश्विक ताकत के तौर पर उभरा। सोमनाथ मंदिर में 'कुंभाभिषेक' के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 11 मई को भारत ने पोखरण में तीन परमाणु परीक्षण किए। >14

पीएम की अपील का विशेषज्ञों ने किया समर्थन

सोने की खरीदारी घटाने से बचे विदेशी मुद्रा भंडार

सूरत/नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। विदेशी मुद्रा को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैर-जरूरी सोना न खरीदने की अपील का इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के गुजरात अध्यक्ष नैनेश पच्चीगर ने सोमवार को समर्थन किय। उन्होंने कहा कि सोना केवल उपभोग के लिए नहीं है, बल्कि यह देश की संस्कृति, बचत, सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण का भी एक अहम आधार है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी की इस अपील से अहम विदेशी मुद्रा की बचत करने में मदद मिलेगा।

पच्चीगर ने कहा कि इस उद्योग से लाखों छोटे कारीगर जुड़े हुए हैं। इस वजह से सरकार को पुरानी गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम को दोबारा से शुरू करना चाहिए। इससे बाजार में पुराना सोना लाने में मदद मिलेगी और उसका पुनर्चक्रण बढ़ेगा। इससे छोटे और मझोले कारीगरों को लगातार काम मिलता रहेगा। इससे विदेशी मुद्रा को देश से बाहर जाने से रोकने के सरकार के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी। पच्चीगर ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री की अपील का पालन करते हुए विदेशी मुद्रा की बचत भी हो और साथ ही आभूषण क्षेत्र से जुड़े करोड़ों कारीगरों की आर्थिक व्यवस्था पर भी कोई आंच न आए।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय के बेटे के खिलाफ पॉक्सो मामले में जांच के निर्देश दिए

हैदराबाद, 11 मई (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सोमवार को पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भागीरथ के खिलाफ दर्ज पॉक्सो एक्ट के मामले में तत्काल जांच शुरू करने का निर्देश दिया। सीएम रेवंत रेड्डी ने डीजीपी को बंदी भागीरथ द्वारा एक नाबालिग लड़की के साथ कथित यौन उत्पीड़न के मामले की व्यापक जांच के लिए विशेष दल गठित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने डीजीपी से सवाल किया कि 8 मई को पेट बशीरबाद पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बावजूद कार्रवाई में देरी क्यों हुई। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद डीजीपी ने कथित तौर पर मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, डीजीपी आनंद ने मुख्यमंत्री को मामले की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सीएम को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हैदराबाद दौरे के मद्देनजर संपूर्ण पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था में लगा हुआ था। इसी बीच तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (टीएससीपीसीआर) ने मामले की सुनवाई के लिए एक स्पेशल बेंच का गठन किया है। टीजीएससीपीआरसी की चेयरपर्सन कोथाकोटा सीता दयाकर रेड्डी ने शहर के पुलिस आयुक्त से जानकारी प्राप्त की और मामले की जांच करने के लिए एक स्पेशल बेंच का गठन किया। टीएससीपीसीआर की यह कार्रवाई और मुख्यमंत्री द्वारा डीजीपी को दिए गए निर्देश विपक्षी दल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) द्वारा बंदी संजय के बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच आए हैं। बंदी भागीरथ के खिलाफ 17 वर्षीय लड़की के साथ कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

लड़की की मां ने आरोप लगाया कि भागीरथ पिछले छह महीनों से उनकी बेटी को परेशान कर रहा था। उस पर यह भी आरोप है कि उसने मोइनाबाद के एक फार्महाउस में भी उसके साथ दुर्व्यवहार किया। उनकी शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट की धारा 11 और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। 25 वर्षीय भागीरथ ने इससे पहले करीमनगर द्वितीय टाउन पुलिस स्टेशन में लड़की और उसके माता-पिता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

बलिदानी अग्निवीरों के परिवारों को नियमित सैनिकों जैसी पेंशन नहीं, केंद्र ने अदालत को बताया कारण

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट में स्पष्ट कर दिया है कि पेंशन से जुड़े लाभ के मामले में अग्निवीरों और नियमित सैनिकों के बीच कोई बराबरी नहीं है। सरकार का कहना है कि दोनों की सेवा शर्तें और कार्यकाल बिल्कुल अलग हैं।

इसलिए युद्ध या किसी अभियान में जान गंवाने वाले अग्निवीरों के परिवारों को नियमित सैनिकों के परिवारों की तरह लंबी अवधि वाली पेंशन नहीं दी जा सकती है। यह जवाब सरकार ने एक शहीद अग्निवीर की मां की याचिका पर दिया है और साफ किया है कि दोनों श्रेणियों में कोई समानता नहीं है। यह पूरा मामला बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर एक याचिका से जुड़ा है। यह याचिका पिछले साल जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से हुई गोलाबारी में जान गंवाने वाले अग्निवीर मुरली नाइक की मां ज्योतिबाई नाइक ने दायर की थी। उन्होंने अपनी याचिका में मांग की थी कि उनके बेटे को भी नियमित सैनिकों की तरह ही सभी लाभ और परिवार को पूरी पारिवारिक पेंशन मिलनी चाहिए। याचिका में केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना को मनमाना और भेदभावपूर्ण बताया गया था। इसी याचिका के जवाब में केंद्र सरकार ने पिछले हफ्ते अपना हलफनामा दायर कर सारी स्थिति साफ की है और याचिका खारिज करने की मांग की है। सरकार ने अपने हलफनामे में हाईकोर्ट को बताया है कि अग्निवीर और नियमित सैनिक एक समान स्थिति में नहीं आते हैं।

टीएमसी का दावा 31 सीटों पर जीत का अंतर एसआईआर की वोट कटौती से कम

अदालत ने दिए निर्देश

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान काटे गए वोटों के मुकाबले विधानसभा सीटों में जीत के कम अंतर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में नई याचिकाएं दाखिल की जा सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य लोगों को इस संबंध में नई याचिकाएं दायर करने की अनुमति दे दी है। यह निर्देश सर्वोच्च न्यायालय की एक पीठ ने सोमवार को दिया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची शामिल थे। यह मामला तब सामने आया जब वरिष्ठ अधिवक्ता और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कल्याण बनर्जी ने अदालत में यह दलील दी कि राज्य की 31 विधानसभा सीटों पर जीत का अंतर, मतदाता सूची से हटाई गई वोटों की संख्या से कम रहा।

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में क्या कहा

इस मामले में चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ऐसे दावों के लिए चुनाव याचिका ही एकमात्र उचित माध्यम है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि वह एसआईआर से संबंधित मुद्दों और वोट जोड़ने या हटाने के खिलाफ होने वाली अपीलों के लिए जवाबदेह हो सकता है। सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने इन दलीलों पर ध्यान देते हुए याचिकाकर्ताओं को राहत प्रदान करते हुए नई याचिकाएं दायर करने का अवसर दिया। यह निर्णय चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के आंकड़े

हाल ही में संपन्न हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 80 सीटों पर जीत हासिल की। इन चुनावों में प्रदेश में 90 प्रतिशत से अधिक का रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय की पीठ विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें ममता बनर्जी द्वारा दायर याचिका भी शामिल थी, जो राज्य में मतदाता सूची के एसआईआर से जुड़ी थी।

'पेट्रोल-डीजल का स्टॉक पर्याप्त'

पीएम की अपील के बाद सरकार बोली एलपीजी की सप्लाई जारी

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच भारत सरकार ने देशवासियों से पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने की अपील की है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ कहा कि वैश्विक ऊर्जा सप्लाई चेन पर असर पड़ा है और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। इसके बावजूद देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। सरकार ने लोगों से सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को बढ़ाने की अपील की है ताकि देश पर बढ़ रहे आर्थिक बोझ को कम किया जा सके।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने क्या जानकारी दी :

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने प्रेस वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल और डीजल की खपत घटाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो वहां मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल किया जाए। लोग कारपूलिंग अपनाएं और माल ढुलाई के लिए रेलवे को प्राथमिकता दें।

इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि अगर हर नागरिक रोजमर्रा की जिंदगी में ऊर्जा बचाने की कोशिश करेगा तो देश पर पड़ रहा आर्थिक दबाव कम हो सकेगा। सुजाता शर्मा ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण पूरी दुनिया की ऊर्जा सप्लाई चेन प्रभावित हुई है और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतों में अस्थिरता बनी हुई है। >14

तमिलनाडु में 'खेला' अभी बाकी है, टूट सकती है पार्टी

> विजय की टीवीके सरकार में शामिल होना चाहता है बागी गुट

चेन्नई, 11 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में 'विजय युग' के शुरुआत में ही बड़ा घटनाक्रम देखने को मिल सकता है। आने वाले दिनों में राज्य की तीसरे नंबर की पार्टी एआईएडीएमके में दो फाड़ हो सकते हैं। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, एआईएडीएमके के कुछ सीनियर नेता खुलकर पलानीस्वामी (ईपीएस) की नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। ये नेता चाहते हैं कि उनकी पार्टी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टीवीके के साथ गठबंधन करे।

जयललिता के निधन के बाद दिल्ली में बैठी पार्टियों को यह उम्मीद की थी कि एआईएडीएमके कमजोर हो जाएगी और इसके नेताओं के बीच आपसी मतभेद बढ़ेंगे। अब ऐसा सच होता मालूम पड़ता है। इस समय एआईएडीएमके के नेता न सिर्फ खुलकर एडप्पाडी पलानीस्वामी को खुलकर चैलेंज कर रहे हैं बल्कि उनपर तमिलनाडु की राजनीति में नई साझेदारियों से दूर करन का भी आरोप लगा रहे हैं। इस

समय एआईएडीएमके में चल रहे विवाद की सबसे बड़ी वजह यह है कि एआईएडीएमके को विजय की पार्टी टीवीके का समर्थन करना चाहिए या नहीं। एआईएडीएमके के विश्वनीय सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के करीब 30 से 36 विधायक और सीनियर पदाधिकारी का नेतृत्व पूर्व मंत्रियों एस.पी. वेलुमणि, सी. विजयभास्कर और सीनियर नेता सी. वे. षणमुगम कर रहे हैं। यह गुट चाहता है कि एआईएडीएमके टीवीके का समर्थन करे और विजय की सरकार में शामिल हो जाए। हालांकि ईपीएस ऐसा करने को तैयार नहीं हैं। तमिलनाडु में हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में एआईएडीएमके 47 सीटें जीती हैं। एआईएडीएमके के बागी सूट में शामिल सूत्रों ने बताया कि विरोध में आए विधायक की संख्या की वजह से ईपीएस पार्टी के अंदर कमजोर हो गए हैं। एक सीनियर नेता ने कहा कि वो भले ही आधिकारिक तौर पर पार्टी के जनरल सेक्रेटरी हों लेकिन पार्टी के भीतर सत्ता के अधिकांश केंद्र अब उनके साथ नहीं हैं। सूत्रों की मानें तो अगर पार्टी के अंदर बात नहीं बनती तो एआईएडीएमके का बागी गुट आधिकारिक तौर पर टूटने के लिए तैयार है। इस कैंप के कई नेताओं का मानना है कि वो एक हफ्ते के अंदर टीवीके के साथ होंगे।

सूत्रों की मानें तो तब योजना यह थी कि पलानीस्वामी के नेतृत्व में एआईएडीएमके गठबंधन सरकार बनाएगी और डीएमके उसका बाहर से समर्थन करेगी। इस सरकार को डीएमके और एआईएडीएमके के साथी दलों का भी समर्थन हासिल होगा। हालांकि बाद में यह योजना टूट नेतृत्व और अन्य मतभेदों को लेकर सफल न हो सकती।

सूत्रों ने बताया कि वीसीके के नेता थोल थिरुमावलवन ने ईपीएस के मुख्यमंत्री बनने पर आपत्ति जताई। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब सीएम पद के लिए थिरुमावलवन का आया तो ईपीएस इस प्रस्ताव को स्वीकार करने को तैयार नहीं थे। जैसे ही यह प्लान असफल हुआ टीवीके ने वीसीके के साथ सरकार बनाने का ऐलान कर दिया और फिर इसके बाद एआईएडीएमके के भीतर की पुरानी दरारें फिर से उभर आईं।

बंगाल में बीजेपी और केरल में कांग्रेस को एसआईआर का मिला फायदा : शशि थरूर

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि एसआईआर की वजह से बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने से चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान वोटर लिस्ट से लगभग 91 लाख नाम हटा दिए गए। इनमें से लगभग 34 लाख लोगों ने अपील की और कहा कि वे वास्तविक मतदाता हैं। थरूर ने कहा कि मतदान से पहले इनमें से केवल कुछ ही अपीलों की जांच की गई थी, जबकि मतदान के समय ज्यादातर अपीलें अनसुलझी ही रहीं।

स्टैनफोर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान 'इंडिया, दैट इज भारत' गोलमेज सम्मेलन में बोलते हुए थरूर ने कहा, एसआईआर के मामले में, मैंने जो कहा है, वह एक जायज सवाल है जिसका जवाब देना जरूरी है। बंगाल का मामला देखिए। 91 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए। उनमें से 34 लाख लोगों ने

अपील की है, उनका कहना है कि वे जिंदा हैं और उन्हें वोट देने का पूरा अधिकार है। नियमों के अनुसार, हर एक मामले का अलग-अलग निपटारा होना चाहिए, इसलिए मतदान से पहले केवल कुछ सौ मामलों का ही निपटारा हो सका। आज तक, लगभग 31-32 लाख लोग ऐसे हैं जिन्हें सुनवाई जारी रहने के दौरान आने वाले सालों में वैध मतदाता पाया जा सकता है, लेकिन वे वोट देने का मौका चूक गए हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा के 2026 चुनावों में बीजेपी ने ऐतिहासिक जीत हासिल करते हुए 207 सीटें जीतीं और तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत कर दिया।

देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं : राहुल

सोना न खरीदें, विदेश न जाएं जैसी 7 अपीलें उपदेश नहीं, नाकामी के सबूत

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया 'सात अपीलों' पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है।

एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं। उन्होंने कहा, 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं। दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरण की रक्षा हो सके।

जैसे ही चुनाव खत्म हुए, सरकार को अचानक 'संकट' याद आ गया। असल में देश के लिए केवल एक ही संकट है और उसका नाम भाजपा है। आप नेता संजय सिंह ने कहा, कल पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दो महीनों से सरकार आपका बोझ उठा रही थी। अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं, तो आपकी उपयोगिता भी खत्म हो गई। आपका बोझ तब तक उठाया, जब तक पांच राज्यों में चुनाव चल रहे थे। अब वे लोगों से कह रहे हैं कि तेल, पेट्रोल और गैस कम इस्तेमाल करें और सोना न खरीदें। क्या उन्हें चुनाव के दौरान यह सब याद नहीं था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, आर्थिक स्थिति आधिकारिक आंकड़ों और प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों के अब तक किए जा रहे दावों से कहीं ज्यादा गंभीर है। तृणमूल कांग्रेस सांसद साकेत गोखले ने कहा, क्या भारत विदेशी मुद्रा या भुगतान संतुलन संकट की ओर बढ़ रहा है। अगर मंत्री अब भी वायुसेना के विमानों में उड़ान भरते रहेंगे और बड़े-बड़े काफिलों में यात्रा करेंगे, तो केवल आम नागरिकों से ही त्याग करने के लिए क्यों कहा जा रहा है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि कई राज्यों के चुनाव खत्म होने के बाद ही इस तरह की घोषणा क्यों की गई। भारत में हर साल सोने के आयात पर लाखों करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। 2024-26 में यह आंकड़ा 4.89 लाख करोड़ रुपये था, जो 2025-26 में 6.40 लाख करोड़ रुपये रहा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की ताजा रिपोर्ट बताती है कि 2026 की पहली तिमाही में भारत में निवेश के लिए सोने की मांग गहनों से भी ज्यादा है।

'दो महीने में पूरी हो न्यायिक अधिकारियों से हुई हिंसा की जांच'

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए को बड़ा आदेश दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में एक अप्रैल 2026 को एसआईआर प्रक्रिया के दौरान कार्यरत न्यायिक अधिकारियों का घेराव और हिंसा के मामले की जांच 2 महीने के अंदर पूरी करने का आदेश दिया।

मालदा में 7 न्यायिक अधिकारियों को भीड़ ने 9 घंटे तक बंधक बनाकर कर रखा था, जिन्हें सुरक्षित निकलवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को रात में कई बार बंगाल के अधिकारियों को फोन तक करना पड़ा था। इस दौरान काफी हिंसा भी हुई थी। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि एनआईए को जांच पूरी करने के बाद सक्षम न्यायालय में अपनी रिपोर्ट दाखिल करनी चाहिए। पीठ ने पूछा, जांच की क्या स्थिति है? क्या यह पूरी हो चुकी है? इस मामले में एनआईए की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि वे विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करेंगे।

कानून अपना काम करेगा :

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हालांकि, हमारा मानना है कि एनआईए को जल्द से जल्द, अधिमानतः दो महीने के भीतर, जांच पूरी करने दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, आप अपना आरोप पत्र दाखिल करें। कानून अपना काम करेगा।

बता दें कि 24 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच पूरी होने पर एनआईए को आरोपपत्र दाखिल करने को कहा था। बता दें कि ये वहीं न्यायिक अधिकारी हैं, जो कि मतदाता सूची से बाहर किए गए 60 लाख से अधिक लोगों की आपत्तियों पर विचार करने के लिए कार्यरत थे। गौरतलब है कि इस मामले में 8 मई को एनआईए ने टीएमसी सरियुल शेख और युसुफ शेख को गिरफ्तार किया गया था।

पीएम मोदी को जाना है यूरोप

ठीक पहले एक्शन में डिफेंस मिनिस्टर

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते यूरोप की यात्रा पर जाने वाले हैं। वह 15 से 20 मई के दौरान नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देशों की यात्रा पर होंगे। लेकिन यूरोप जाने से पहले पीएम मोदी ने देश की जनता से अपील की कि डीजल पेट्रोल का इस्तेमाल कम करें, सोना की खरीदारी करने से बचें। माना जा रहा है कि पश्चिम एशिया में संकट के मद्देनजर पीएम ने जनता से यह अपील की है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को एक समीक्षा बैठक की। बैठक के बाद राजनाथ सिंह ने देशवासियों से कहा कि शांत रहें, घबराएं नहीं।

केंद्र जरूरी सामान की कमी रोकने के लिए ठोस कदम उठा रहा है। यह बैठक पश्चिम एशिया में बदलते हालात की समीक्षा करने और संबंधित मामलों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई। इस मुद्दे पर गठित मंत्रियों के अनौपचारिक अधिकार प्राप्त समूह (आईजीओएम) की बैठक के बाद राजनाथ सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बीच जरूरी सामान और ऊर्जा की आपूर्ति पर बारीकी से नजर रख रही है। राजनाथ सिंह ने कहा, सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति स्थिर बनी रहे और किसी भी तरह की कोई कमी न हो। सप्लाई चेन में किसी भी तरह की रुकावट से बचने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। यह बैठक संघर्ष से उत्पन्न होने वाले संभावित जोखिमों, विशेष रूप से ऊर्जा आपूर्ति और जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता से संबंधित जोखिमों की समीक्षा करने के लिए आयोजित की गई थी। पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार कदम उठा रही है कि देश में जरूरी सामान की कोई कमी न हो।

असल में, प्रधानमंत्री ने तेलंगाना में एक कार्यक्रम के दौरान देश के लोगों से एक साल तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने का आग्रह किया, ताकि विदेशी मुद्रा भंडार पर बोझ न बढ़े। साथ ही, उन्होंने पेट्रोल और डीजल के संयमित उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तेल की बचत से देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज दुनिया आर्थिक उथल-पुथल, सप्लाई चेन में व्यवधान और अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों से जूझ रही है, जिसका असर बढ़ती महंगाई के रूप में सामने आ रहा है। ऐसे समय में भारत को मजबूत बनाए रखने के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद जरूरी है।

बॉर्डर पर बीएसएफ को मिलेगी जमीन, आयुष्मान भारत की शुरुआत

> शुभेंदु अधिकारी ने पहले दिन लिए कई अहम फैसले

कोलकाता, 11 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रशासनिक सुधार, सीमाई सुरक्षा, केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन और कानून-व्यवस्था को लेकर कई बड़े फैसलों की घोषणा की। नवान्न में आयोजित बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब 'सुशासन, सुरक्षा और डबल इंजन सरकार' के नए दौर की शुरुआत हो चुकी है और पश्चिम बंगाल को भाजपा शासित अन्य राज्यों की विकास नीति के अनुरूप आगे बढ़ाया जाएगा।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर के 'जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता की सरकार' के सिद्धांत पर काम करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डर बाहर, भरोसा अंदर' संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि नई सरकार लोगों की सुरक्षा, विश्वास और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी।

पहली कैबिनेट में शुभेंदु सरकार ने लिए कई अहम फैसले

कैबिनेट बैठक में सबसे अहम निर्णयों में सीमाई सुरक्षा को लेकर बीएसएफ को आवश्यक जमीन सौंपने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने का फैसला शामिल है। मुख्यमंत्री ने भूमि एवं राजस्व विभाग तथा मुख्य सचिव को अगले 45 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने अवैध घुसपैठियों के हित में केंद्र और अदालतों के निर्देशों की अनदेखी की थी। सरकार ने राज्य को आधिकारिक रूप से आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने का भी निर्णय लिया है।

स्वास्थ्य विभाग को केंद्र सरकार के साथ आवश्यक समझौते जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना, पीएम श्री, विश्वकर्मा योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और उज्ज्वला योजना समेत कई केंद्रीय योजनाओं को राज्य में तेजी से लागू करने की प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की गई। जिला अधिकारियों को सभी लंबित आवेदनों को शीघ्र केंद्र को भेजने का निर्देश दिया गया है।

परिवार ने चाहा, तो सरकार जांच शुरू करेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय बाद पश्चिम बंगाल में 'भयमुक्त, रक्तपात रहित और निष्पक्ष चुनाव' संपन्न हुआ है। इसके लिए मतदाताओं, प्रशासन और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद दिया गया। साथ ही उन्होंने भाजपा के 321 'राजनीतिक शहीदों' को श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिवारों के साथ खड़े रहने का भरोसा दिया। राजनीतिक हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात भी कही गई। उन्होंने आगे कहा 'मैं सभी मतदाताओं, चुनाव आयोग (ईसी), केंद्रीय बलों, पुलिस, पर्यवेक्षकों और सभी राजनीतिक दलों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही हमारे संघर्ष के दौरान अपनी जान गंवाने वाले 321 व्यक्तियों के संबंध में कहा कि यदि उनके परिवार चाहें, तो सरकार जांच शुरू करेगी।'

सरकारी नौकरियों में आवेदन की अधिकतम आयु सीमा भी बढ़ाई

प्रशासनिक सुधारों के तहत आईएएस अधिकारियों को केंद्रीय प्रशिक्षण प्रणाली से जोड़ने का फैसला लिया गया है।

राज्य में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अनुरूप प्रशासनिक ढांचे को पूरी तरह समायोजित करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी। युवाओं को राहत देते हुए सरकारी नौकरियों में आवेदन की अधिकतम आयु सीमा पांच वर्ष बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पिछली सरकार ने जनगणना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय के 16 जून 2025 के निर्देश को लागू नहीं किया था, जिसे वर्तमान सरकार ने तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य की मौजूदा सामाजिक कल्याण योजनाएं बंद नहीं की जाएंगी, लेकिन उन्हें पारदर्शी तरीके से संचालित किया जाएगा।

क्या है आयुष्मान भारत योजना?

केंद्र सरकार ने इस योजना की शुरुआत साल 2018 में की थी। इस योजना का नाम अब बदलकर प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) कर दिया गया है।

इस योजना के तहत सरकार पात्र परिवारों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देती है। योजना के पात्र परिवारों को आयुष्मान गोल्डन कार्ड दिया जाता है। इस कार्ड को दिखाकर पात्र व्यक्ति सूचीबद्ध अस्पतालों में पांच लाख रुपये तक का फ्री इलाज करा सकता है।

निशिकांत दुबे का हमला : 370 का विरोध करने पर गिरफ्तार हुए थे श्यामा प्रसाद मुखर्जी, नेहरू ने दिया था आदेश

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नेहरू ने ही भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की गिरफ्तारी का आदेश दिया था। डॉ मुखर्जी उस समय जम्मू-कश्मीर में लागू अनुच्छेद 370 और वहां प्रवेश के लिए जरूरी परमिट सिस्टम का विरोध कर रहे थे।

क्या बोले भाजपा नेता?

निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा कि 11 मई 1953 का दिन कांग्रेस के इतिहास का एक काला अध्याय है। उनके अनुसार, डॉ. मुखर्जी ने नेहरू को अपने आंदोलन के बारे में पहले ही जानकारी दे दी थी।

इस जानकारी के आधार पर नेहरू ने शेख अब्दुल्ला और कैलाश नाथ काटजू को निर्देश दिया कि वे 11 मई को डॉ. मुखर्जी को गिरफ्तार कर लें। बता दें कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अनुच्छेद 370 के विरोध में आज ही के दिन (11 मई 1953) को जम्मू और कश्मीर में गिरफ्तार किया गया था। सांसद ने आगे दावा किया कि कश्मीर की जेल में बंद रहने के दौरान डॉ. मुखर्जी की मौत रहस्यमयी परिस्थितियों में हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि नेहरू ने बाद में इस पूरे मामले को दबा दिया था। दुबे के मुताबिक, नेहरू ने 12 दिनों के विदेश दौरे पर जाने से पहले कैलाश नाथ काटजू को लिखित निर्देश दिए थे। इन निर्देशों में कहा गया था कि देशव्यापी आंदोलन को बेरहमी से कुचल दिया जाए और इसमें शामिल संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया जाए।

लगाए गंभीर आरोप

निशिकांत दुबे ने यह भी कहा कि नेहरू ने उस दौर के दो प्रमुख अखबारों 'प्रताप' और 'मिलाप' के प्रकाशन को पूरी तरह रोकने का आदेश दिया था। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि नेहरू परिवार के हाथ खून और धोखे से रंगे हुए हैं। इससे पहले 22 अप्रैल को भी दुबे ने नेहरू-गांधी परिवार पर निशाना साधा था। तब उन्होंने आरोप लगाया था कि यह परिवार भारत को एक मुस्लिम राष्ट्र बनाने की साजिश रच रहा था।

सोमनाथ मंदिर का भी किया जिक्र

भाजपा नेता ने नेहरू पर सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन में बाधा डालने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि नेहरू ने तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को इस संबंध में धमकी भरे पत्र लिखे थे। दुबे ने 22 अप्रैल 1951 के एक सरकारी नोट का हवाला देते हुए कहा कि नेहरू ने मंदिर के उद्घाटन को रोकने की पूरी कोशिश की थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि नेहरू ने सोमनाथ मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान से माफी मांगी थी और संसद में भी ऐसा ही बयान दिया था।

चंबा के ककीरा में इनोवा क्रिस्टा खाई में गिरी, छह की मौत

बनीखेत/चंबा, 11 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा में भटियात के ककीरा में आज सुबह तीन बजे के करीब पर्यटकों से भरी एक गाड़ी दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसे में छह लोगों की मौत हुई है जबकि चार घायल हैं। दुर्घटनाग्रस्त इनोवा क्रिस्टा गाड़ी में गुजरात के टूरिस्ट सवार थे। ये लोग मनाली से डलहौजी घूमने जा रहे थे। हादसे के वक्त क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी। गाड़ी में ड्राइवर समेत कुल 10 लोग सवार थे।

घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत के चलते मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन मंडी नंबर की टैक्सी इनोवा क्रिस्टा थी। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्रारंभिक जांच में खराब मौसम और सड़क पर फिसलन को हादसे की बड़ी वजह माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि विजय कुमार सकलानी ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से मृतकों और घायलों के परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। ककीरा घार के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेज दिया गया था।

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटना में छह लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने चंबा जिले के लाहड़ू-तुणुहट्टी मार्ग पर ककीरा के पास हुई दुर्घटना में छह लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में चार लोग घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने और घायलों को इलाज की बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

'हर मीटिंग में उठाता हूं स्टैट्हुड का मुद्दा, एक बैठक से नहीं मिलेगा राज्य का दर्जा'

श्रीनगर, 11 मई (एजेंसियां)। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिलाने की प्रक्रिया लगातार जारी है। काश सिर्फ एक बैठक से ही राज्य का दर्जा मिल जाता, लेकिन यह एक लंबी प्रक्रिया है। मैं हर बैठक में स्टैट्हुड की मांग उठाता हूं, लेकिन इसके साथ-साथ अन्य कई मुद्दों पर भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से चर्चा करनी पड़ती है। श्रीनगर में मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शराब की दुकानों को लेकर भी सरकार का पक्ष स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि ये दुकानें केवल उन लोगों के लिए हैं जिनके धार्मिक विश्वास उन्हें शराब सेवन की अनुमति देते हैं।

आज तक जम्मू-कश्मीर की किसी भी सरकार ने शराब की दुकानों पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया है। इसका मतलब यह नहीं कि हम शराब के सेवन को बढ़ावा देना चाहते हैं। उनकी सरकार ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं। सरकार ने कोई नई शराब की दुकान नहीं खोली है और यह सुनिश्चित किया गया है कि ऐसी दुकानें उन स्थानों पर न हों, जहां युवाओं पर इसका गलत प्रभाव पड़ सकता हो। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके राजनीतिक विरोधी इस मुद्दे को उठाकर अपनी पिछली विफलताओं को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

टीएमसी की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष को फोन पर मिली धमकी

दिल्ली पुलिस से एक्शन लेने की लगाई गुहार

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा में टीएमसी की उपनेता और सांसद सागरिका घोष को फोन पर धमकी मिली है। सागरिका घोष ने इसकी जानकारी अपने एक्स हैंडल पर दी है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से एक्शन लेने की गुहार लगाई है। सागरिका घोष ने आरोपियों के नंबर भी साझा किया है। सागरिका को दीपक वृजवासन, जयशंकर भट्टाचार्य और गुरप्रीत नाम के शख्स का नंबर शेयर किया है।

सागरिका घोष ने लिखा कि डियर दिल्ली पुलिस मुझे कल शाम तीन अलग-अलग नंबरों से धमकी भरे कॉल आए, जिनकी पहचान मैंने अपने ट्रू कॉलर ऐप के जरिए कर ली है। आशा है आप आवश्यक कार्रवाई करेंगे। मैं शिकायत भी दर्ज कराऊंगी। धन्यवाद।

सागरिका घोष कौन हैं?

सागरिका घोष एक भारतीय पत्रकार के साथ लेखिका और वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस की ओर से राज्यसभा में उपनेता और सांसद हैं। वह जाने माने पत्रकार राजदीप सरदेसाई की पत्नी भी हैं। उन्होंने फरवरी 2024 में एक्टिव पॉलिटिक्स में कदम रखा और टीएमसी के टिकट पर पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सदस्य चुनी गईं।

वर्तमान में वे राज्यसभा में टीएमसी की डिप्टी लीडर भी हैं। सागरिका घोष ने 30 साल तक पत्रकारिता की। वह इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी की जीवनी लिखने के लिए भी जानी जाती हैं।

सागरिका घोष राज्यसभा में दमखम से पार्टी की आवाज उठाती है और सरकार को अक्सर घेरती हुई नजर आती हैं।

रविंद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि के मामले में बीजेपी नेता को घेरा

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस की डिप्टी लीडर सागरिका घोष ने शनिवार को आरोप लगाते हुए कहा कि रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर संसद में आयोजित पुष्पांजलि समारोह में भाजपा का कोई भी सांसद उपस्थित नहीं था। सागरिका घोष ने सत्तारूढ़ दल भाजपा पर पश्चिम बंगाल में नोबेल पुरस्कार विजेता का केवल चुनावी उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का आरोप लगाया।

सागरिका घोष ने अपने पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। टीएमसी सांसद ने दावा किया कि बंगाल की संस्कृति और विरासत के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता सिर्फ दिखावटी है।

पीएम मोदी के आने पर भी सोफे पर बैठी रहीं

विवादों में बंगाल की पश्चिम मेदिनीपुर एसपी, पापिया सुल्ताना आईपीएस कौन?

कोलकाता, 11 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस दौरान का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल है। वीडियो ने बंगाल की सियासत में खबबली मचा दी है। हालांकि यह वीडियो कोई राजनीतिक नहीं है लेकिन राजनीति से इसका लिंक है। वीडियो है पश्चिम बंगाल की आईपीएस अफसर पपिया सुल्ताना का।

बंगाल में इन दिनों एक नाम चर्चा का केंद्र बना हुआ है। यह नाम है, पश्चिम बंगाल कैडर की एक महिला आईपीएस अफसर का। यह वही आईपीएस हैं, जिनके ऊपर संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं के साथ असंवेदनशीलता बरतने के आरोप लगे थे। यह वही आईपीएस हैं, जिन्होंने संदेशखाली रेप केस में पीड़िताओं से सबूत मांगे थे। आईपीएस विवादों में आ गईं थीं और अब एक बार वह फिर विवादों में हैं।

आईपीएस पापिया सुल्ताना का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह दौरान का है। बताया जा रहा है कि पापिया सुल्तान कार्यक्रम में आगे वीआईपी लेन में सोफे पर बैठी थीं। आरोप है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम में पहुंचे। सभी पीएम के सम्मान में खड़े हुए लेकिन पापिया सुल्ताना बैठीं रहीं। इसके अलावा वहां बीजेपी के कई सीनियर नेता खड़े थे लेकिन कहने के बावजूद उन्होंने उन्हें बैठने की जगह तक नहीं दी। सोशल मीडिया पर पापिया के व्यवहार को लेकर उनकी आलोचना हो रही है और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग हो रही है। आईपीएस पपिया सुल्ताना को ममता बनर्जी के करीबी अफसरों में माना जाता है। फरवरी 2024 में जब संदेशखाली की महिलाओं ने टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उसके गुर्गों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए तब आईपीएस पापिया सुल्ताना चर्चा में आईं थीं। ममता बनर्जी ने जो जांच टीम बनाई थी, वह पापिया के अंडर बनाई गई थी। उन्होंने जांच के दौरान पीड़ित महिलाओं से सहानुभूति जताने के विपरीत उसने रेप साबित करने के लिए मेडिकल रिपोर्ट मांगी थी। वर्तमान में, पापिया पश्चिम मेदिनीपुर की पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में कार्यरत हैं। पापिया 2008 बैच की आईपीएस हैं। पापिया ने पहले ही प्रयास में यूपीएससी क्लियर किया था। पापिया पश्चिम बंगाल की पहली मुस्लिम महिला आईपीएस हैं।

पापिया सुल्ताना का जन्म 5 जुलाई 1980 को पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के एक गांव में हुआ था। वह एक साधारण परिवार में पली-बढ़ीं। पापिया सुल्ताना के पिता अरजहान हलदर उलुबेरिया ब्लॉक विकास कार्यालय में इंजीनियर के तौर पर काम करते थे। उनकी मां सलेमा जहां खाशखामार हाई मदरसा में पढ़ाती थीं। सुल्ताना ने हावड़ा के बौरिया हाई स्कूल में पढ़ाई की। मई 2006 में, जब वह लगभग 25 साल की थीं, तब उनकी शादी बदरुल आलम से हो गई। वह एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम करते थे।

पापिया अपने पति के साथ कोलकाता के केस्टोपुर में एक छोटे से दो कमरों वाले फ़्लैट में रहती थीं। शुरू में, उनके ससुराल वालों को उनके पुलिस की नौकरी के लिए पतलून पहनने के फ़ैसले को लेकर थोड़ी चिंता हुई। लेकिन जल्द ही उन्हें यह बात समझ आ गई कि यह वर्दी उन्हें अपना काम बेहतर ढंग से करने में मदद करती है। उसके बाद उन्होंने पापिया को पूरा सहयोग दिया। पापिया सुल्ताना का एक बेटा है। हालांकि आईपीएस बनने के बाद उनके और उनके पति के बीच विवाद होने लगे। मामला बढ़ा और उनका तलाक हो गया। पापिया सुल्ताना ने अपने बेटे की पति से कस्टडी ली और अब वह एक सिंगल मदर हैं।

खबरें जरा हटके

रईसी देख फटी रह जाएंगी आंखें! निज़ाम के वो 'जादुई' डायमंड कप जिनकी कीमत सुनकर आप रह जाएंगे हैरान

जब बात दुनिया के सबसे अमीर शख्सियतों के इतिहास की आती है तो हैदराबाद के सातवें निज़ाम, मीर उस्मान अली खान का नाम सबसे ऊपर आता है. उनकी जीवनशैली से जुड़ी कहानियाँ आज भी लोगों के होश उड़ा देती हैं. हाल ही में निज़ाम म्यूज़ियम के एक खास संग्रह ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा है, वे हैं हीरों से जड़े टर्किश कॉफ़ी कप. इन कपों की कीमत और इनकी चमक ने एक बार फिर हैदराबाद की रॉयल विरासत को चर्चा में ला दिया है. म्यूजियम के गाइड अनुसार पुरानी हवेली स्थित निज़ाम म्यूज़ियम में रखे ये दो कप दरअसल टर्किश गावा यानी एक विशेष प्रकार की कड़क ब्लैक कॉफ़ी पीने के लिए इस्तेमाल किए जाते थे. ये कप साधारण धातु के नहीं, बल्कि शुद्ध सोने से बने हैं और इनके ऊपर बारीक नक्काशी के साथ सैकड़ों असली हीरे जड़े हुए हैं. वीडियो के दावों के मुताबिक, इन महज दो कपों की अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमत लगभग करोड़ों रुपये आँकी गई है. यह आंकड़ा सुनने में जितना अविश्वसनीय लगता है निज़ामों की दौलत के हिसाब से उतना ही स्वाभाविक भी है.

कारीगरी और डिज़ाइन का अद्भुत संगम

इन कपों का डिज़ाइन उस्मानी साम्राज्य और भारतीय कला का एक अनूठा संगम पेश करता है. निज़ाम को दुनिया भर की नायाब चीज़ें इकट्ठा करने का शौक था. ये डायमंड कप न केवल उनकी रईसी का प्रतीक हैं बल्कि उस दौर की बेमिसाल कारीगरी का नमूना भी हैं. उस समय जब दुनिया भर के राजा-महाराजा साधारण मिट्टी या चीनी मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करते थे, निज़ाम के लिए सुबह की कॉफ़ी का प्याला भी करोड़ों की संपत्ति होता था.

दुनिया का सबसे खतरनाक गड्ढा! नीचे झांका तो दिखी रहस्यमयी दुनिया, जानें कहां है ?

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जो अपनी रहस्यमयी बनावट और खतरनाक बनावट की वजह से लोगों को हैरान कर देती हैं. इन दिनों एक ऐसा ही विशाल गड्ढा चर्चा में है, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक गड्ढों में गिना जा रहा है. इस गड्ढे की गहराई और अंदर का नजारा देखकर लोग सहम उठते हैं. जैसे ही कोई इसके भीतर झांकता है, उसे ऐसा लगता है मानो किसी दूसरी दुनिया की झलक मिल रही हो.

नरक का दरवाजा भी कहते है इसे लोग ?

यह रहस्यमयी गड्ढा यमन के अल-महरा क्षेत्र में स्थित 'भरहुत का कुआं' माना जाता है, जिसे स्थानीय लोग 'नरक का दरवाजा' भी कहते हैं. इसकी गहराई करीब 100 से 250 मीटर तक बताई जाती है, जबकि चौड़ाई भी काफी ज्यादा है. लंबे समय तक इस गड्ढे के बारे में तरह-तरह की कहानियां प्रचलित रहीं, जिनमें इसे जिन्नों और रहस्यमयी शक्तियों का ठिकाना बताया गया. हालांकि, वैज्ञानिकों ने इन दावों को खारिज करते हुए इसे एक प्राकृतिक भूगर्भीय संरचना बताया है. विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के गड्ढे चट्टानों के धंसने, पानी के कटाव और जमीन के अंदर खाली जगह बनने से तैयार होते हैं, जिन्हें 'सिंकहोल' कहा जाता है. इस गड्ढे के अंदर का माहौल बेहद अंधकारमय और नम है, जहां अजीब तरह की संरचनाएं, चट्टानें और कभी-कभी सांप या अन्य जीव भी पाए जाते हैं. नीचे से आने वाली दुर्गंध और सीमित ऑक्सीजन इसे और भी खतरनाक बना देती है.

हाल ही में जब एक टीम ने सुरक्षा उपकरणों के साथ इस गड्ढे के अंदर उतरकर जांच की, तो कई चौंकाने वाली बातें सामने आईं. अंदर पानी, गुफाओं जैसी संरचनाएं और जीव-जंतुओं के निशान मिले, लोगों का कहना है यहां कुछ रहस्यमयी चीजे हैं. यह जगह आज भी लोगों के लिए रहस्य और डर का केंद्र बनी हुई है. प्रशासन और विशेषज्ञ लगातार लोगों को चेतावनी देते हैं कि बिना सुरक्षा के ऐसे स्थानों के पास जाना बेहद जोखिम भरा हो सकता है. जरा सी लापरवाही गंभीर हादसे का कारण बन सकती है. इसके अलावा भी दुनिया में कई खतरनाक और रहस्यमयी गड्ढा हैं. जिनके नाम से लोग कांप उठते हैं.

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के ऊपर मंडराता दिखा यूएफओ! युद्ध के बीच नजर आया एलियन, मच गई सनसनी

दुनिया के सबसे संवेदनशील जलमार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अब यूएफओ की चर्चा हो रही है. अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव तथा कथित गोलीबारी के बीच अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने यूएफओ यानी यूएपी से जुड़ी नई डीक्लासिफाइड फाइल्स जारी की है. इन फाइल्स में सितंबर 2020 की एक रिपोर्ट शामिल है जिसमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के ऊपर 1800 फीट की ऊंचाई पर एक अनअइडेंटिफाइड एनोमलस फेनोमेना (यूएपी) को होवर करते देखा गया. यह रिपोर्ट एक मिलिट्री ऑपरेटर द्वारा दी गई है. ऑब्जेक्ट शांतिपूर्वक हवा में मंडरा रहा था और सामान्य विमानों जैसी कोई आवाज या गति नहीं दिखा रहा था.

चर्चा में है स्ट्रेट ऑफ होर्मुज

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के तेल व्यापार का महत्वपूर्ण चोक पॉइंट है जहां से रोजाना करोड़ों बैरल तेल गुजरता है. ऐसे में यहां यूएफओ का दिखना ना सिर्फ सैन्य बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय बन गया है. पेंटागन की नई वेबसाइट war.gov/ufo पर जारी इन फाइल्स में कई सीक्रेट दस्तावेज हैं. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर यह ऐतिहासिक खुलासा किया गया है. फाइल्स में मिडिल ईस्ट के कई इलाकों खासकर इराक, सीरिया और संयुक्त अरब अमीरात में भी यूएपी देखे जाने की रिपोर्ट्स शामिल है.

इसके अलावा हाल के महीनों में ईरान के शहरों तेहरान, राश्त समेत कई जगहों पर एक अजीब चमकते ऑब्जेक्ट की वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं. क्लिप्स में ऑब्जेक्ट चुपचाप दिशा बदलता नजर आ रहा है. कुछ लोग इसे एलियन स्पेसक्राफ्ट बता रहे हैं तो कुछ इसे ड्रोन या सैन्य परीक्षण मान रहे हैं. 2020 की रिपोर्ट में बताया गया है कि ऑब्जेक्ट काफी देर तक एक जगह पर स्थिर रहा और फिर अचानक गायब हो गया. मिलिट्री ने इसे ट्रैक करने की कोशिश की लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: उचित सोच के साथ-साथ आपका समय भी उचित होना चाहिए।

रामगुंडम संयंत्र से 90 प्रतिशत यूरिया तेलंगाना में रहना चाहिए : तुम्मला

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने केंद्र सरकार से मांग की है कि रामागुंडम उर्वरक संयंत्र में उत्पादित यूरिया का कम से कम 90 प्रतिशत तेलंगाना की आवश्यकताओं के लिए आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह अनुचित है कि राज्य में स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके उत्पादित यूरिया तेलंगाना के किसानों को जरूरत पड़ने पर उपलब्ध नहीं हो पाती है। मंत्री ने अधिकारियों को इस मुद्दे पर रामागुंडम उर्वरक संयंत्र के प्रबंध निदेशक को पत्र लिखने का निर्देश दिया।

तुम्मला नागेश्वर राव ने सोमवार को सचिवालय में उर्वरक कंपनियों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ तेलंगाना राज्य में खरीफ मौसम के लिए आवश्यक यूरिया की आपूर्ति, बफर स्टॉक और नैनो यूरिया के उपयोग के संबंध में एक समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि राज्य के पास वर्तमान में 1.46 लाख मीट्रिक टन यूरिया का बफर स्टॉक है, साथ ही लगभग 10,000 मीट्रिक टन डीएपी और कॉम्प्लेक्स उर्वरक भी मौजूद हैं। खरीफ 2026 के मौसम के लिए, तेलंगाना ने केंद्र सरकार से 11.50 लाख मीट्रिक टन यूरिया आवंटित करने का अनुरोध किया था। हालांकि, केंद्र ने केवल 10 लाख मीट्रिक टन ही आवंटित किया।

आवंटन अनुसूची के अनुसार, केंद्र ने सूचित किया कि राज्य को अप्रैल, मई और जून के दौरान प्रति माह 2 लाख मीट्रिक टन, जुलाई और अगस्त के दौरान प्रति माह 1.50 लाख मीट्रिक टन और सितंबर में 1 लाख मीट्रिक टन प्राप्त होगा। अधिकारियों ने मंत्री को सूचित किया कि अप्रैल के लिए आवंटित 2 लाख मीट्रिक टन के मुकाबले राज्य में केवल 1.53 लाख मीट्रिक टन ही पहुंचा है, जबकि मई में अब तक 48,985 मीट्रिक टन की आपूर्ति की गई है। धान की रोपाई जून के पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना को देखते हुए, मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मई के अंत तक कम से कम 35 लाख मीट्रिक टन यूरिया का बफर स्टॉक सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को केंद्र से तेलंगाना राज्य को आवंटित शेष यूरिया के परिवहन के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। तुम्मला नागेश्वर राव ने उर्वरक कंपनियों को चेतावनी दी है कि जो कंपनियां पिछले महीने आवंटित मात्रा में उर्वरक की आपूर्ति करने में विफल रहीं, उन्हें लंबित स्टॉक और चालू माह का कोटा दोनों समय पर उपलब्ध कराना होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यूरिया को उत्पादन केंद्रों से जिलों तक पहुंचाने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए और इसके संचालन और परिवहन में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि एमआरपी से अधिक कीमत पर थोक और खुदरा उर्वरक बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नागेश्वर राव ने बताया कि केंद्र सरकार उर्वरक वितरण के लिए एक नया ऐप विकसित कर रही है और इस ऐप को 21 मई से देश भर के प्रत्येक राज्य के दो जिलों में प्रायोगिक तौर पर लागू किया जाएगा। तेलंगाना में, यह पायलट प्रोजेक्ट रंगारेड्डी और मेडचल जिलों में लागू किया जाएगा। मंत्री ने अधिकारियों को नैनो यूरिया के उपयोग के संबंध में किसानों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश भी दिया। उन्होंने नैनो यूरिया बनाने वाली कंपनियों से जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर नर्सों को नियुक्ति आदेश प्राप्त होंगे

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा मंगलवार (12 मई) को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर नर्सिंग ऑफिसर पदों के लिए चयनित उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। यह कार्यक्रम शाम 4 बजे कोटी स्थित उस्मानिया मेडिकल कॉलेज के परिसर में आयोजित किया जाएगा। मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की विशेष मुख्य सचिव क्रिस्टीना जेड. चोंगथू और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कार्यक्रम में भाग लेने वाली नव-भर्ती नर्सों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड ने स्वास्थ्य विभाग में 1,919 नर्सिंग ऑफिसर पदों और श्रम विभाग में 257 पदों को भर दिया है।

सीएम ए. रेवंत रेड्डी पर भाजपा का तीखा हमला

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को ए. रेवंत रेड्डी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र-राज्य संबंधों की तुलना करने पर कड़ी आपत्ति जताई है। भाजपा के राज्य मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने एक बयान जारी कर रेवंत रेड्डी की टिप्पणी को राजनीतिक रूप से अपरिपक्व और बौद्धिक रूप से बेईमानी बताया। उन्होंने कहा कि यह दावा करना कि गुजरात का विकास कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार की वजह से हुआ, हास्यास्पद और अविश्वसनीय है। सुभाष ने कहा कि गुजरात का विकास नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निर्णायक नेतृत्व, पारदर्शी प्रशासन, वित्तीय अनुशासन और औद्योगिक दृष्टिकोण के कारण हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना में वित्तीय अव्यवस्था, बढ़ता कर्ज, प्रशासनिक ठहराव और अधूरे वादे देखे जा रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रेवंत रेड्डी को सहयोग की भावना से काम करने की सलाह को राजनीतिक आलोचना के बजाय सहकारी संघवाद के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि वे प्रचारात्मक बयानों और तुलना की राजनीति के बजाय शासन, बुनियादी ढांचे, किसानों के कल्याण और रोजगार सृजन पर ध्यान दें। सुभाष ने कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना के विकास के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन इसके लिए अनुशासन, पारदर्शिता और स्पष्ट रोडमैप आवश्यक है, केवल नारों से विकास संभव नहीं है।

कोमटिरेड्डी ने तेलंगाना सड़क परियोजनाओं पर वित्तीय प्रभाव की समीक्षा की

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (एचएम) सड़क परियोजनाओं की प्रगति पर सोमवार को सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने एक व्यापक समीक्षा बैठक की और निविदा प्रक्रिया, परियोजना लागत और अतिरिक्त बोलियों के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा। सचिवालय में आयोजित तीन घंटे की बैठक में एचएएम सड़क कार्यों के क्रियान्वयन, गुणवत्ता मानकों, वित्तीय प्रभावों और तेलंगाना राज्य भर में बुनियादी ढांचे के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया गया। अधिकारियों ने मंत्री को सूचित किया कि एचएएम परियोजनाओं में तेलंगाना की अतिरिक्त बोलियां, इसी तरह की परियोजनाओं को लागू करने वाले कई अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम थीं। समीक्षा के दौरान, अधिकारियों ने बताया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा 2016 से लागू किया जा रहा एचएएम मॉडल महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में पहले ही अपनाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि देश भर में लगभग 4-5 लाख करोड़ रुपये की 374 से अधिक एचएएम परियोजनाएं कार्यान्वयन के अधीन हैं। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि गुजरात में 66 प्रतिशत तक अतिरिक्त बोलियां दर्ज की गईं, जबकि महाराष्ट्र में एचएएम परियोजनाओं में लगभग 47 प्रतिशत अतिरिक्त बोलियां देखी गईं। उन्होंने आगे बताया कि एनएचएआई की कई परियोजनाओं में भी इसी तरह के रुझान देखने को मिले। बैठक के दौरान चर्चा का एक प्रमुख मुद्दा निर्माण लागत में हुई भारी वृद्धि थी। अधिकारियों ने मंत्री जी को बताया कि निविदा के समय बिटुमेन की कीमत 44,000 रुपये प्रति मीट्रिक टन थी, जो वर्तमान में बढ़कर लगभग 89,000 रुपये प्रति मीट्रिक टन हो गई है, यानी लगभग 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि जीएसटी में वृद्धि, रखरखाव संबंधी दायित्वों, ईंधन की कीमतों और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों ने परियोजना लागतों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। अधिकारियों के अनुसार, सड़क एवं भवन विभाग एचएएम चरण-I के अंतर्गत 13,006 करोड़ की अनुमानित लागत से 441 सड़क विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। ये परियोजनाएं 34 पैकेजों में 6,092 किलोमीटर की दूरी को कवर करती हैं। इसके अतिरिक्त, पंचायत राज विभाग 17 पैकेजों के अंतर्गत 6,250 करोड़ की लागत से 7,450 किलोमीटर की दूरी में फैली 2,162 सड़क परियोजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। अधिकारियों ने आगे बताया कि उन्नत मशीनरी, आधुनिक इंजीनियरिंग डिजाइन, दीर्घकालिक रखरखाव जिम्मेदारियों, एम्बुलेंस और गश्ती सेवाओं, स्वतंत्र इंजीनियर शुल्क और जीएसटी देनदारियों के कारण एचएएम परियोजनाओं में अतिरिक्त व्यय शामिल होता है।

बीआरएओयू सीआरपीएफ परिसर में विशेष अध्ययन केंद्र खोलेगा

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, सीआरपीएफ और ज्योति रेड्डी फाउंडेशन के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) परिसर में एक विशेष अध्ययन केंद्र स्थापित करेगी। विश्वविद्यालय के "शिक्षा सप्ताह" समारोह के दौरान सोमवार को हैदराबाद परिसर में कुलपति प्रोफेसर घंटा चक्रपाणि की उपस्थिति में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रोफेसर चक्रपाणि ने विश्वविद्यालय की समान अवसर योजना के तहत युद्ध विधवाओं और आदिवासी समुदायों, जिनमें गोंड, कोया और चेंचु जनजातियों के बच्चे भी शामिल हैं, के लिए मुफ्त शिक्षा पहलों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समावेशी शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और कैदियों और सैन्य कर्मियों को पहले से ही मुफ्त शिक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंने हाशिए पर पड़े समुदायों का समर्थन करने और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ज्योति रेड्डी फाउंडेशन की भी प्रशंसा की।

कांग्रेस सरकार पर चुनिंदा कार्रवाई के आरोप

पीओसीएसओ मामले को लेकर विवाद तेज

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर कुछ मामलों में चुनिंदा कार्रवाई करने के आरोप लगाते हुए विपक्ष और सोशल मीडिया पर तीखी आलोचना हो रही है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा विधानसभा में यह कहे जाने के बावजूद कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होगा, सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के पुत्र बंडी साई बागीरथ से जुड़े पीओसीएसओ मामले में कार्रवाई में देरी को लेकर विशेष रूप से चर्चा तेज है। कई लोगों ने प्रश्न उठाया है कि पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज होने के बाद भी तीन दिन तक गिरफ्तारी नहीं की गई।

इससे पहले दिसंबर 2024 में मुख्यमंत्री ने विधानसभा में संध्या थिएटर भगदड़ मामले का उल्लेख करते हुए कहा था कि कानून फिल्मी सितारों और राजनेताओं के लिए अलग नहीं हो सकता। अब विपक्ष और सोशल मीडिया उपयोगकर्ता सरकार पर अपने ही बयानों पर अमल न करने का आरोप लगा रहे हैं। कुछ पर्यवेक्षकों ने इस स्थिति की तुलना कर्नाटक से भी की है, जहां यौन उत्पीड़न के मामले में पूर्व जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना की गिरफ्तारी और बाद में सजा का उदाहरण दिया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ उपयोगकर्ताओं ने सरकार पर बड़े वादे करने और उन्हें लागू न करने का आरोप लगाया है, जबकि कुछ ने इसे राजनीतिक दबाव से जोड़कर देखा है।

ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन आयुक्त ने जनगणना कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन आयुक्त आर.वी. कर्णन ने सोमवार को जोनल आयुक्त एवं अतिरिक्त प्रधान जनगणना अधिकारी बी. संतोष के साथ हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित एनबीटी नगर में चल रहे जनगणना हाउस लिस्टिंग अभियान का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य मैदानी स्तर पर कार्यान्वयन की समीक्षा करना और आंकड़ों के संग्रहण में सटीकता सुनिश्चित करना था। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने गणनाकर्मियों और पर्यवेक्षण कर्मचारियों से बातचीत की तथा मकानों की सूची तैयार करने और जनसांख्यिकीय विवरण एकत्र करने की प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि यह प्रक्रिया एक महीने के भीतर, 9 जून 2026 तक पूरी कर ली जाए। आर.वी. कर्णन ने कहा कि जनगणना कार्य पूरी पारदर्शिता, सटीकता और समर्पण के साथ किया जाना चाहिए, क्योंकि एकत्रित आंकड़े विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने मैदानी कर्मचारियों को निर्देश दिया कि कोई भी परिवार छूटना नहीं चाहिए और नागरिकों से भी सही जानकारी देकर गणनाकर्मियों का सहयोग करने की अपील की। आयुक्त ने उप आयुक्तों को जनगणना कर्मचारियों के साथ समन्वय बनाए रखने और बिल कलेक्टरों तथा टैक्स इंस्पेक्टरों सहित संबंधित मैदानी अधिकारियों को इस कार्य में लगाने के निर्देश दिए।

टीएससीपीसीआर ने नाबालिग लड़की के साथ दुर्व्यवहार के मामले का स्वतः संज्ञान लिया

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (टीएससीपीसीआर) ने नव वर्ष समारोह के दौरान मोइनाबाद के एक फार्महाउस में 17 वर्षीय लड़की के साथ कथित यौन शोषण का स्वतः संज्ञान लिया है। मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पर प्रसारित खबरों के आधार पर, आयोग ने साइबराबाद पुलिस आयुक्त को तत्काल जांच करने, आवश्यक कार्रवाई करने और प्राथमिकता के आधार पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। टीएससीपीसीआर के अध्यक्ष कोथाकोटा सीता दयाकर रेड्डी ने कहा कि आयोग बाल अधिकारों की रक्षा और सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए इस मामले को अत्यंत गंभीरता से ले रहा है।

नंबर प्लेट में छेड़छाड़ कर चालान से बचने की कोशिश, युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकपेट पुलिस ने यातायात चालानों से बचने के लिए वाहन की पंजीकरण संख्या में छेड़छाड़ करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शंकर नगर, मलकपेट निवासी मोहम्मद आमिर (24) के पास एक स्कूटर है, जिसका मूल पंजीकरण नंबर टीजी11सी2019 है। आरोप है कि आमिर ने इस नंबर में हेरफेर कर अलग-अलग नंबर प्लेटों पर इसे टीजी112019 और टीजी11209 के रूप में बदल दिया था।

जांच में सामने आया कि आरोपी ने यातायात नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले जुर्माने से बचने के लिए यह छेड़छाड़ की थी। पुलिस ने नियमित जांच के दौरान वाहन को रोककर दस्तावेजों की जांच की, जिसमें नंबर प्लेट में गड़बड़ी पाई गई। इसके बाद स्कूटर को जब्त कर लिया गया और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मलकपेट पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग, हैदराबाद- 500 004

ई-निविदा: मुख्य कार्यालय परिसर और एनेक्सी बिल्डिंग, आरबीआई, हैदराबाद में हाउसकीपिंग सेवाएं और वॉशरूम सफाई प्रदान करने के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध

1. भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद बैंक के मुख्य कार्यालय परिसर और एनेक्सी बिल्डिंग में हाउसकीपिंग सेवाएँ और वॉशरूम की सफाई प्रदान करने के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध के लिए ई-टेंडर आमंत्रित करता है। कार्य की अनुमानित लागत ₹1,74,00,000/- (रुपये एक करोड़ चौहत्तर लाख केवल) है। पूर्व-योग्यता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया MSTC Ltd के ई-टेंडरिंग पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट www.rbi.org.in पर "टेंडर" के अंतर्गत 12 मई, 2026, 15:00 बजे से टेंडर नोटिस के साथ टेंडर दस्तावेज़ देखें।

2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 15 जून, 2026 को 14:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र निविदाकारों को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने हेतु एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।

3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हैदराबाद
12 मई, 2026

हस्ताक्षर/-
क्षेत्रीय निदेशक

एसबीआई कर्मचारी पर 23 लाख रुपये की हेराफेरी का आरोप

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की यूसुफगुडा शाखा के एक कर्मचारी पर एटीएम कैश रिजर्व से 23 लाख रुपये की हेराफेरी करने का आरोप लगा है। बैंक प्रबंधन की शिकायत पर मधुरा नगर पुलिस ने आरोपी कर्मचारी यादगिरी रेड्डी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शाखा में पुराने एटीएम को हटाकर नया एटीएम लगाया जा रहा था। इसी दौरान कैश से जुड़ी गड़बड़ी सामने आई। आरोप है कि कर्मचारी ने रकम निकालने के बाद रिकॉर्ड और खातों में भी हेराफेरी की, ताकि मामला छिपा रहे। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, A Subharani, W/o, JC 774090N, Sub, S Alagar Samy, presently R/o, Army Qtr No. 11/1, Vasanth Enclave, Bengaluru, Karnataka, changed my name from A Subharani to J Subharani, vide Affidavit Sl.No. 285/26 dt. 08.05.2026, before Addl Chief Judicial Magistrate at Bengaluru City.

I, Jaybhay Shahadeo Vithal, Father of No. 17006801W, NK, Jaybhay Raju Shahadeo, R/o, Dist: Ahmadnagar, Maharashtra, changed my name from Jaybhay Shahadeo Vithal to Jaybhay Shahadev Vitthal, vide Affidavit No. 466536. dt. 29.04.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हैदराबादी हलीम के लिए एफएसएसएआई ने तय किए नए मानक, व्यंजन पर लागू होंगे नियम

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की प्रसिद्ध पारंपरिक डिश हलीम को लेकर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने नए मानक तय किए हैं। अब इस व्यंजन के निर्माण और बिक्री के लिए निश्चित सामग्री और पोषण संबंधी मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा। दशकों से हैदराबादी हलीम अपने पारंपरिक स्वाद और पकाने की विधि के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन अब इसे एक मानकीकृत खाद्य उत्पाद के रूप में परिभाषित किया गया है। एफएसएसएआई ने इसे सामान्य खाद्य श्रेणी से हटाकर विशेष श्रेणी में रखा है। नए नियमों के अनुसार, हलीम कहलाने के लिए उसमें वजन के अनुसार कम से कम 25 प्रतिशत मांस होना जरूरी होगा। इससे उन दुकानदारों पर असर पड़ सकता है जो लागत कम करने के लिए अनाज और दालों की अधिक मात्रा का उपयोग करते हैं।

इसके अलावा मटन हलीम के लिए न्यूनतम 8 प्रतिशत प्रोटीन और 70 प्रतिशत नमी तथा चिकन हलीम के लिए न्यूनतम 6 प्रतिशत प्रोटीन और 75 प्रतिशत नमी का मानक तय किया गया है। सभी प्रकार के हलीम में वसा की मात्रा अधिकतम 12 प्रतिशत तक सीमित कर दी गई है। एफएसएसएआई के अनुसार ये मानक पैक्ड और निर्यात होने वाले हलीम पर लागू होंगे, और गुणवत्ता जांच के लिए इन्हीं मानकों को आधार बनाया जाएगा। हालांकि, उद्योग से जुड़े लोगों ने कहा है कि पारंपरिक धीमी आंच पर पकने की प्रक्रिया के कारण इन सटीक मानकों को पूरा करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसे देखते हुए एफएसएसएआई ने अनुपालन की समयसीमा बढ़ाकर 1 नवंबर 2026 कर दी है। नए नियमों के तहत अब लेबल पर मटन, बकरी और भैंस के मांस से बने हलीम का स्पष्ट उल्लेख करना अनिवार्य होगा, जिससे 'मिश्रित मांस' जैसी अस्पष्ट श्रेणी समाप्त हो जाएगी। इन बदलावों के बाद आगामी वर्षों में हलीम के उत्पादन और बिक्री प्रक्रिया में बड़े परिवर्तन देखने की संभावना है।

जुबली हिल्स हत्याकांड में जांच तेज

संदिग्धों के पुणे में छिपे होने की आशंका

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी विनय रंजन की पत्नी तनुजा रंजन की हत्या और लूटपाट के मामले में पुलिस जांच में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि इस घटना में शामिल संदिग्ध महाराष्ट्र के पुणे में छिपे हो सकते हैं। जुबली हिल्स स्थित पुलिस अधिकारी के आवास पर हुई इस सनसनीखेज वारदात के बाद पुलिस ने दस विशेष जांच दल गठित किए हैं, जो विभिन्न राज्यों में आरोपियों की तलाश कर रहे हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस पूरे गिरोह का नेतृत्व कथित रूप से साहू नामक एक नेपाली अपराधी कर रहा था, जो पहले भी भारत में आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। जांच में यह भी पता चला है कि घरेलू सहायिका कल्पना की मदद से इस अपराध की योजना बनाई गई थी।

सूत्रों के अनुसार, इस साजिश में दिल्ली की एक जेल से भी संपर्क होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं मुंबई, पटना और नेपाल के लोगों को कथित रूप से इस अपराध में शामिल करने की बात भी सामने आई है। जांच में यह भी पाया गया है कि कल्पना का आपराधिक इतिहास रहा है और वह पहले लखनऊ में भी अपराधों में शामिल रह चुकी है। आरोप है कि हत्या के बाद घर से सोने के आभूषण और नकदी लूटकर सभी आरोपी फरार हो गए। पुलिस को संदेह है कि लूटा गया सोना मुंबई में छिपाया गया है। इसी बीच, दिल्ली, मुंबई और भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि आरोपी देश छोड़कर न भाग सकें। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने कहा है कि सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और विभिन्न राज्यों में सुरागों के आधार पर जांच जारी है। सूत्रों के अनुसार, मुख्य संदिग्ध कल्पना को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
संपदा विभाग
हैदराबाद- 500 004

ई-निविदा: भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद के मुख्य कार्यालय भवन में, बैंकिंग हॉल के प्रवेश द्वार पर पूर्ण ऊँचाई वाले दो-लेन वाले टर्नस्टाइल तथा स्टाफ़ के प्रवेश द्वार पर पूर्ण ऊँचाई वाले तीन-लेन वाले टर्नस्टाइल की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।

भारतीय रिज़र्व बैंक, हैदराबाद ने अपने मुख्य कार्यालय भवन में, बैंकिंग हॉल के प्रवेश द्वार पर पूर्ण ऊँचाई वाले दो-लेन वाले टर्नस्टाइल तथा स्टाफ़ के प्रवेश द्वार पर पूर्ण ऊँचाई वाले तीन-लेन वाले टर्नस्टाइल की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए ई-टेंडर आमंत्रित किया है। इस कार्य की अनुमानित लागत ₹20 लाख (बीस लाख रुपये केवल) है। पूर्व-योग्यता मानदंडों के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया एमएसटीसी लिमिटेड के ई-टेंडरिंग पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) और हमारी वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर "टेंडर" अनुभाग में टेंडर दस्तावेज़ और टेंडर सूचना देखें, जो 12 मई, 2026, 18:00 बजे से उपलब्ध होंगे।

2. ई-निविदाएं केवल एमएसटीसी पोर्टल (https://www.mstcecommerce.com/eprocn) के माध्यम से 15 जून 2026 के 13:00 बजे तक जमा की जा सकती हैं। इच्छुक पात्र बोलीदाताओं को निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के साथ स्वयं को पंजीकृत करना होगा।

3. बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हैदराबाद
मई 12, 2026

हस्ताक्षर/-
क्षेत्रीय निदेशक

काशी में सीएम योगी का विपक्ष पर हमला

सनातन को मिटाने वाले खुद मिट गए

वाराणसी, 11 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को वाराणसी में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' में सनातन, सांस्कृतिक विरासत और मंदिर पुनर्स्थापना के मुद्दे को लेकर विपक्ष पर जोरदार निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोहम्मद गौरी से लेकर मुगल शासकों तक कई विदेशी आक्रांताओं ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को मिटाने का प्रयास किया लेकिन वे भारत की आत्मा और सनातन चेतना को कभी समाप्त नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर गुलामी का ढांचा खड़ा किया था लेकिन वह भारत की आत्मा को नहीं तोड़ पाया। सनातन केवल मंदिरों की दीवारों तक सीमित नहीं है बल्कि यह भारत की चेतना और आत्मा में बसता है।

सीएम योगी ने कहा, "जिन्होंने सनातन को मिटाने का प्रयास किया, आज वे खुद मिट्टी में मिल चुके हैं। आज उन आक्रांताओं का नाम लेने वाला कोई नहीं है लेकिन काशी विश्वनाथ धाम और सोमनाथ महादेव मंदिर भारत के स्वाभिमान और सांस्कृतिक गौरव की गाथा को आगे बढ़ा रहे हैं।"

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना साकार होती दिखाई दे रही है। सोमनाथ मंदिर के पुनर्प्रतिष्ठा और सुंदरीकरण से लेकर काशी विश्वनाथ धाम, उज्जैन में महाकाल महालोक और अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण तक, देश के पवित्र तीर्थस्थल अपने प्राचीन वैभव के साथ विकास की नई यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं। इन सभी कार्यों की प्रेरक शक्ति प्रधानमंत्री मोदी हैं और इसके लिए उत्तर प्रदेश की जनता उनकी आभारी है।

सीएम योगी ने बिना नाम लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि दुर्भाग्य से आज भी कुछ शक्तियां भारत के आत्मगौरव और सांस्कृतिक प्रतीकों को आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहतीं। यही वे लोग थे जिन्होंने सोमनाथ मंदिर की पुनर्प्रतिष्ठा और श्रीराम मंदिर निर्माण में लगातार बाधाएं खड़ी करने का प्रयास किया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आनंदीबेन पटेल ने काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। त्रयंबकेश्वर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अतिथियों का स्वागत किया।

'एआई, ड्रोन और क्वांटम तकनीक से यूपी बनेगा देश का 'डीप टेक कैपिटल'

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों के नाम एक पाती लिखकर इस दिन की विशेषता से अवगत कराया। उन्होंने 1998 के 'ऑपरेशन शक्ति' की उपलब्धियां याद करते हुए तकनीक को आत्मनिर्भरता का आधार बताया। उन्होंने एआई, रोबोटिक्स, ड्रोन, क्वांटम और स्टार्टअप्स के माध्यम से उत्तर प्रदेश को 'डीप टेक कैपिटल' बनाने तथा युवाओं से नवाचार अपनाने की अपील की। सीएम योगी ने कहा, हर वर्ष 11 मई को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' मनाया जाता है। यह तिथि यूं ही नहीं चुनी गई। वर्ष 1998 में इसी दिन पोखरण में 'ऑपरेशन शक्ति' के अंतर्गत भारत ने तीन सफल परमाणु परीक्षण कर विश्व को अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और राष्ट्रीय सामर्थ्य का बोध कराया। इसी दिन स्वदेशी विमान 'हंस-3' ने सफल उड़ान भरी, तो स्वदेशी 'त्रिशूल' मिसाइल का परीक्षण भी हुआ। तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार है। सीएम ने बताया, प्रदेश सरकार इसी मंत्र पर आगे बढ़ रही है। आज तकनीक प्रयोगशाला से निकलकर खेत-खलिहान तक पहुंच गई है। इससे जनजीवन सुगम हुआ है। डीबीटी के माध्यम से पैसे हस्तांतरित हो रहे हैं। आज ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा इसी तकनीक का प्रतिफल है।

जमीन की जिद से जिंदगियां जमींदोज

लालच में भूल गया रिश्तों की मर्यादा; बड़े बेटे ने भाई और मां को मार डाला

बांदा, 11 मई (एजेंसियां)। बांदा में जमीन की बेइंतहा जिद ने रिश्तों का खून कर दिया। 12 बीघे के लिए शुरू हुई लड़ाई ने मां, भाई का भी लिहाज नहीं रखा। बबेरू कस्बे में रविवार सुबह ने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया। बड़े बेटे के बंदूक से जब गोली चली तो कई जिंदगियां जमींदोज हो गईं। कई सपने तहस-नहस हो गए।

परिवार में जमीन के लिए लंबे -समय से अंदरूनी तनाव चल रहा था। ग्रामीणों के अनुसार करीब तीन माह पहले पिता जगदीश ने परिवार की एक जमीन करीब 80 लाख रुपये में बेची थी। इस रकम को चारों बेटों में बराबर बांटते हुए प्रत्येक को 20-20 लाख रुपये दिए गए थे। इसके बावजूद बड़े बेटे राजकिशोर की नजर बड़े बाबा की 12 बीघा जमीन पर बनी रही। बताया जा रहा है कि वह उस जमीन पर अकेले कब्जा चाहता था। इसी बात को लेकर परिवार में आए दिन विवाद होता था, जिसने खूनी रूप ले लिया। ग्रामीणों का कहना है कि राजकिशोर कुछ समय से एक संगठन से जुड़ गया था। जिससे इलाके में दबदबा बढ़ गया था। ग्रामीणों का कहना है कि इसी मनबढ़ई के कारण ही उसकी इतने बड़े वारदात को अंजाम देने की हिम्मत हो सकी। वहीं, सूचना मिलते ही एसपी पलाश बंसल, क्षेत्राधिकारी कृष्णकांत त्रिपाठी, कोतवाली प्रभारी राजेंद्र सिंह राजावत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। परिवार के लोगों के आंसू नहीं थम रहे हैं। आक्रोशित परिजन ने आरोपी की गिरफ्तारी तक शवों को न उठाने की बात कही। पुलिस अधिकारियों के समझाने-बुझाने के बाद शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

हत्यारोपी ने पिता व भाइयों पर दर्ज कराई थी प्राथमिकी

भूमि विवाद शुरू होने के बाद से ही दोनों पक्षों में आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो चुका था। 10 फरवरी 2025 को हत्यारोपी राजकिशोर ने बबेरू थाना में अपने पिता जगदीश, भाई आशीष व देवीदीन के खिलाफ हमलाकर घायल करने की प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। मां और बेटे की हत्या जमीन का सामान्य विवाद नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहा गोदनामा, वरासत और हिस्सेदारी, फर्जी अभिलेख बनवाने की बात सामने आई है। परिवार के बड़े सदस्य सत्यनारायण ने अपने भतीजे जगदीश के पुत्र गोविंद को गोद लिया था। गोद लेने के बाद उन्होंने अपने हिस्से की करीब 12 बीघा जमीन गोविंद के नाम वरासत कर दी थी।

प्रेमिका की बेवफाई से आहत प्रिंसिपल ने स्कूल में फांसी लगा ली

शिक्षिका और उसके घरवालों को जिम्मेदार बताया

गोरखपुर, 11 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल ने प्रेमिका की धोखेबाजी से दुखी होकर फांसी के फंदे पर लटक कर जान दे दी। इस घटना को उन्होंने कॉलेज परिसर में ही अंजाम दिया है। घटना के बाद से गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक के पास मिले सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। वहीं, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

चौरी चौरा थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर निवासी दिनेश सिंह यादव गांव के पूर्व प्रधान है। गांव में ही उनकी दिवंगत पत्नी पार्वती देवी के नाम से एक इंटर कॉलेज स्थापित है, जिसके वह प्रबंधक हैं और उनका 30 वर्षीय बड़ा बेटा धीरज सिंह कॉलेज में शिक्षक होने के साथ ही प्रिंसिपल भी था।

छोटा भाई पहुंचा तो जानकारी हुई

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रोज की तरह वह भोजन करने के बाद अपने विद्यालय में बने कमरे में सोने चला गया, लेकिन रविवार की सुबह देर तक घर वापस नहीं लौटने पर उसके छोटे भाई को चिंता हुई। वह उसे जगाने कॉलेज पहुंचा। कई आवाज देने के बावजूद जब दरवाजा नहीं खुला और अंदर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर उसे शक हुआ और उसने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो सामने ही भाई का शव पंखे की कुंडी से लटका हुआ पाया। यह देख उसकी चीख निकल गई। शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठे हो गए। तत्काल इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस के मुताबिक, धीरज अविवाहित था और चार भाइयों में सबसे बड़ा था।

मृतक ने प्रेमिका को मौत के लिए जिम्मेदारी ठहराया

पुलिस के अनुसार, मृतक के पास से मिले सुसाइड नोट और स्टेटस से जानकारी मिली है कि मृतक का प्रेम संबंध इसी स्कूल में पढ़ाने वाली एक शिक्षिका से था। मृतक के अनुसार दोनों रिलेशनशिप में थे और उनके बीच कई बार शारीरिक संबंध स्थापित हो चुके थे। मोबाइल पर स्टेटस के रूप में लगाए गए सुसाइड नोट में लिखा है कि मेरी मौत की जिम्मेदार मेरी प्रेमिका और उसके घर वाले हैं।

'जॉनी जॉनी यस पापा और रेन रेन गो अवे'

उच्च शिक्षा मंत्री बोले-ये राइम्स पाठ्यक्रम से हटा देना चाहिए

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने जॉनी जॉनी यस पापा और रेन रेन गो अवे, राइम्स को लेकर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा संस्कार देने वाली होनी चाहिए। मैं अंग्रेजी का नहीं कुसंस्कार देने वाली शिक्षा का विरोधी हूं। इन राइम्स को हटाने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष मुद्दा मुद्दा विहीन है। यही वजह है कि वो इस मामले में मुझे अंग्रेजी विरोधी बता रहा है। मैं अंग्रेजी का नहीं गलत संस्कार देने वाली शिक्षा का विरोधी हूं। मैं शिक्षकों को हमेशा संस्कार वाली शिक्षा देने की अपील करता हूं। इसी क्रम में मैने कानपुर में और लखनऊ में यह अपील की थी। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि डिग्री कॉलेजों के शिक्षक आसपास के इंटर कॉलेज में जाकर संपर्क करें और छात्र संख्या बढ़ाए। वोकेशनल कोर्स शुरू करें।

खनन घोटाले में जेल से बचने के लिए भाजपा नेताओं से चुपचाप भेंट करते हैं अखिलेश : ओपी राजभर

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जेल से बाहर इसलिए हैं कि वे दिन में भाजपा के खिलाफ बोलते हैं और रात में गुलदस्ता लेकर भाजपा नेताओं के यहां भेंट करने के लिए जाते हैं।

ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव के पास ज्यादा पैसों वाली टिप्पणी पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, अखिलेश यादव ऑस्ट्रेलिया से पढ़कर आए, लेकिन उन्होंने कौन-सी फैक्ट्री लगाई। पिछले दो बार से मुख्यमंत्री भी नहीं बने हैं। अपने शासनकाल में विकास के नाम पर घोटाले हुए और खनन घोटाले में अखिलेश यादव का भी नाम है। उसी घोटाले में गायत्री प्रजापति जेल काट रहे हैं, जबकि अखिलेश यादव बाहर हैं। उन्होंने आगे कहा, अखिलेश यादव इसलिए बाहर हैं कि दिन में भाजपा के खिलाफ बोलते हैं और रात में गुलदस्ता लेकर पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के यहां भेंट करने के लिए जाते हैं। वे इसलिए जाते हैं कि सरकार आप (भाजपा) बनाए और हमें (सपा) सिर्फ बोलने का अवसर दिया जाए। हम जिंदा रहेंगे तो आपकी सरकार खूब बनेगी।

राजभर ने यह भी कहा कि अखिलेश यादव दोपहर में 12 बजे सो कर उठते हैं। वे सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं और प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं। इसके सहारे वो भैंस को आकाश में उड़ाना चाहते हैं। सुभासपा के अध्यक्ष ने कहा, वे (अखिलेश यादव' किराए के जहाज से जाते हैं। इसका पैसा कहां से आता है? उनकी कोई फैक्ट्री बताएं, जो कहीं लगी हो। अखिलेश यादव का पूरा परिवार राजनीति है। वे पीडीए चला रहे हैं, लेकिन वह पीडीए 'परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी' है। अखिलेश यादव ने प्रदेश के खजाने को लूटकर अपने पास रखा है। उसी से वे जिंदगी के मजे ले रहे हैं।

कैबिनेट विस्तार पर अखिलेश यादव के सवालों को लेकर भी राजभर ने जवाब दिया। उन्होंने कहा, अखिलेश यादव कौन-सी नई बात बोल रहे हैं? बहुजन समाज पार्टी से हमसे कम तीन दर्जन पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री समाजवादी पार्टी में हैं। अखिलेश यादव के हिसाब से वे अच्छे हैं। मतलब कि 'वो करें तो रासलीला, हम करें तो कैरेक्टर ढीला।' उन्हें इस बारे में खुद सोचना चाहिए। राजभर ने आगे कहा, क्या नसीमुद्दीन सिद्दीकी और इंद्रजीत सरोज जैसे नेता उनकी पार्टी के कैडर के हैं? ऐसे तीन दर्जन नेता समाजवादी पार्टी में हैं।

अगर नेता उनके दल से निकलकर दूसरे दल में चले जाएं तो खराब है, और दूसरे दल से उनके दल में चले जाएं, तो बहुत अच्छे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक संकट के बीच देशवासियों से अपील पर राजभर ने कहा, ?निश्चित रूप से युद्ध के दौरान पड़ोसी देशों में समस्याएं होती हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने जो अपील की है, वह बिल्कुल सही है।

थूककर पिज्जा तैयार कर रहा था शॉप मालिक मुजम्मिल!

लोगों ने पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया

नोएडा, 11 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर में गन्ने के जूस और रोटी पर थूकने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे ही एक और ताजा मामला नोएडा से सामने आया है। एक वीडियो में पिज्जा शॉप में शख्स थूककर पिज्जा तैयार करता नजर आया है। बताया जा रहा है कि वीडियो में दिखाई दे रहे इस युवक का नाम मुजम्मिल है। वह इस दुकान का मालिक भी बताया जा रहा है। हालांकि, वीडियो की प्रामाणिकता की आधिकारिक जांच अभी बाकी है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस मुजम्मिल (निवासी गिझोड़, थाना सेक्टर-24 को हिरासत में ले लिया है। उससे इस संबंध में पूछताछ की जा रही है। यह पिज्जा शॉप थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर-22 स्थित चौड़ा गांव में स्थित है।

हिंदू रक्षा दल ने युवक को पीटा

थाना क्षेत्र के सेक्टर-22 के चौड़ा गांव में मुजम्मिल नाम के एक युवक द्वारा 'पिज्जा हंट' नाम की दुकान चलाई जा रही है। हिंदू रक्षा दल खोड़ा के अध्यक्ष सोनू शर्मा ने बताया कि दुकान पर थूककर पिज्जा बेचने की शिकायत मिली थी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर यह बात सही पाई गई। रविवार को आरोपी को उसी काम को करते हुए पकड़ लिया गया। उसकी पिटाई करने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पूछताछ में आरोपी मुजम्मिल ने बताया कि पिज्जा का बेस तैयार करते समय मैदा हटाने के लिए फूंक मारता था। थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

'जनता तेल-गैस कम इस्तेमाल करे, लेकिन भाजपा के रोड शो में तेल की कोई कमी नहीं'

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को एक्स पर कहा कि पांच राज्यों के चुनाव खत्म होते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने जनता का बोझ उठाने से हाथ खड़े कर दिए हैं। संजय सिंह ने कहा कि चुनाव तक सरकार जनता को भरोसा दिलाती रही कि देश में किसी चीज की कोई कमी नहीं है, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही जनता को तेल, गैस और सोने का इस्तेमाल कम करने की सलाह दी जाने लगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट को भी देशभक्ति से जोड़कर जनता को मानसिक रूप से दबाव में रखने का काम कर रही है, जबकि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग खुद ऐशोआराम, विदेशी यात्राओं और भव्य आयोजनों में किसी प्रकार की कटौती नहीं कर रहे हैं।

संजय सिंह ने कहा कि रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं यह कहा कि पिछले दो महीने से सरकार जनता का बोझ उठा रही थी।

उन्होंने कहा कि इसका सीधा अर्थ यह है कि जब तक पांच राज्यों के चुनाव चल रहे थे, तब तक सरकार जनता को राहत देने का दिखावा करती रही, लेकिन चुनाव खत्म होते ही अब सरकार कह रही है कि वह जनता का बोझ नहीं उठा सकती। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान मोदी सरकार दावा कर रही थी कि देश में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है, पूरा भंडार भरा हुआ है और कोई संकट नहीं है, लेकिन जैसे ही चुनाव समाप्त हुए, जनता को सलाह दी जाने लगी कि पेट्रोल-डीजल कम इस्तेमाल करो, गैस कम इस्तेमाल करो, खाने के तेल का उपयोग कम करो और यहां तक कि एक साल तक सोना भी मत खरीदो। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार जनता को यह संदेश दे रही है कि शादी हो, परिवार का कोई समारोह हो या कोई सामाजिक अवसर, लोग सोना तक न खरीदें।

उन्होंने कहा कि जनता से हर प्रकार की कटौती करने को कहा जा रहा है और इसे देशभक्ति का नाम दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय यह सारा ज्ञान प्रधानमंत्री को याद नहीं आया था, क्योंकि उस समय केवल वोट लेने की चिंता थी। लेकिन चुनाव खत्म होते ही जनता पर आर्थिक बोझ डालने की शुरुआत कर दी गई। आप सांसद ने कहा कि चुनाव समाप्त होने के तुरंत बाद सरकार ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 993 रुपये की भारी बढ़ोतरी कर दी। यही सिलेंडर चाय बेचने वाले, रेहड़ी-पटरी लगाने वाले, छोटे दुकानदार और मेहनतकश लोग इस्तेमाल करते हैं।

चैंबर विवाद में वकीलों के दो गुट भिड़े

कांग्रेस जिलाध्यक्ष के अधिवक्ता पिता को मारी गोली

बुलंदशहर, 11 मई (एजेंसियां)। बुलंदशहर में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन में सोमवार सुबह अधिवक्ताओं के दो गुटों में चैंबर को लेकर कहासुनी हो गई। इस दौरान डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव व उनके आठ-दस साथियों ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष जिया-उर-रहमान के पिता अधिवक्ता इमामुद्दीन और उनके साले रऊफ पर गोली चला दी। दोनों के जांघ और पैर में गोली लगी है। दोनों की हालत अभी स्तर बताई जा रही है। इमामुद्दीन ने दी तहरीर में बताया कि वह पिछले 30 वर्ष से जिला एवं सत्र न्यायालय में वकालत करते हैं। उन्होंने बताया कि सलीम अख्तर एडवोकेट का एक चैंबर था। मृत्यु के उपरांत उनकी पत्नी आयशा बेगम ने पति का चेंबर नंबर-272 एन ब्लॉक के सामने कलक्ट्रेट परिसर ट्रांसफर करने का अनापत्ति प्रमाण पत्र स्वयं बार एसोसिएशन के कार्यालय में आकर उनके नाम से अलॉट करवा दिया है। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने विधिक प्रक्रिया पूरी करने के पश्चात इमामुद्दीन के नाम उपरोक्त चैंबर अलॉट कर दिया। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह करीब 6:30 बजे उन्हें सूचना मिली की डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव व उनके आठ से 10 साथी चैंबर के ताले को तोड़ रहे हैं। जैसे ही वह और उनके बेटे का साला वहां पहुंचे तो आरोपियों ने उन पर गोलियां बरसा दीं। जिसमें दोनों के गोली जांघ और पैर में लगी हैं। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

पीएम मोदी की अपील के बाद जनता को गुमराह कर रही सपा : पंकज चौधरी

लखनऊ, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष को अब देशहित के हर फैसले में राजनीति दिखाई देने लगी है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऊर्जा बचत, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की अपील को भी समाजवादी पार्टी राजनीतिक चश्मे से देख रही है और जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। पंकज चौधरी ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश किसी कमजोरी का नहीं, बल्कि दूरदर्शी और जिम्मेदार नेतृत्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों और आर्थिक अस्थिरता के दौर में भारत आत्मनिर्भरता और संसाधनों के संरक्षण के रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ रहा है, लेकिन समाजवादी पार्टी जैसे दल राजनीतिक लाभ के लिए जनता को गुमराह करने में लगे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना महामारी, वैश्विक मंदी और अंतरराष्ट्रीय बाजार की अस्थिरता के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उन्होंने दावा किया कि डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, स्टार्टअप, रक्षा उत्पादन, रेलवे, एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट और मेट्रो जैसे क्षेत्रों में भारत लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है और पूरी दुनिया भारत के निर्णायक नेतृत्व व स्थिर नीतियों की प्रशंसा कर रही है।

एएमयू के शोध में हुआ खुलासा : दिल्ली-एनसीआर में टिड्डों की 54 प्रजातियां, सात नई खोजी गईं

अलीगढ़, 11 मई (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में टिड्डों की कुल 54 प्रजातियां हैं, इनमें सात नई प्रजातियां सामने आई हैं। यह खुलासा अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के जंतु विज्ञान विभाग के शोध में हुआ है। बुलंदशहर जिले में सबसे अधिक और रोहतक में सबसे कम जैव विविधता पाई गई है।

जंतु वैज्ञानिक प्रो. मोहम्मद कामिल उस्मानी के निर्देशन में प्रीति ने टिड्डों (शॉर्ट-हॉर्न्ड ग्रासहॉपर) पर शोध किया। उन्होंने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पाए जाने वाले टिड्डों की 54 प्रजातियों का रिकॉर्ड तैयार किया है। यह शोध वर्ष 2019 से 2024 के बीच दिल्ली-एनसीआर के 25 जिलों में किया गया। जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के कृषि एवं गैर-कृषि क्षेत्रों से कुल 1925 ग्रासहॉपर के नमूने एकत्र किए गए। इनमें सबसे अधिक संख्या ऑक्सीने उपकुल की रही, जबकि ऑडीपोडीने और

आर्कीडेन उपकुल की भी बड़ी संख्या दर्ज की गई। आर्थोपटेरा कुल के तहत आने वाले ये कीट विश्वभर में पाए जाते हैं और कृषि व्यवस्था पर गहरा प्रभाव डालते हैं। सामान्य परिस्थितियों में घास और फसलों पर निर्भर रहने वाले ये कीट पर्यावरणीय बदलाव की स्थिति में विशाल झुंड बना लेते हैं, जिससे भारी नुकसान और खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। शोध में इन टिड्डों की पहचान उनके आकार, सिर, पंख, प्रोनोटम, टांगों और नर-मादा जननांगों की सूक्ष्म संरचनाओं के आधार पर की गई। इसमें कुल 12 उपकुल, 29 वंश और 54 प्रजातियों का विवरण दर्ज किया गया। सात नई प्रजातियों की खोज की गई। शोध के दौरान यह भी पाया गया कि ऑडीपोडीने उपकुल के बैंड-विंग्ड ग्रासहॉपर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सबसे अधिक विविधता वाले समूह हैं। वहीं ऑक्सीने उपकुल के राइस ग्रासहॉपर धान के खेतों और जल स्रोतों के आसपास बड़ी संख्या में पाए गए। प्रो. मोहम्मद कामिल उस्मानी के अनुसार, यह अध्ययन दिल्ली एनसीआर क्षेत्र की जैव विविधता, कीट वर्गिकी और कृषि कीट प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेगा। साथ ही भविष्य में टिड्डों के प्रकोप को समझने और नियंत्रित करने में भी यह शोध उपयोगी साबित हो सकता है।

वीबी-जी राम जी कानून

सभी राज्यों–केंद्र शासित प्रदेशों में इस दिन लागू होंगे प्रावधान

> सरकार ने बताई तारीख

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 2025 के वीबी-जी राम जी कानून को लागू करने की घोषणा की है। सरकार ने एक जुलाई 2026 को वह तारीख तय की है, जिस दिन इस कानून के प्रावधान भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होंगे।

■ कितने दिनों की रोजगार की गारंटी मिलेगी?

इस कानून के तहत हर पात्र ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के अकुशल मजदूरी आधारित रोजगार की वैधानिक गारंटी दी जाएगी। पहले मनरेगा के तहत 100 दिनों का रोजगार मिलता था। यदि रोजगार मांगने के 15 दिनों के भीतर काम उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तो संबंधित श्रमिक बेरोजगारी भत्ते के हकदार होंगे।

■ मजदूरी भुगतान और मुआवजे के क्या प्रावधान हैं?

अधिनियम में मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक आधार पर या मस्टर रोल बंद होने के 15 दिनों के भीतर करने का प्रावधान है। भुगतान सीधे बैंक या डाकघर खातों में डीबीटी के जरिए किया जाएगा। यदि मजदूरी भुगतान में देरी होती है, तो श्रमिकों को प्रति दिन बकाया मजदूरी का 0.05 प्रतिशत मुआवजा भी मिलेगा।

■ डिजिटल उपस्थिति और जॉब कार्ड व्यवस्था

नई व्यवस्था में कार्यस्थलों पर उपस्थिति फेस रिकग्निशन आधारित प्रणाली से दर्ज की जाएगी। हालांकि, नेटवर्क या तकनीकी समस्या की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था भी उपलब्ध रहेगी। मौजूदा ई-केवाईसी सत्यापित मनरेगा जॉब कार्ड तब तक मान्य रहेंगे, जब तक नए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी नहीं हो जाते।

■ ग्राम पंचायतों को मिलेगी अहम जिम्मेदारी

इस अधिनियम में ग्राम पंचायतों को केंद्र में रखा गया है। परिवारों का पंजीकरण, रोजगार आवेदन स्वीकार करना, कार्यों का निष्पादन, रिकॉर्ड संधारण और विकसित ग्राम पंचायत योजना (वीजीपीपी तैयार करने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों की होगी। ग्राम सभाओं की भागीदारी से स्थानीय जरूरतों के अनुसार योजनाएं बनाई जाएंगी।

■ इन कार्यों को मिलेगी अनुमति

अधिनियम के तहत जल सुरक्षा, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, आजीविका संबंधी ढांचा और चरम मौसम से बचाव जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों में कार्य किए जा सकेंगे। पीएम आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के कार्यों को भी मजदूरी सहायता के लिए शामिल किया जा सकेगा।

ठेकेदार और भारी मशीनों पर रोक सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस अधिनियम के तहत होने वाले कार्यों में ठेकेदारों की अनुमति नहीं होगी। सभी कार्य श्रम आधारित होंगे और ऐसी मशीनों के उपयोग से बचा जाएगा जो मजदूरों के रोजगार को प्रभावित करें।

■ राज्यों के साथ साझा वित्तीय व्यवस्था

योजना के लिए पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों में केंद्र और राज्य के बीच 90:10 का अनुपात रहेगा, जबकि अन्य राज्यों और विधानमंडल वाले केंद्रशासित प्रदेशों के लिए यह अनुपात 60:40 होगा। बिना विधानमंडल वाले केंद्रशासित प्रदेशों का पूरा खर्च केंद्र सरकार वहन करेगी।

■ पारदर्शिता और सामाजिक निगरानी बढ़ेगी

हर कार्यस्थल पर 'जनता बोर्ड' लगाया जाएगा, जिसमें कार्य, लागत और अनुमानित श्रम दिवस की जानकारी दी जाएगी। ग्राम पंचायतों को साप्ताहिक सार्वजनिक बैठकें आयोजित करनी होंगी, ताकि योजना की प्रगति और भुगतान संबंधी जानकारी लोगों तक पहुंच सके। सरकार का कहना है कि विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम ग्रामीण रोजगार सुरक्षा, गांवों में बुनियादी ढांचे के विकास और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विपक्ष की आलोचना के बीच देश के उद्योगपतियों ने किया पीएम मोदी का समर्थन

> देश की जनता से किया अनुरोध

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संघर्ष से उपजी वैश्विक अनिश्चितता के बीच, शीर्ष उद्योगपतियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बचत और आर्थिक आत्मनिर्भरता के आह्वान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि ये उपाय भारत के लचीलेपन और विदेशी मुद्रा भंडार की रक्षा के लिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में लोगों से ईंधन बचाने, घर से काम करने, गैर-जरूरी खरीदारी सीमित करने और विदेश यात्राओं से बचने का आग्रह किया था।

कई उद्योगपतियों ने किया समर्थन

टीवीएस मोटर कंपनी के अध्यक्ष वेणु श्रीनिवासन ने प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भरता और विवेकपूर्ण उपभोग पर जोर का समर्थन किया। उन्होंने इसे वैश्विक अस्थिरता के समय आवश्यक बताया। भारती समूह के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने भी प्रधानमंत्री की टिप्पणियों का समर्थन किया। उन्होंने मौजूदा चरण को भारत के लिए आर्थिक अनुशासन का क्षण बताया। उन्होंने घरेलू ताकत पर 'दोगुना जोर' देने की बात कही। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी की अपील विदेशी मुद्रा भंडार की सुरक्षा पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य राशनिंग थोपना नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, वर्तमान परिस्थितियों में, विदेशी मुद्रा बचाना राष्ट्र के लिए उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आयातित ईंधन पर भारत की निर्भरता रेखांकित की। उन्होंने बताया कि ईंधन खपत कम करने से मूल्यवान विदेशी मुद्रा भंडार बचेगा। यह तब और महत्वपूर्ण है जब वैश्विक ऊर्जा कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान अपनाई गई डिजिटल कार्यप्रणालियों जैसे घर से काम और वर्चुअल बैठकों को बहाल करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, महामारी में हमने घर से काम और वर्चुअल बैठकें अपनाई थीं। राष्ट्रीय हित में इन्हें फिर प्राथमिकता देनी चाहिए।

गैर-जरूरी खर्चों पर नियंत्रण

प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से गैर-जरूरी विदेश यात्रा, डेस्टिनेशन वेडिंग और विदेशी छुट्टियों से बचने की अपील की। उन्होंने घरेलू पर्यटन और देश के भीतर समारोहों को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से अगले एक वर्ष के लिए गैर-जरूरी सोने की खरीदारी टालने का आग्रह किया। यह विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम करेगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने परिवारों को खाद्य तेल की खपत कम करने की सलाह दी, जिससे आर्थिक स्थिरता और व्यक्तिगत स्वास्थ्य दोनों को लाभ होगा।

करारी हार के बाद अकेली पड़ीं ममता

कांग्रेस और लेफ्ट ने साथ आने से किया इनकार, टीएमसी को भ्रष्ट पार्टी बताया

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में भाजपा के खिलाफ संयुक्त विपक्षी मोर्चा बनाने की ममता बनर्जी की अपील को कांग्रेस और वाम दलों ने सिरे से खारिज कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने एक वीडियो संदेश जारी कर कांग्रेस, सीपीएम और अन्य वामपंथी दलों से भाजपा के खिलाफ एकजुट होने की अपील की थी। उन्होंने भाजपा को सबसे बड़ा दुश्मन बताते हुए सभी विपक्षी ताकतों से साथ आने का आह्वान किया था।

कांग्रेस ने ममता पर क्या लगाया आरोप?

हालांकि, ममता की इस पहल को विपक्षी दलों ने तुरंत नकार दिया। कांग्रेस प्रवक्ता सौम्य ऐच रॉय ने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि ममता बनर्जी अब उन अल्ट्रा-लेफ्ट समूहों का समर्थन मांग रही हैं, जिन पर 2013 में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमलों के आरोप लगे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने पिछले चुनावों में कांग्रेस को लगातार बदनाम किया और राज्य में भाजपा को मजबूत होने का मौका दिया। रॉय ने कहा कि बंगाल में भाजपा को राजनीतिक जमीन देने का काम खुद ममता बनर्जी ने किया था।

सीपीएम ने ममता को बताया अलोकतांत्रिक नेता

वहीं, मोहम्मद सलीम के नेतृत्व वाली सीपीएम ने भी ममता बनर्जी की अपील को पूरी तरह खारिज कर दिया। सीपीएम राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने तृणमूल कांग्रेस को भ्रष्ट और सांप्रदायिक करार देते हुए कहा कि भाजपा के खिलाफ लड़ाई का मतलब तृणमूल कांग्रेस के साथ खड़ा होना नहीं हो सकता। सीपीआई के राज्य सचिव स्वपन बंदोपाध्याय ने भी साफ शब्दों में कहा कि ममता बनर्जी जैसी तानाशाही और अलोकतांत्रिक नेता के साथ हाथ मिलाने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

उधर, सीपीआई (एम-एल) लिबरेशन के अभिजीत मजूमदार ने तृणमूल कांग्रेस को दक्षिणपंथी और अधिनायकवादी पार्टी बताया। वहीं एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के पोलित ब्यूरो सदस्य अमिताभ चटर्जी ने कहा कि ममता बनर्जी अब ऐसी अपील इसलिए कर रही हैं क्योंकि उन्हें राजनीतिक हार का सामना करना पड़ा है। इस बीच, पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी ममता बनर्जी की अपील को महत्वहीन बताया।

'उनकी याददाश्त कमजोर हो गई'

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को शायद 'याददाश्त की समस्या' हो गई है, क्योंकि उन्हें अपनी ही पार्टी का इतिहास याद नहीं है। उनका यह बयान ऐसे समय आया, जब केरल के अगले मुख्यमंत्री को लेकर संशय बना हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर केरल में मुख्यमंत्री चुनने में देरी को लेकर तंज कसा था। इसके जवाब में रमेश चेन्निथला ने कहा कि दिल्ली में भाजपा को मुख्यमंत्री घोषित करने में 50 दिन लग गए थे। उन्होंने कहा कि अब जाकर उन्हें समझ आया है कि प्रधानमंत्री को शायद याददाश्त की समस्या हो गई है। चेन्निथला ने कहा, जिस प्रधानमंत्री ने दिल्ली में 50 दिनों तक मुख्यमंत्री घोषित नहीं करके अनिश्चितता पैदा की, वही अब कांग्रेस की आलोचना कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए।

बंगाल सीएम सुवेंदु के पीएए हत्याकांड में 3 संदिग्ध गिरफ्तार

बिहार के बक्सर, यूपी के बलिया से पकड़ाए; 6 मई को चंद्रनाथ का मर्डर हुआ था

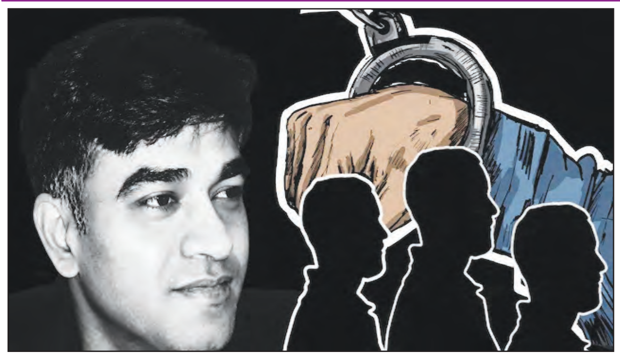

कोलकाता, 11 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट (पीएए) चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में बिहार और यूपी से 3 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों को बंगाल ले जाया गया है। बंगाल सीआईडी ने बताया कि बिहार के बक्सर से मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य, जबकि उत्तर प्रदेश के बलिया से राज सिंह को रविवार रात हिरासत में लिया गया था। इन्हें सोमवार सुबह गिरफ्तार किया गया। राज सिंह शार्प शूटर बताया जा रहा है।

बंगाल चुनाव के नतीजे आने के दो दिन बाद 6 मई को 42 साल के चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात उत्तर 24 परगना जिले के मध्यमग्राम इलाके में हुई। हमलावर ने रथ की कार रुकवाकर कई राउंड फायरिंग की थी। रथ को सीने और पेट में तीन गोलियां लगी थीं।

हमलावर के सुपारी किलर्स होने की आशंका, कार-बाइक जब्त

बंगाल पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद रथ की हत्या में सुपारी किलर्स के शामिल होने की आशंका जताई थी। पुलिस ने कहा कि शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि रथ की हत्या प्लानिंग के तहत की गई और इसमें प्रोफेशनल शूटर शामिल हो सकते हैं। पुलिस ने घटनास्थल से एक कार जब्त की, जिससे रथ की स्कॉर्पियो का पीछा किया गया था। कार की नंबर प्लेट फर्जी निकली। कार का चेसिस और इंजन नंबर मिटाया गया था। इसके अलावा, हमले में दो बाइक शामिल थीं। इनमें से एक मोटरसाइकिल भी घटनास्थल से करीब 4 किमी दूर चाय की दुकान के पास मिली। उस पर भी फर्जी रजिस्ट्रेशन था। दूसरी बाइक नहीं मिली है।

सुवेंदु टीएमसी में थे, तब से चंद्रनाथ उनके साथ थे

चंद्रनाथ पहले एयरफोर्स में अफसर थे। वीआरएस लेने के बाद कुछ समय कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया। इसके बाद राजनीति में आ गए। सुवेंदु जब तृणमूल कांग्रेस में थे, तब से चंद्रनाथ उनके लिए काम कर रहे थे। उन्हें सुवेंदु अधिकारी के बेहद करीबी लोगों में गिना जाता था। चंद्रनाथ 2019 में सुवेंदु की ऑफिशियल टीम का हिस्सा बने, तब सुवेंदु ममता बनर्जी सरकार में मंत्री थे। चंद्रनाथ ने भवानीपुर में सुवेंदु के चुनाव अभियान की जिम्मेदारी संभाली थी। भवानीपुर वही सीट है जहां से सुवेंदु ने ममता बनर्जी को विधानसभा चुनाव में करीब 15 हजार वोटों से हराया है।

चंद्रनाथ की मां भी सुवेंदु के साथ भाजपा में गई थीं

सुवेंदु की तरह चंद्रनाथ का परिवार भी पहले टीएमसी से जुड़ा था। उनकी मां हाशी रथ ने टीएमसी शासन के दौरान पूर्व मेदिनीपुर में स्थानीय पंचायत निकाय में पद संभाला था, लेकिन 2020 में सुवेंदु अधिकारी के साथ भाजपा में शामिल हो गईं। चंद्रनाथ शांत स्वभाव और लो-प्रोफाइल थे। उन्होंने रहारा रामकृष्ण मिशन से अपनी पढ़ाई पूरी की थी। कई सालों तक सुवेंदु के करीबी होने के बावजूद वह सुर्खियों से दूर ही रहते थे। चंद्रकात की सुवेंदु के साथ कोई फोटो नहीं है।

गर्लफ्रेंड निकली 'कातिल हसीना' बचपन के प्यार के लिए रची साजिश

> 900 किलोमीटर दूर से बुलाकर वीरू का किया अंत!

रायसेन, 11 मई (एजेंसियां)। नरसिंहपुर जिले की रीना किरार की दोस्ती राजस्थान के रहने वाले वीरू जाट से इंस्टाग्राम पर हुई थी। यह दोस्ती बाद में प्यार में बदल गया। वीरू जाट अपने प्लार रीना किरार से मिलने के लिए राजस्थान से उसके घर साईंखेड़ा आने लगा। वहीं, पति से अलग रह रही रीना का बचपन वाला प्यार भी परवान पर था। बचपन के प्रेमी को यह बात खटकने लगी कि वीरू क्यों यहां आ रहा है। इसके बाद रीना और उसके प्रेमी अरुण ने उसे मारने का प्लान बनाया।

राजस्थान से रीना ने वीरू को बुलाया मिलने

प्लान के मुताबिक रीना किरार ने अपने प्रेमी वीरू जाट को मिलने के लिए नरसिंहपुर जिले के साईंखेड़ा स्थित घर पर बुलाया। यह वीरू जाट के घर से 900 किमी दूर है। वीरू वादे के अनुसार 29 अप्रैल को रीना किरार के घर पहुंच गया। यहां पहले से रीना का प्रेमी अरुण पटेल और उसका दोस्त हरनाम किरार मौजूद था। अरुण पटेल रिश्ते में रीना का मौसेरा भाई भी लगता है। तीनों ने वीरू के पहुंचते ही तीनों ने बेसबॉल बैट से उसके सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इसके बाद उसकी मौत हो गई।

रायसेन में आकर फेंक दिया शव

तीनों ने वीरू की हत्या के बाद एक्सयूवी 700 की डिकी में उसका शव रखा। इसके बाद रायसेन जिले के बाड़ी लेकर आए। यहां नागिन मोड़ सिरवारा ब्रिज के ऊपर से 40 फीट नीचें खाई में फेंक दिया। सात मई को वीरू जाट का शव यहां सड़ी गली हालत में मिला। इसके बाद रायसेन पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। शव की हालत इतनी खराब थी कि पहचान करना मुश्किल हो रहा था। शव के पास से एक बैग मिला। इसमें कॉपी, मृतक के जूते और कंघी थे। कॉपी में एक शिक्षक की लिखावट थी। इसी से पुलिस को सफलता मिली।

उज्जैन से हुए तीनों गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार कॉपी के जरिए जांच टीम साईंखेड़ा स्थित रीना किरार के घर पहुंची। घर कई दिनों से बंद था। इसके बाद पुलिस का शक गहरा गया। पुलिस ने अपने मुखबिर को एक्टिव किए तो आरोपियों के उज्जैन में होने की जानकारी मिली। इसके बाद तीनों आरोपियों को उज्जैन से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में रीना किरार, अरुण पटेल और हरनाम सिंह किरार है।

मणिपुर की युवती से मारपीट का आरोप, दंपति के खिलाफ एफआईआर दर्ज-जांच में जुटी पुलिस

बंगलूरू, 11 मई (एजेंसियां)। बंगलूरू के प्रतिष्ठित आईआईएम परिसर से घरेलू सहायिका के उत्पीड़न का गंभीर मामला सामने आया है। मणिपुर की रहने वाली 23 वर्षीय युवती ने अपने नियोक्ताओं पर कई वर्षों तक शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना करने का आरोप लगाया है।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता पिछले करीब छह वर्षों से अमर और अंशु नामक दंपति के बच्चों की देखभाल का काम कर रही थी। वह आईआईएम-बंगलूरू कैंपस स्थित उनके आवास में ही रहती थी। युवती ने आरोप लगाया कि वर्ष 2021 से उसे पर्याप्त भोजन नहीं दिया जाता था और बीमार पड़ने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। शिकायत में पीड़िता ने बताया कि उसके मोबाइल फोन की नियमित जांच की जाती थी और उसे बाहर जाने से भी रोका जाता था। उसने आरोप लगाया कि जब भी वह किसी अन्य व्यक्ति से बात करती थी, तब उसके साथ मारपीट की जाती थी। डर की वजह से वह लंबे समय तक किसी को इस बारे में बता नहीं सकी। पीड़िता के मुताबिक, 15 अप्रैल की रात करीब 2:30 बजे आखिरी बार उसके साथ हिंसा हुई।

राहुल गांधी भारतीय राजनीति के सबसे 'रिजेक्टेड माल' : सीएम फडणवीस

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। सीएम फडणवीस ने राहुल गांधी को भारतीय राजनीति का 'सबसे रिजेक्टेड माल' करार दिया। मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, राहुल गांधी भारतीय राजनीति के सबसे 'रिजेक्टेड माल' हैं।

हर जगह से रिजेक्ट हुए, हर राज्य में रिजेक्ट हुए। देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा है और लगातार उन्हें आशीर्वाद दे रहा है।₹ दरअसल, यह बयान उस समय आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक ऊर्जा संकट और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच देशवासियों से ईंधन की बचत, विदेशी यात्राएं कम करने, और गैर-जरूरी सोने की खरीद टालने की अपील की थी। प्रधानमंत्री ने लोगों से सार्वजनिक परिवहन का ज्यादा इस्तेमाल करने, वर्क फ्रॉम होम अपनाने, और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की भी बात कही थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में विदेशी मुद्रा बचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से एक साल तक सोना खरीदने और विदेश घूमने की योजनाएं टालने की अपील की। पीएम मोदी ने इसे 'आर्थिक देशभक्ति' का हिस्सा बताया। प्रधानमंत्री की इस अपील पर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया दी। राहुल गांधी ने लिखा, पीएम मोदी ने रविवार को जनता से त्याग मांगे। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम जलाओ, खाद और खाने का तेल कम करो, मेट्रो में चलो, घर से काम करो, ये उपदेश नहीं ये नाकामी के सबूत हैं।

इंडी गठबंधन में फूटा गुस्सा : ममता बनर्जी 'अपराधी, लुटेरी और भ्रष्ट'

बीजेपी से लड़ाई में बड़ा झटका

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के हाथों डेढ़ दशक बाद सत्ता गंवाने पर टीएमसी चीफ ममता बनर्जी को विपक्षी इंडिया ब्लॉक की एकजुटता बहुत जरूरी लग रही है। हार के बाद से वह लगातार अपील कर रही हैं कि बीजेपी को हराने के लिए विपक्ष या इंडी गठबंधन को एकजुट होना ही पड़ेगा। लेकिन,जिन विपक्षी दलों को वो अबतक भाव देने के लिए तैयार नहीं थीं, वो पार्टियां अब उन्हें जरा भी भाव देने के लिए तैयार नहीं हैं।

ममता बनर्जी के बीजेपी विरोधी ताजा विपक्षी एकता की मुहिम को सबसे बड़ा झटका कांग्रेस और सीपीएम ने दिया है। सीपीएम के एक वरिष्ठ नेता ने उनकी पहचान 'अपराधी और लुटेरी' तक बता दी है। इंडिया अलायंस की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने जिस तरह से तमिलनाडु में गठबंधन के डूबते जहाज से छलांग लगाकर विरोधी दल के जहाज पर कूद कर जान बचाने की कोशिश की है, उसने भी टीएमसी अध्यक्ष के मंसूबे पर पानी फेर दिया है।

'ममता बनर्जी की पहचान, अपराधी, लुटेरी, भ्रष्ट'

सीपीएम के वरिष्ठ नेता मोहम्मद सलीम ने इंडी गठबंधन में एकजुटता की ममता बनर्जी की अपील पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस चीफ के बीजेपी के खिलाफ साथ मिलकर लड़ने के प्रस्ताव को सीधे खारिज कर दिया है। बिल्कुल नहीं। हमें ऐसा कोई भी प्रस्ताव मंजूर नहीं, जिसकी पहचान, अपराधी, लुटेरी, भ्रष्ट और सांप्रदायिक हो। हम जनता और कमजोर लोगों के साथ खड़े रहेंगे।

'हमें अपने कानों पर भरोसा नहीं हो रहा'

लगभग इसी तरह की प्रतिक्रिया पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस ने भी दी है। पार्टी प्रवक्ता सौम्या रॉय ने कहा, 'हमें अपने कानों पर भरोसा नहीं हो रहा। आप ने (ममता बनर्जी) राष्ट्रीय दलों को आमंत्रित किया है, कांग्रेस, लेफ्ट और अल्ट्रा-लेफ्ट को अपने साथ जुड़ने के लिए। अल्ट्रा-लेफ्ट से आपका मतलब क्या है? क्या आप माओवादियों की बात कर रही हैं, जिन्होंने 25 मई, 2013 को 18 कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी?'

'ममता बनर्जी हारने पर मांग रहीं समर्थन'

वहीं लोकसभा में कांग्रेस के पूर्व नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि अगर ममता बनर्जी राहुल गांधी को इंडिया ब्लॉक का नेता मान लें तभी उनके प्रस्ताव पर पार्टी विचार कर सकती है। उन्होंने बंगाल में कांग्रेस और सेक्युलर दलों को मिटाने की भरपूर कोशिशें कीं और अब जब उन्हें इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है तो समर्थन मांग रही हैं, क्योंकि उनकी ताकत खत्म हो चुकी है।..(सिर्फ राहुल गांधी के इंडिया ब्लॉक का नेता मानने पर)..ही हम कुछ सोच सकते हैं। अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस नेता।

'दुश्मन के दुश्मन को दोस्त समझने का वक्त नहीं'

9 मई को जब शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के पहले मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यकाल संभाला, ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक को दोबारा से एकजुट होने की अपील की है।

ममता बनर्जी ने कहा, 'मैं वामपंथी, अल्टा-लेफ्ट समेत सभी विपक्षी दलों से अपील करती हूं कि बीजेपी के खिलाफ साझा प्लेटफॉर्म बनाने के लिए एकसाथ आ जाएं।' यह दुश्मन के दुश्मन को दोस्त समझने का समय नहीं है, हमारी पहली दुश्मन बीजेपी है।

'मेरा लक्ष्य इंडिया ब्लॉक को मजबूत'

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी से बुरी तरह हारने के बाद अपनी पहली ही प्रेस कांफ्रेंस में ममता बनर्जी को विपक्षी एकता की जरूरत याद आने लगी थी। उन्होंने कहा, 'इंडिया ब्लॉक के सभी नेताओं को धन्यवाद।

हंतावायरस का खतरा बढ़ाः क्रूज जहाज पर एक व्यक्ति पॉजिटिव

17 अमेरिकी यात्री विशेष विमान से लौटे

वॉशिंगटन, 11 मई (एजेंसियां)। डच क्रूज जहाज एमवी होंडियस सवार का दो यात्री हंतावायरस पॉजिटिव पाया गया है। यह जानकारी अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग ने दी। विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही बताया कि एमवी होंडियस पर मौजूद सभी 17 अमेरिकी नागरिकों को विशेष एयरलिफ्ट के जरिए अमेरिका लाया जा रहा है। एहतियातन संक्रमित और संदिग्ध यात्री को विमान के बायोकंटेनमेंट यूनिट में रखा गया है।

हर यात्री की चिकित्सकीय जांच होगी

तय प्रोटोकॉल के अनुसार, यात्रियों को सबसे पहले नेब्रास्का के ओमाहा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ नेब्रास्का मेडिकल सेंटर/नेब्रास्का मेडिसिन के रीजनल इमर्जिंग स्पेशल पैथोजन ट्रीटमेंट सेंटर (आरईएसपीटीसी) ले जाया जाएगा। इसके बाद हल्के लक्षण वाले यात्री को उसके अंतिम गंतव्य के दूसरे आरईएसपीटीसी में स्थानांतरित किया जाएगा। विभाग के मुताबिक हर यात्री के पहुंचने

पर उसकी चिकित्सकीय जांच होगी। वहीं, स्थिति अनुसार उचित इलाज और सहायता प्रदान की जाएगी। शनिवार तक इस प्रकोप से जुड़े आठ संदिग्ध मामले और तीन मौतें सामने आ चुकी थीं।

अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के मुताबिक, हंतावायरस का ऊष्मायन काल यानी संक्रमण से लक्षण दिखने तक का समय एक से आठ हफ्ते तक हो सकता है। यह वायरस आमतौर पर रोडेंट्स (चूहों आदि) से फैलता है। दुर्लभ मामलों में इंसान से इंसान में भी फैल सकता है। संक्रमितों में मृत्यु दर एक-तिहाई से अधिक बताई जाती है। उधर, ब्रिटेन में भी एमवी होंडियस से निकाले गए 20 ब्रिटिश नागरिकों को रविवार को उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के एक अस्पताल में आइसोलेट किया गया। ये यात्री मैनचेस्टर पहुंचने के बाद बस से मर्सीसाइड के विराल स्थित एरो पार्क अस्पताल ले जाए गए, जहां उन्हें 72 घंटे तक चिकित्सकीय निगरानी में रखा जाएगा।

स्थानीय नेशनल हेल्थ सर्विस (एनएचएस) अधिकारियों ने संयुक्त बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि इन लोगों को 'क्लीनिकल मूल्यांकन और परीक्षण' के लिए नियंत्रित वातावरण में रखा जाएगा। यदि उनमें कोई लक्षण नहीं दिखते हैं, तो घर लौटने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन उन्हें अतिरिक्त 42 दिनों तक स्वयं को आइसोलेट रखना होगा।

यह आपात कदम एमवी होंडियस से जुड़े हंतावायरस प्रकोप के बाद उठाए गए हैं। इस बीच, ब्रिटेन सरकार ने दक्षिण अटलांटिक स्थित अपने दूरस्थ विदेशी क्षेत्र ट्रिस्टन दा कुन्हा में भी एक विशेष सैन्य और चिकित्सकीय दल भेजा है, जहां एक ब्रिटिश नागरिक में हंतावायरस की पुष्टि हुई है। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने बताया कि, 16 एयर असॉल्ट ब्रिगेड के छह पैराट्रूपर्स और दो सैन्य चिकित्सकों को पैराशूट की मदद से द्वीप पर उतारा गया। साथ ही ऑक्सीजन सिलेंडर और चिकित्सा उपकरण भी हवाई मार्ग से पहुंचाए गए।

221 लोगों की आबादी वाला ट्रिस्टन दा कुन्हा ज्वालामुखीय द्वीप समूह ब्रिटेन का सबसे दूरस्थ आबाद विदेशी क्षेत्र माना जाता है। वहां कोई हवाई पट्टी नहीं है और सामान्यतः केवल समुद्री मार्ग से ही पहुंचा जा सकता है।

लक्ष्य ज्वेलर्स में 1 करोड़ की चोरी

देर-रात चोरों ने सोने-चांदी के जेवर किए पार, सुबह शोरूम खोलने पर चला पता

रायपुर, 11 मई (एजेंसियां)। रायपुर में लक्ष्य ज्वेलर्स में भारी मात्रा में ज्वेलरी की चोरी हुई है। शनिवार देर-रात चोरों ने ज्वेलरी दुकान को निशाना बनाते हुए करीब एक करोड़ रुपए के जेवरात पार कर दिए। घटना खम्हारडीह थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार और रविवार की रात करीब 12:30 बजे चोर लक्ष्य ज्वेलरी शॉप में घुसे और दुकान से बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए।

रविवार को दुकान बंद होने के कारण इसकी जानकारी कारोबारी को नहीं हुई। सोमवार सुबह शॉप खोलने पर चोरी का पता चला। सूचना मिलने के बाद खम्हारडीह थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है।

फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, जिससे चोरी से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा सकें। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

नेपाल में रोहिंग्या मुस्लिमों की एंट्री बैन

भारतीयों के लिए आईडी कार्ड अनिवार्य बालेन सरकार ने शुरू की सख्त जांच

काठमांडू, 11 मई (एजेंसियां)। नेपाल जाने के लिए अब भारतीयों को अपना आईडी कार्ड दिखाना होगा। नेपाली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबित मोरंग के सीमावर्ती इलाके में जोगबनी सीमा चौकी से नेपाल जाने के लिए पहचान पत्र अनिवार्य कर दिया गया है। मोरंग जिला सुरक्षा समिति ने सीमावर्ती क्षेत्र में अवैध घुसपैठ और आपराधिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए यह फैसला लिया है।

मोरंग के सहायक मुख्य जिला अधिकारी सरोज कोइराला के मुताबिक यह फैसला नेपाल की तरफ से लिया गया है लेकिन ये पूरी तरह से सुरक्षा पर आधारित है। उन्होंने कहा यह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से नहीं किया गया है। यह पूरी तरह से नेपाल की सीमा पर सुरक्षा को थोड़ा और सख्त करने और जांच-पड़ताल के लिए है क्योंकि सीमा पार से अवैध घुसपैठ की संभावना बनी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक ये फैसला पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद लिया गया है। प्रशासन ने यह आकलन किया है कि भारतीय जनता पार्टी के वहां

सरकार बनाने के बाद रोहिंग्या मुसलमान भारत के पश्चिम बंगाल से भागकर नेपाल में प्रवेश कर सकते हैं। रिपोर्ट में भारतीय मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला दिया गया है कि बीजेपी की सरकार बनने के बाद बांग्लादेश के अवैध घुसपैठिये या रोहिंग्या नेपाल में दाखिल हो सकते हैं। सूत्रों का दावा है कि इसी वजह से नेपाल की ओर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

रेतोपति के मुताबिक सूत्र ने कहा पश्चिम बंगाल में BJP के बहुमत के साथ सरकार बनाने के बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल है। भारतीय मीडिया में ऐसी खबरें आ रही हैं कि रोहिंग्या मुसलमान वहां से भाग रहे हैं। यह सच है या नहीं यह तो पता नहीं लेकिन भारतीय मीडिया में मुसलमानों के अपने सामान के साथ भागने के वीडियो सामने आ रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि नेपाल की सरकार इस मुद्दे को कूटनीतिक मामले के बजाए आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से देख रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रशासन ने ट्रेनों के आने के समय विशेष निगरानी बढ़ाने की रणनीति अपनाई है। चूंकि हर समय कड़ी जांच करने से दिक्कतें हो सकती हैं इसलिए ट्रेनों के आने के समय जब 500 से 1000 लोग एक साथ प्रवेश करते हैं तो उनके आईडी कार्ड की जांच के लिए व्यवस्था की गई है।

ट्रम्प 13 से 15 मई तक चीन का दौरा करेंगे

जिनपिंग से ईरान, व्यापार और ताइवान मुद्दे पर बातचीत संभव

वाशिंगटन, 11 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 13 से 15 मई तक चीन का दौरा करेंगे। चीन ने सोमवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की।

इस दौरान उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात होगी, जिसमें ईरान, व्यापार और ताइवान समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर डोनाल्ड ट्रम्प चीन की राजकीय यात्रा करेंगे।

ट्रम्प पहले मार्च या अप्रैल में चीन जाने वाले थे, लेकिन ईरान युद्ध शुरू होने के बाद उन्होंने दौरा टाल दिया था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक ट्रम्प चीन पर ईरान को लेकर दबाव बना सकते हैं।

चीन ईरानी तेल का बड़ा खरीदार है। खासकर उसकी रिफाइनरियां रियायती दरों पर ईरान से तेल खरीदती हैं।

अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड टैरिफ को लेकर लंबे समय से तनाव बना हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देश व्यापार व्यवस्था को स्थिर करने और नए कारोबारी समझौतों पर चर्चा कर सकते हैं। ताइवान का मुद्दा भी बातचीत का अहम हिस्सा रह सकता है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका लगातार ताइवान को सैन्य और राजनीतिक समर्थन देता रहा है।

अमेरिका की प्रिंसिपल डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी एना केली ने कहा कि यह दौरा बहुत अहम वाला होगा। उन्होंने कहा कि ट्रम्प सिर्फ प्रतीकात्मकता के लिए यात्रा नहीं करते और अमेरिकी लोगों को इस दौरे से अच्छे समझौतों की उम्मीद करनी चाहिए। व्हाइट हाउस के मुताबिक ट्रम्प के दौरे में बीजिंग के टेम्पल ऑफ हेवन का दौरा और भव्य स्टेट बैंक्वेट शामिल होगा।

नेतन्याहू बोले- ईरान के नए सुप्रीम लीडर जिंदा

बंकर में छिपे, सत्ता पर पिता खामेनेई जैसी पकड़ नहीं, जनता के विद्रोह का डर सता रहा

तेल अवीव, 11 मई (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई जिंदा हैं, लेकिन उनकी सत्ता पर पकड़ उनके पिता अली खामेनेई जैसी मजबूत नहीं है।

नेतन्याहू ने कहा कि मुजतबा किसी बंकर या गुप्त जगह पर छिपे हुए हैं और वहीं से सत्ता संभालने की कोशिश कर रहे हैं। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान इस समय 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे कमजोर दौर में है। उनके मुताबिक, शासन के भीतर दरारें बढ़ रही हैं और अलग-अलग गुटों में मतभेद सामने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग संघर्ष जारी रखना चाहते हैं, जबकि दूसरे लोगों को डर है कि इससे अर्थव्यवस्था टूट जाएगी और जनता सड़कों पर उतर सकती है। नेतन्याहू ने कहा कि ईरानी शासन को सबसे ज्यादा डर अपनी ही जनता से है। उन्होंने दावा किया कि इजराइल और अमेरिका की

कार्रवाई के बाद ईरान में विरोध प्रदर्शन बढ़े और लोगों ने शासन के खिलाफ आवाज उठाई।

अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल हुए थे मुजबता

ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के हमले में घायल हुए थे। इसके बाद से वह गुप्त ठिकाने पर रह रहे हैं और डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई के ठिकाने पर हमला किया था। दावा किया गया है कि उसी हमले में मुजतबा खामेनेई घायल हो गए थे। हमले में अयातुल्ला अली खामेनेई, उनकी पत्नी और बेटे की मौत हो गई थी। बताया गया कि मुजतबा खामेनेई की हालत गंभीर रही है। उनके एक पैर का तीन बार ऑपरेशन किया गया है और अब उन्हें नकली पैर लगाना पड़ सकता है। एक हाथ की भी सर्जरी हुई है और वह धीरे-धीरे ठीक हो रहा है। उनके चेहरे और होंठ बुरी तरह जल गए हैं। इस वजह से उन्हें बोलने में परेशानी हो रही है और आगे प्लास्टिक सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान, जो पेशे से हार्ट सर्जन हैं, और स्वास्थ्य मंत्री भी उनके इलाज में शामिल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बड़े अधिकारी और सेना के कमांडर उनसे मिलने नहीं जाते, क्योंकि उन्हें डर है कि इजराइल उनके जरिए ठिकाने का पता लगा सकता है।

नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ हाल की कार्रवाई में पेट्रोकेमिकल प्लांट, स्टील प्लांट और मिसाइल निर्माण से जुड़े कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। उनके मुताबिक, इससे ईरान की अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत दोनों को नुकसान पहुंचा है।

नेतन्याहू ने कहा कि ईरान के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। उनके मुताबिक, ईरान के पास अब भी एनरिच्ड यूरेनियम मौजूद है, कई परमाणु केंद्र सक्रिय हैं और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइल इस बात पर सहमत हैं कि अगर जरूरत पड़ी तो दोबारा सैन्य कार्रवाई की जा सकती है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर आर्थिक दबाव और समझौते से लक्ष्य हासिल हो जाए तो सैन्य कार्रवाई जरूरी नहीं होगी।

गहरी खाई में गिरी वैन 11 की मौत, कई घायल

पेशावर, 11 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में सोमवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। इसमें 11 लोग मारे गए। वहीं, कई लोगों के घायल होने की खबर है। येलोग एक शादी समारोह में शामिल होने जा रही थे, तभी उनका वाहन गहरी खाई में जा गिरा। बचाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक, यह हादसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले के एक मशहूर पर्यटन स्थल मलम जब्बा में हुआ। रेस्क्यू 112 के मुताबिक, हादसे में कई महिलाएं और बच्चे भी मारे गए। मृतकों में दूल्हे की मां भी शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि वाहन चालक का नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद वैन गहरी खाई में जा गिरी।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने खुद ही बचाव अभियान शुरू कर दिया था। बाद में मेडिकल टीम और सरकारी अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को सैदू शरीफ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बचाव अधिकारियों ने बताया कि पहाड़ी और कठिन रास्तों की वजह से इस क्षेत्र में राहत और बचाव कार्य करना काफी मुश्किल होता है। स्थानीय प्रशासन ने हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। इससे एक दिन पहले इसी प्रांत के बन्नू जिले में एक भीषण आत्मघाती हमला हुआ। आत्मघाती हमलावर ने बारूद से भरी अपनी गाड़ी फतेह खेल पुलिस चेकपोस्ट पर टकराई। इस जोरदार धमाके में 15 पुलिसकर्मियों की मौत हुई और तीन अन्य जवान घायल हुए। बाद में अधिकारियों ने भी इस घटना की पुष्टि की।

धमाका इतना जोरदार था कि पुलिस चेकपोस्ट पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया। बन्नू के डीआईजी सज्जाद खान ने बताया कि विस्फोट से भारी तबाही हुई और कई जवान मलबे के नीचे दब गए। बचाव दल ने रात भर चले अभियान के बाद मलबे से तीन पुलिस अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

कठपुतली शासक चला रहा पाकिस्तान

जेएसएमएम प्रमुख ने पाकिस्तानी आवाम और दुनिया को बताई सेना की असलियत

बर्लिन, 11 मई (एजेंसियां)। जेएसएमएम के प्रमुख शफी बुरफत ने पाकिस्तान की सेना पर राजनीति, न्यायपालिका, मीडिया और अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सेना लंबे समय से धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद को संरक्षण देती रही है तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करती रही है।

पाकिस्तान की सेना और सैन्य नेतृत्व को लेकर सिंधी राष्ट्रवादी संगठन जेएसएमएम के प्रमुख शफी बुरफत ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था लंबे समय से धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद को संरक्षण देती रही है व देश की राजनीति, न्यायपालिका, मीडिया और

अर्थव्यवस्था पर उसका गहरा नियंत्रण है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी अपने विस्तृत बयान में बुरफत ने कहा कि पाकिस्तान में वास्तविक सत्ता हमेशा सेना के हाथों में रही है। उनके मुताबिक, सेना ने बार-बार लोकतांत्रिक सरकारों को गिराया, निर्वाचित नेताओं को सत्ता से हटाया, राजनीतिक विरोधियों को जेल में डाला और असहमति की आवाज उठाने वालों को देश छोड़ने पर मजबूर किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान में निर्वाचित सरकारों के बजाय सेना समर्थित कठपुतली शासकों के जरिए शासन चलाया जाता रहा है। बुरफत ने कहा कि सेना न केवल राजनीति, बल्कि मीडिया, न्यायपालिका और अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से को भी नियंत्रित करती है।

कमोदा बिहार रिसार्ट के अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

45 डिसमिल जमीन से हटाया गया अवैध कब्जा, दो दिन पहले हुआ था हंगामा

सरगुजा, 11 मई (एजेंसियां)। अंबिकापुर के कमोदा बिहार रिसॉर्ट में करीब 45 डिसमिल सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को प्रशासन ने हटा दिया है। सोमवार सुबह बुलडोजर लेकर पहुंची प्रशासनिक टीम ने विरोध के बीच कार्रवाई करते हुए बेजा कब्जा कर बनाए गए शेड और बाउंड्री को तोड़ दिया। कमोदा बिहार रिसॉर्ट से लगी सरकारी जमीन पर संचालक ने कब्जा कर शेड और बाउंड्री का निर्माण कराया था। जिसका वो इस्तेमाल कर रहे थे। नापजोख में 45 डिसमिल जमीन पर बेजा कब्जा पाया गया। शनिवार को प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध करते हुए संचालकों ने दो दिन की मोहलत मांगी थी। हंगामे के बाद टीम लौट गई थी।

पाकिस्तान और बांग्लादेश के रक्षा संबंधों में आ रही नई मजबूती

यूनुस की रणनीति को आगे बढ़ाने में जुटे तारिक रहमान

ढाका, 11 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच नशे के खिलाफ समझौता किया गया है जिसपर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ऐसा इसलिए कि बांग्लादेश और बांग्लादेश के बीच कोई जमीनी सीमा मिलती नहीं है और दोनों देशों के बीच इतनी ज्यादा समुद्री दूरी है कि नशे की तस्करी होना लगभग नामुमकिन है। ये समझौता काफी गुपचुप तरीके से किया गया है और वो भी उस रात जिस दिन भारत के पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने चुनावी जीत हासिल की थी। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के नए तारिक रहमान प्रशासन के तहत सहयोग के क्षेत्रों का विस्तार करके सुरक्षा सहयोग को बढ़ाया है। दोनों देश सूचना साझा करने संयुक्त खुफिया अभियानों और क्षमता-निर्माण पहलों के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटने के प्रयासों को मजबूत करने पर सहमत हुए।

ढाका और इस्लामाबाद ने शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गये हैं जिसका उद्देश्य अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने में सहयोग बढ़ाना है। बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद और पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री सैयद मोहसिन रजा नकवी ने अगले 10 वर्षों के लिए वैध इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं।

ढाका स्थित सूत्रों के मुताबिक दोनों देश नशीले पदार्थों के नियंत्रण में शामिल अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर सहयोग करने के साथ-साथ अनुसंधान निष्कर्षों को साझा करने पर भी सहमत हुए।

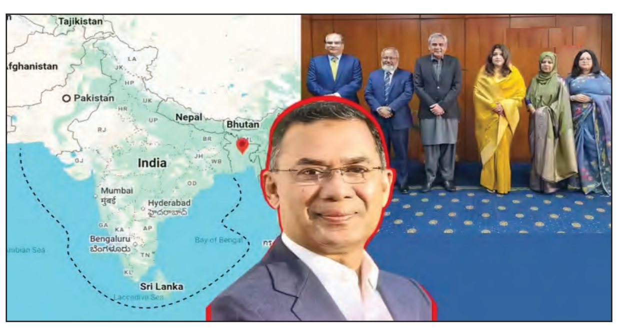

बांग्लादेशी अखबार 'द डेली स्टार' की एक रिपोर्ट के मुताबिक समझौते के तहत बांग्लादेश और पाकिस्तान नियमित रूप से नशीले पदार्थों के तस्करों, नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले संगठनों (DTOs), उभरते तस्करी मार्गों और नशीले पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली छिपाने की नई तकनीकों के बारे में जानकारी का आदान-प्रदान करेंगे। MoU में सीमा पार नशीले पदार्थों के नेटवर्क को बाधित करने के लिए संयुक्त खुफिया-नेतृत्व वाले अभियानों, जिसमें 'नियंत्रित वितरण अभियान' भी शामिल हैं का भी प्रावधान है।

हैरानी की बात ये है कि जब दोनों देशों के बीच जमीनी सीमा मिलती ही नहीं है तो फिर 'बॉर्डर' शब्द का इस्तेमाल क्यों किया गया है।

चीन ने ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर जे-10सीई लड़ाकू विमान को किया अपग्रेड

राफेल को लेकर कसा तंज

बीजिंग, 11 मई (एजेंसियां)। चीन ने ऐसा लगता है अपने जे-10सीई मल्टी-रोल फाइटर जेट को बेचने के लिए फिर से अपनी प्रोपेगेंडा मशीनरी को काम पर लगा दिया है। पाकिस्तान ने इस एक साल में भले ही भारत के सैन्य ठिकानों पर अपने हमले को साबित करने के लिए एक भी सबूत पेश नहीं कर पाया है। एक साल में पता चल गया है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत एकतरफा विजयी हुआ था। ऐसे वक्त में चीन की प्रोपेगेंडा मशीनरी भारत के खिलाफ प्रोपेगेंडा फैलाना शुरू कर दिया है। चीन की तरफ से एक वीडियो जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि 'बिना किसी नुकसान के दुश्मने के कई विमानों को मार गिराया गया था।'

7 मई 2026 को चीन के सरकारी मीडिया ने झांग हेंग का एक इंटरव्यू प्रसारित किया। झांग, एविएशन इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन ऑफ़ चाइना (एवीआईसी) के चेंगदू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में एक इंजीनियर हैं। यही संस्थान जे-10सी फाइटर विमान बनाता है। यूरेशियन टाइम्स के मुताबिक इसी दौरान चीनी इंजीनियर ने स्वीकार किया था कि भारत के खिलाफ चीन ने पाकिस्तान की मदद की थी। इस दौरान जे-10 सीई मल्टी-रोल फाइटर जेट का भी जिक्र किया गया था। इस इंटरव्यू के दौरान संकेत मिले हैं कि चीन जे-10सीई को अपग्रेड किया है।

चीनी मीडिया ने अपने सभी संसाधनों का इस्तेमाल पाकिस्तान के फर्जी दावों को फैलाने के लिए किया है। इसमें कहा गया था कि चार दिनों तक चले भीषण संघर्ष के दौरान जे-10सी विमान से दागी गई पीएल-15 लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल करके भारतीय वायुसेना के राफेल विमानों को मार गिराया गया था। ऐसा करके चीन की कोशिश अपने लड़ाकू विमान को बेचने की है।

लेकिन हैरानी की बात ये है कि पिछले एक साल में इस विमान का या पीएल-15 मिसाइल का एक भी ग्राहक चीन को नहीं मिला है। चीनी पत्रकार ली ज़ेक्सिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जे-10सी का एक वीडियो पोस्ट किया और फर्जी दावे को फिर से फैलाने की कोशिश की गई है। इस वीडियो को असल में इस विमान को बनाने वाली कंपनी ने चीनी इंटरनेट पर सबसे पहले पोस्ट किया था। चीन के अंग्रेजी अखबार 'चाइना डेली' ने 8 मई को यह रिपोर्ट दी थी कि जे-10सीई में नए अपग्रेड किए जाएंगे ताकि इस विमान को और भी ज्यादा मारक बनाया जा सके।

चीन की फेल मिसाइल का 'दलाल' बना पाकिस्तान

ब्रह्मोस का जवाब बताकर खाड़ी देशों को चूना लगाने की तैयारी

इस्लामाबाद, 11 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद से पाकिस्तान खुद को खाड़ी देशों के रक्षक के रूप में पेश कर रहा है। पाकिस्तान सऊदी अरब के साथ हुए रक्षा समझौते को कतर जैसे दूसरे देशों को ललचाने के लिए कर रहा है। दरअसल, पाकिस्तानी सेना अरबों डॉलर के हथियार लेना चाहती है ताकि वह भारत के खिलाफ अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत किया जा सके। ईरान के खिलाफ अमेरिकी हथियारों के फेल होने के बाद अब पाकिस्तान खाड़ी देशों को चीन के बनाए हथियारों की बिक्री करने के लिए 'दलाली' करने में जुट गया है।

पाकिस्तान ने पहले दावा किया था कि खाड़ी देश जेएफ-17 फाइटर जेट को खरीदना चाहते हैं। अब पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर का नाम लेकर 'फतह-3' मिसाइल को खरीदने के लिए खाड़ी देशों को लालच दिया है।

पाकिस्तान का दावा है कि फतह-3 मिसाइल भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का जवाब है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान के कई एयरबेस पर जमकर तबाही मचाई थी। पाकिस्तान ने अब चीन की तकनीक पर बनाई गई फतह मसिाइल के नए संस्करण को पेश करने का दावा किया है। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान फतह मिसाइल से हमले किए थे लेकिन भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने उसे हवा में ही तबाह कर दिया था। एक्सपर्ट का कहना है कि चीन पाकिस्तान के रास्ते खाड़ी देशों के हथियार बाजार में घुसना चाह रहा है जहां अभी तक अमेरिका और पश्चिमी देशों का दबदबा रहा है।

14 मई को मंगल और चंद्रमा बनाएंगे महालक्ष्मी राजयोग

4 राशि वालों का चमक उठेगा भाग्य!

ज्योतिष शास्त्र में कई राजयोगों के बारे में बताया गया है, जो व्यक्ति के जीवन में शुभ फल देते हैं। इन्हीं शुभ योगों में महालक्ष्मी राजयोग भी शामिल है। ये राजयोग बहुत ही शुभ और भाग्य चमकाने वाला योग माना जाता है। जब मंगल और चंद्रमा का मिलन एक ही राशि में होता है, तो ये राजयोग बनता है।
14 मई को ये दोनों ग्रह मेष राशि में साथ में होंगे और 16 मई तक इसी स्थिति में रहेंगे। ज्योतिषविद मान रहे हैं कि इस दौरान कुछ राशि के जातकों को जीवन में धन, सफलता और नए अवसर मिल सकते हैं, तो आइए जानते हैं इन राशियों के बारे में।

मेष राशि

ये समय मेष राशि वालों के बहुत अच्छा हो सकता है। इस दौरान आपको रुका हुआ धन मिल सकता है। कामकाज में तेजी आ सकती है। आय के नए रास्ते बन सकते हैं। नौकरी में प्रमोशन हो सकता है। इससे करियर आगे बढ़ सकता है।

मिथुन राशि

यह समय मिथुन राशि वालों को नई पहचान और मौके दे सकता है। आपके काम की तारीफ हो सकती है। कारोबारियों को लाभ हो सकता है। नई नौकरी में अच्छे मौके मिल सकते हैं। जीवन में सुख-सुविधाएं बढ़ सकती हैं।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों को इस समय की गई मेहनत का फल मिल सकता है। लंबे समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक हालात पहले से अच्छे हो सकते हैं। आय बढ़ने की संभावना है। नई नौकरी के योग हैं। पैतृक संपत्ति से लाभ हो सकता है।

तुला राशि

तुला राशि वालों के जीवन में इस समय संतुलन और उन्नति दोनों आ सकती है। आर्थिक स्थिति अच्छी हो सकती है। पुराने कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। निवेश से अच्छा लाभ हो सकता है।

12 ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले

सोमनाथ की स्थापना कैसे हुई?

आज से ठीक 75 साल पहले, 11 मई 1951 को देश के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण हुआ था। इसी ऐतिहासिक अवसर को अब सोमनाथ अमृत पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में अरब सागर के किनारे स्थित सोमनाथ मंदिर को भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में पहला और सबसे प्राचीन ज्योतिर्लिंग माना जाता है।

क्यों खास है सोमनाथ ज्योतिर्लिंग?

हिंदू धर्म में ज्योतिर्लिंग भगवान शिव की दिव्य और अनंत ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं। देशभर में कुल 12 ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं, लेकिन सोमनाथ को उनमें प्रथम स्थान प्राप्त है। गुजरात के वेरावल के पास प्रभास पाटन में स्थित यह मंदिर सदियों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। सोमनाथ शब्द का अर्थ है, सोम के नाथ, यानी चंद्रमा के स्वामी। मान्यता है कि इस ज्योतिर्लिंग की स्थापना खुद चंद्रदेव ने की थी। शिव पुराण और स्कंद पुराण सहित कई प्राचीन ग्रंथों में भी सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के बारे में बताया गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन मात्र से भक्तों के पापों का नाश होता है और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। यहां भगवान शिव के साथ माता पार्वती की कृपा भी प्राप्त होती है।

चंद्रदेव और दक्ष प्रजापति की कथा

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की स्थापना से जुड़ी सबसे प्रसिद्ध कथा चंद्रदेव और दक्ष प्रजापति से संबंधित है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, चंद्रदेव का विवाह दक्ष प्रजापति की 27 पुत्रियों से हुआ था। ये 27 पुत्रियां ही 27 नक्षत्रों का प्रतीक मानी जाती हैं। हालांकि, चंद्रमा अपनी सभी पत्नियों में से रोहिणी से सबसे अधिक प्रेम करते थे। वे अधिकतर समय रोहिणी के साथ ही बिताते थे। इससे बाकी 26 पत्नियां दुखी रहने लगीं। आखिर में उन्होंने अपने पिता दक्ष प्रजापति से इसकी शिकायत कर दी। जब दक्ष प्रजापति को यह बात पता चली, तो उन्होंने चंद्रदेव को समझाने का प्रयास किया कि वे सभी पत्नियों के साथ समान व्यवहार करें। लेकिन चंद्रदेव ने उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया। इससे गुस्सा होकर दक्ष प्रजापति ने चंद्रमा को श्राप दे दिया कि उनका तेज धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा।

श्राप से कमजोर होने लगे चंद्रदेव

दक्ष के श्राप का असर जल्द ही दिखाई देने लगा। चंद्रदेव का तेज क्षीण होने लगा और उनकी चमक कम होती चली गई। धीरे-धीरे वे बहुत ही दुर्बल और निराश हो गए। देवताओं और ऋषियों ने भी इस स्थिति को देखकर चिंता जताई। तब ब्रह्मदेव ने चंद्रमा को सलाह दी कि वे भगवान शिव की आराधना करें। ब्रह्मा की आज्ञा पाकर चंद्रदेव गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थित प्रभास तट पहुंचे और वहां शिवलिंग की स्थापना कर कठोर तपस्या शुरू की। कहा जाता है कि चंद्रमा ने कई सालों तक बहुत ही कठिन तप किया और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करते हुए भगवान शिव को खुश किया।

भगवान शिव ने दिया वरदान

चंद्रदेव की कठिन तपस्या से भगवान शिव प्रसन्न हो गए और उन्हें दर्शन दिए। चंद्रमा ने भगवान शिव से दक्ष प्रजापति के श्राप से मुक्ति की प्रार्थना की। तब भगवान शिव ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे पूर्ण रूप से श्रापमुक्त तो नहीं होंगे, लेकिन हर महीने 15 दिनों तक उनका तेज बढ़ेगा और वे पूर्णिमा के दिन पूर्ण चंद्र बनेंगे। इसके बाद अगले 15 दिनों में उनका तेज फिर धीरे-धीरे घटेगा। इसी कारण आज भी चंद्रमा शुक्ल पक्ष में बढ़ते और कृष्ण पक्ष में घटते दिखाई देते हैं। भगवान शिव ने चंद्रदेव को नया जीवन प्रदान किया, इसलिए उन्हें सोमनाथ कहा जाता है।

कैसे हुई सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की स्थापना?

पौराणिक कथा के अनुसार, जब चंद्रदेव श्राप से मुक्त हुए तो उन्होंने भगवान शिव से प्रार्थना की कि वे उसी शिवलिंग में सदा के लिए विराजमान हो जाएं, जिसकी उन्होंने प्रभास क्षेत्र में स्थापना की थी। भगवान शिव ने उनकी प्रार्थना स्वीकार कर ली और ज्योति स्वरूप में उस शिवलिंग में स्थापित हो गए। तभी से यह स्थान सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के नाम से प्रसिद्ध हो गया। मान्यता है कि यही भगवान शिव का पहला ज्योतिर्लिंग है।

रोग पंचक में कौन-सा दान करना शुभ माना जाता है?

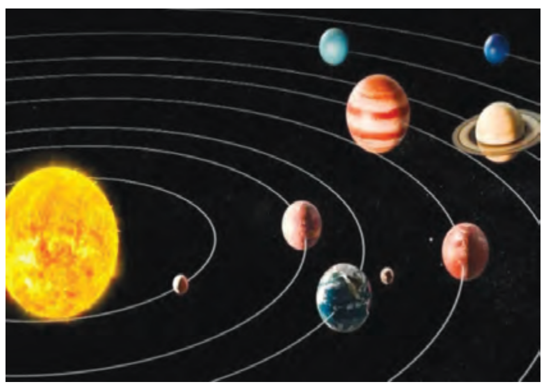

पंचांग और ज्योतिष शास्त्र में पंचक को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि पंचक के दौरान कुछ कार्यों को करने से बचना चाहिए, वहीं धार्मिक उपाय और दान-पुण्य करने से इसके अशुभ प्रभावों को कम किया जा सकता है। जब पंचक रविवार के दिन शुरू होता है, तो उसे रोग पंचक कहा जाता है। ज्योतिषियों के अनुसार, यह समय स्वास्थ्य, मानसिक स्थिति और ऊर्जा पर नकारात्मक असर डाल सकता है। ऐसे में लोग इस दौरान विशेष सावधानी बरतते हैं और किसी भी शुभ काम को करने से पहले उचित उपाय अपनाते हैं।
मई 2026 में कब लग रहा है रोग पंचक?
पंचांग के अनुसार, मई 2026 में रोग पंचक की शुरुआत 10 मई, रविवार को दोपहर 12 बजकर 12 मिनट से हो चुकी है। यह पंचक लगातार 5 दिनों तक रहेगा और 14 मई, गुरुवार को रात 10 बजकर 34 मिनट पर समाप्त होगा। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, पंचक के ये पांच दिन संवेदनशील माने जाते हैं। इस दौरान व्यक्ति को मानसिक तनाव, स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां, थकान और कामों में रुकावट का सामना करना पड़ सकता है।

क्या होता है रोग पंचक?

जब पंचक रविवार के दिन आरंभ होता है, तो उसे रोग पंचक कहा जाता है। माना जाता है कि इस दौरान बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है और पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं दोबारा परेशान कर सकती हैं। रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ने, तनाव बढ़ने और मन में बेचैनी रहने की संभावना रहती है। ज्योतिष शास्त्र में यह भी कहा गया है कि पंचक के दौरान व्यक्ति के निर्णय प्रभावित हो सकते हैं, इसलिए बड़े निवेश, विवाद या जोखिम वाले कामों से बचने की सलाह दी जाती है।
ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, रोग पंचक के दौरान दान करने से नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और शुभ फल प्राप्त होते हैं। आइए जानते हैं किन चीजों का दान करना लाभकारी माना गया है।

अन्न का दान

गरीब और जरूरतमंद लोगों को गेहूं, चावल, दाल या भोजन का दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और कष्टों में कमी आती है।

हरी सब्जियों का दान

रोग पंचक में हरी सब्जियां या हरे मूंग का दान करने से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों में राहत मिलने की मान्यता है।

वस्त्र दान

जरूरतमंद लोगों को कपड़े दान करना पुण्यदायी माना जाता है। विशेष रूप से सफेद या हल्के रंग के वस्त्र दान करना शुभ माना जाता है।

औषधि और फल का दान

बीमार लोगों को दवा, फल या स्वास्थ्य संबंधी सामग्री देना रोग पंचक में बहुत लाभकारी माना गया है। इससे रोग दोष कम होने की मान्यता है।

तिल और गुड़ का दान

काले तिल और गुड़ का दान करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और मानसिक शांति प्राप्त होती है।

थोड़ी-सी समझ भी अगर दिखाएं तो रिश्ता बच जाता है

वैसे तो पूरी दुनिया में हम तलाक के मामले में सबसे पीछे हैं, लेकिन पिछले 5-7 साल में वृद्धि हुई है। लोग तनावपूर्ण दाम्पत्य जीवन से शांतिपूर्ण अलगाव को प्राथमिकता दे रहे हैं। लेकिन फिर भी अंतिम प्रयास किया जाना चाहिए कि परिवार न टूटें।
पिछले दिनों मेरे देखते-देखते हमारे सम्पर्क में एक वर्ष में दस परिवारों में ऐसी घटनाएं घटी और मुझे कहीं ना कहीं कोई भूमिका निभानी पड़ी। तो मैंने देखा, टॉक्सिक मैस्क्युलिनिटी यानी विषाक्त पुरुषत्व और टॉक्सिक फेमिनिज्म- यानी स्त्रियों में पुरुष के दोष देखने की वृत्ति- ये दोनों बातें संबंधों पर प्रभाव डाल रही हैं।
साफ दिखता है कि थोड़ी-सी समझ अगर होती तो रिश्ता बच जाता। असहनीय स्थिति में मुक्ति बुरी नहीं, लेकिन तलाक भी फैशन बन जाए तो खतरा है। रावण टॉक्सिक मैस्क्युलिनिटी का शिकार था और उसकी बहन शूर्पनखा टॉक्सिक फेमिनिज्म से ग्रस्त थी। जिस घर में पुरुष के भीतर का रावण और स्त्री के भीतर की शूर्पनखा अंगड़ाई लेगी, वहां परिवार बचाना मुश्किल होगा।

गोस्वामी तुलसीदास की सीख

भक्ति में मन की स्थिति से ज्यादा महत्वपूर्ण है नियमित रूप से मंत्र जप करना

कभी-कभी जीवन में ऐसा समय आता है जब मन किसी भी काम में नहीं लगता। न पढ़ाई में, न काम में और न ही पूजा-पाठ में। व्यक्ति खुद को भीतर से खाली महसूस करता है। भक्ति के मार्ग पर चलने वाले अधिकतर लोगों के साथ भी ऐसा होता है कि मन पूरी तरह एकाग्र नहीं होता, फिर भी वे मंत्र जप या पूजा करने बैठ जाते हैं। ऐसे में मन में प्रश्न उठता है कि क्या इस प्रकार की भक्ति का कोई फल मिलता है?
इस प्रश्न का उत्तर गोस्वामी तुलसीदास से जुड़े प्रसंग से मिलता है। कहा जाता है कि एक बार गोस्वामी तुलसीदास जी के एक भक्त ने उनसे पूछा- "कभी-कभी मन भक्ति में नहीं लगता, फिर भी हम मंत्र जप करते हैं। क्या ऐसी भक्ति का कोई लाभ होता है?"
इस पर गोस्वामी तुलसीदास ने कहा-

"तुलसी मेरे राम को, रीझ भजो या खीज।
भौम पड़ा जामे सभी, उल्टा सीधा बीज।।"

तुलसीदास जी ने समझाया कि जब किसान खेत में बीज बोता है, तो वह यह नहीं देखता कि बीज सीधा गिरा है या उल्टा। वह केवल बोता है। समय आने पर वही बीज अंकुरित होकर फसल बनता है। ठीक इसी प्रकार, भक्ति में मन की स्थिति से अधिक महत्वपूर्ण है कर्म का निरंतर होना। भक्ति में मन लगे या न लगे, मंत्र जप का लाभ जरूर मिलता है। यदि व्यक्ति अच्छे भाव से या कभी-कभी बिना भाव के भी ईश्वर का नाम लेता है, तो उसका प्रभाव व्यर्थ नहीं जाता। समय के साथ वही अभ्यास मन को शुद्ध करता है और धीरे-धीरे भीतर की अशांति कम होने लगती है।

प्रसंग की सीख

यह प्रसंग हमें सीख देता है कि जीवन में हर काम हमेशा पूरी मनोदशा में ही हो, यह आवश्यक नहीं। कई बार अनुशासन और निरंतरता ही हमें सही दिशा में ले जाती है। जैसे बीज को अंकुर बनने के लिए समय और धैर्य चाहिए, वैसे ही भक्ति और जीवन प्रबंधन दोनों में निरंतर प्रयास जरूरी है। जीवन में छोटे-छोटे प्रयास भी बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

निरंतरता को प्राथमिकता दें

जीवन में सफलता अचानक नहीं मिलती। जैसे खेत में बीज डालने के बाद तुरंत फल नहीं मिलता, वैसे ही किसी भी आदत या लक्ष्य के लिए समय देना जरूरी है। रोज थोड़ा-थोड़ा प्रयास करने से बड़े परिणाम मिलते हैं।

मन की स्थिति पर निर्भर न रहें

हम अक्सर सोचते हैं कि जब मन अच्छा होगा, तभी काम करेंगे, लेकिन यह आदत टालमटोल को बढ़ाती है। बेहतर तरीका यह है कि काम को शुरू कर दें, चाहे मन हो या न हो। शुरुआत करने से ही मन धीरे-धीरे उस काम में लगने लगता है।

सकारात्मक विचारों को अपनाएं

चाहे मंत्र जप हो, मेडिटेशन हो या कोई और अच्छी आदत, उसका नियमित अभ्यास मानसिक शांति बढ़ाता है। सकारात्मक विचार अपनाएंगे, तो धीरे-धीरे नकारात्मक विचार कम होंगे और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

समय का सही उपयोग करें

दिन को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर काम करना अधिक प्रभावी होता है। सुबह का समय मानसिक रूप से सबसे अच्छा माना जाता है, इसलिए महत्वपूर्ण कार्य उसी समय करें।

धैर्य रखें

हर परिणाम समय लेता है। जैसे बीज तुरंत फल नहीं देता, वैसे ही प्रयासों का फल भी धीरे-धीरे मिलता है। अधीरता अक्सर अच्छे काम को भी बिगाड़ देती है। इसलिए हर स्थिति में धैर्य बनाए रखें।

आत्मनिरीक्षण करें

रोज दिन के अंत में यह देखें कि आपने क्या अच्छा किया और किस काम में सुधार की जरूरत है। यह आदत जीवन को संतुलित बनाती है।

आध्यात्मिकता को जीवन का हिस्सा बनाएं

पूजा, ध्यान या मंत्र जाप केवल धार्मिक क्रिया नहीं हैं, बल्कि ये मानसिक संतुलन और स्पष्टता लाने का माध्यम भी हैं। इससे निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होती है, जीवन में शांति आती है। इसलिए कुछ समय पूजा-पाठ और ध्यान के लिए भी निकलना चाहिए।

चौमुखी दीपक जलाने से कौन से देवता होते हैं प्रसन्न?

हिंदू धर्म शास्त्रों में पूजा-पाठ का विशेष महत्व बताया है। पूजा-पाठ करने से देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि बढ़ती है। पूजा-पाठ के बहुत सारे नियम भी धर्म शास्त्रों में बताए गए हैं। पूजा-पाठ के नियमों में ही शामिल है दीपक जलाना। दीपक जलाए बिना पूजा कभी भी पूर्ण नहीं मानी जाती है।
शुभ या मांगलिक कामों में भी दीपक जलाया जाता है। हिंदू धर्म में दीपक को ज्ञान के प्रकाश को फैलाने के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। दीपक के भी कई प्रकार के होते हैं, जिसमें एक है चौमुखी दीपक। यानी चार लौ वाला दीपक। आइए जानते हैं कि चौमुखी दीपक जलाने से कौन से देवता प्रसन्न होते हैं? साथ ही जानते हैं इस दीपक के लाभ।

चौमुखी दीपक जलाने से भैरव देवता होते हैं प्रसन्न

धार्मिक मान्यता के अनुसार, घर में चौमुखी दीपक जलाने से भैरव देवता प्रसन्न होते हैं और अपना आशीर्वाद बनाए रखते हैं। घर के लोगों के सभी कष्ट और दुखों को दूर करते हैं। भय से मुक्ति दिलाते हैं। माना जाता है कि चौमुखी दीपक की बाती से चारों दिशाओं में एक समान प्रकाश फैलता है, जिससे सभी दिशाओं में सुख और सकरात्मकता का संचार होता है।

चौमुखी दीपक की दिशा

चौमुखी दीपक जलाने के लिए सरसों के तेल का उपयोग सबसे अच्छा माना जाता है। जिस घर में सरसों के तेल से सुबह-शाम चौमुखी दीपक जलाया जाता है, वहां नकारात्मकता नहीं टिक पाती। चौमुखी दीपक के लिए दिशा का बहुत महत्व है। चौमुखी दीपक दक्षिण दिशा में जलाया जाता है।

चौमुखी दीपक जलाने के लाभ

घर में चौमुखी दिपक जलाने से भैरव देव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। घर से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है। चौमुखी दीपक घर में सुख-समृद्धि बनाए रखता है। वास्तु दोष दूर करता है। हर अमावस्या तिथि पर तिल के तेल से चौमुखी दीपक जलाने से पितृ दोष से भी छुटकारा मिल जाता है।

सबसे श्रेष्ठ मुहूर्त वह है जब हमारा मन प्रसन्न, आशावादी, उत्साहित और सकारात्मक होता है

शास्त्रों के अनुसार सबसे श्रेष्ठ मुहूर्त वह होता है जब मन प्रसन्न, आशावादी, उत्साहित और सकारात्मक होता है। ऐसी मानसिक अवस्था में किया गया काम अधिक फलदायी और सफल होता है। केवल शुभ समय की प्रतीक्षा करने से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि हम अपनी योग्यता, पात्रता और क्षमताओं के साथ श्रम करें। जब मनोबल ऊंचा हो और प्रयास पूरी निष्ठा से किए जाएं, तब परिणाम श्रेष्ठ मिलते हैं। इसलिए जीवन में सही समय वही है जब हम पूरी ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ कठिन परिश्रम करें और अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हों।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 12 मई - 2026

भरोसा बचाने की चुनौती

तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता से नेता बने विजय की एंट्री ने लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक समीकरणों को हिला दिया है। उनकी पार्टी टीवीके ने जिस तरह जनता के बीच अपनी जगह बनाई, उसने यह संकेत दे दिया कि राज्य की राजनीति अब नए दौर में प्रवेश कर चुकी है। हालांकि विजय की लोकप्रियता और उनकी आक्रामक शैली ने उन्हें सत्ता तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई, लेकिन असली परीक्षा अब शुरू होती है। इतिहास गवाह है कि गठबंधन सरकारें जितनी तेजी से बनती हैं, उतनी ही जल्दी मतभेदों और दबावों की शिकार भी हो जाती हैं। विजय ने मुख्यमंत्री कार्यालय संभालते ही जिस आत्मविश्वास के साथ फैसले लेने शुरू किए, उससे साफ संकेत मिला कि वे खुद को सत्ता का केंद्रीय चेहरा बनाना चाहते हैं। फिल्मों में बनी उनकी “मसीहा” वाली छवि राजनीतिक मंच पर भी दिखाई दे रही है। लेकिन राजनीति केवल लोकप्रियता से नहीं चलती, बल्कि संतुलन, संवाद और धैर्य की भी मांग करती है। यही वह मोर्चा है जहां विजय सरकार को सबसे अधिक सावधान रहने की जरूरत होगी। सरकार की सबसे बड़ी चुनौती उसका कमजोर बहुमत है। विधानसभा में बहुमत के लिए आवश्यक संख्या से केवल कुछ सीटें अधिक होना किसी भी सरकार को अस्थिर बना सकता है। विजय सरकार को पांच सहयोगी दलों का समर्थन प्राप्त है, लेकिन इन दलों की विचारधाराएं एक-दूसरे से काफी अलग हैं। वामपंथी दल सीपीआई और सीपीएम ने भाजपा को रोकने के उद्देश्य से समर्थन दिया है, जबकि कांग्रेस ने भी राजनीतिक मजबूरी के तहत साथ आने का निर्णय लिया। इसका अर्थ यह है कि यह गठबंधन साझा विचारधारा से अधिक राजनीतिक रणनीति पर आधारित है। ऐसे गठबंधन लंबे समय तक टिके रहें, यह आसान नहीं होता। स्थिति को और जटिल बनाता है वीसीके जैसे दलों का रवैया। यह दल एक ओर सरकार का समर्थन कर रहा है, तो दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन से भी दूरी नहीं बना रहा। ऐसी परिस्थिति सरकार पर लगातार राजनीतिक दबाव बनाए रखेगी। हर बड़ा फैसला सहयोगी दलों की सहमति पर निर्भर होगा, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया धीमी और विवादित हो सकती है। यही कारण है कि गठबंधन सरकारों में अक्सर विकास से अधिक राजनीति हावी हो जाती है। विजय सरकार के सामने दूसरी बड़ी चुनौती अलग-अलग दलों की प्राथमिकताओं को संतुलित करना है। हर सहयोगी दल अपने वोट बैंक और राजनीतिक हितों को सुरक्षित रखना चाहता है। कई बार ये हित सरकार की नीतियों से मेल नहीं खाते। ऐसे में मुख्यमंत्री को लगातार समझौते करने पड़ते हैं। यदि विजय अपनी व्यक्तिगत शैली में निर्णय लेते हैं, तो सहयोगियों में असंतोष बढ़ सकता है। वहीं यदि वे हर मुद्दे पर दबाव में झुकते हैं, तो उनकी मजबूत नेता वाली छवि कमजोर पड़ सकती है। राज्य की आर्थिक स्थिति भी सरकार के लिए चिंता का विषय है। विजय ने सत्ता संभालते ही 200 यूनिट मुफ्त बिजली और विशेष टास्क फोर्स जैसे कदमों की घोषणा की है। जनता को इससे राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन वित्तीय दबाव बढ़ना तय है। पहले से कर्ज में डूबे तमिलनाडु के लिए लोकलुभावन योजनाओं का बोझ संभालना आसान नहीं होगा। आंकड़े बताते हैं कि राज्य पहले ही भारी सब्सिडी खर्च के कारण आर्थिक दबाव झेल रहा है। ऐसे में यदि सरकार वित्तीय अनुशासन नहीं रख पाई, तो विकास योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं। इसके बावजूद विजय के पास एक बड़ा अवसर भी है। जनता ने उन्हें केवल अभिनेता की लोकप्रियता के कारण नहीं, बल्कि बदलाव की उम्मीद में चुना है। यदि वे पारदर्शिता, प्रशासनिक सुधार और राजनीतिक संतुलन बनाए रखने में सफल रहते हैं, तो वे तमिलनाडु की राजनीति में नया अध्याय लिख सकते हैं। लेकिन यदि गठबंधन के अंतर्विरोध बढ़े, तो यह सरकार भी उन अनेक गठबंधनों की तरह साबित हो सकती है, जिनकी सफलता अल्पकालिक रही। साफ है कि विजय के लिए सत्ता हासिल करना जितना कठिन था, उससे कहीं अधिक कठिन उसे स्थिर और प्रभावी बनाए रखना होगा। जनता अब नारों और छवि से आगे परिणाम चाहती है। आने वाले वर्ष तय करेंगे कि विजय केवल लोकप्रिय नेता बनकर रह जाते हैं या वास्तव में सफल प्रशासक साबित होते हैं।

पांच राज्यों के बाद इंडिया गठबंधन की खुली कलई

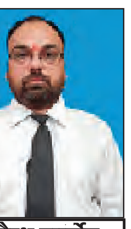

सौरभ वार्ष्णेय

देश की राजनीति में विपक्षी एकता के बड़े दावे के साथ बना इंडिया गठबंधन अब लगातार अंतर्विरोधों और नेतृत्व संकट से जूझता दिखाई दे रहा है। जिस गठबंधन को लोकतंत्र बचाने और सत्तारूढ़ दल को चुनौती देने के उद्देश्य से तैयार किया गया था, वही आज आपसी अविश्वास, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और विचारधारात्मक टकराव का शिकार बनता जा रहा है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल सत्ता विरोध की राजनीति किसी गठबंधन को लंबे समय तक जीवित नहीं रख सकती। वहीं बड़े स्तर पर आपसी बैठक व अपने मनमुटाव दूर कर गठबंधन का धर्म निभायें नहीं तो वो दिन दूर नहीं कि यह विपक्षी राज्यस्तर वार धीरे धीरे अपनी भूमि भी खो बैठेंगे?

इंडिया गठबंधन का पूरा नाम इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस है। हिंदी में इसे भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन कहा जाता है। इसकी स्थापना 18 जुलाई 2023 को इस उद्देश्य के साथ की गई कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ सरकार के खिलाफ एकजुट होकर हराना है ताकि सत्ता हासिल की जा सकें जिसमें कुछ हद तक २४० तक रोकने में सफल हुए। इस गठबंधन में लगभग ३० विपक्षी दल थे। लोकसभा के बाद राज्यों में यही विपक्षी पार्टियां एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप में मशगूल होकर जीतने चले थे लेकिन मिला क्या ? विपक्षी पार्टी के मुख्य चेहरे जो पार्टियां के मुख्य भी हैं, वह अपने दल को भी हरा बैठे और यहां तक कि खुद भी हार गये, यानी हारने के बाद फिर इंडिया गठबंधन की याद आने लगी।

गठबंधन की सबसे बड़ी कमजोरी उसका स्पष्ट नेतृत्व न होना है। अलग-अलग राज्यों में दलों की अपनी-अपनी राजनीतिक मजबूरियां हैं। बंगाल में अपनी राजनीति को प्राथमिकता देती हैं तो दिल्ली और पंजाब के समीकरणों को लेकर अलग रणनीति अपनाते हैं। वहीं इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी सहयोगी दलों में पूर्ण सहमति दिखाई नहीं देती। परिणामस्वरूप गठबंधन का साझा एजेंडा लगातार धुंधला पड़ता जा रहा है। विपक्षी दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर पैदा होने वाले विवादों ने भी गठबंधन की कमजोरी उजागर कर दी है। कई राज्यों में सहयोगी दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते नजर आए। इससे जनता के बीच यह संदेश गया कि गठबंधन केवल चुनावी मजबूरी का प्रयोग है न कि किसी वैचारिक प्रतिबद्धता का मंच।

लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष आवश्यक होता है लेकिन विपक्ष तभी प्रभावी बन सकता है जब उसमें स्थिरता, स्पष्ट नीति और भरोसा हो। जनता अब केवल सरकार विरोधी नारों से संतुष्ट नहीं होती। देश के मतदाता रोजगार, महंगाई, विकास, शिक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर ठोस दृष्टिकोण चाहते हैं। यदि विपक्ष इन मुद्दों पर एकजुट होकर विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत नहीं कर पाता तो उसकी राजनीतिक स्वीकार्यता सीमित रह जाएगी। केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस, संयुक्त बैठकें और सोशल मीडिया अभियान किसी गठबंधन को जनआंदोलन का स्वरूप नहीं दे सकते।

बंगाल में भाजपा की बिसात : बवाल, बगावत और बदलाव की बड़ी चुनौती

डॉ. शैलेश शुक्ला

पश्चिम बंगाल की राजनीति ने 9 मई 2026 को एक ऐसा ऐतिहासिक मोड़ देखा जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक कठिन मानी जाती थी। लंबे समय तक वामपंथी शासन और फिर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के बाद अब राज्य की सत्ता भारतीय जनता पार्टी के हाथों में आ चुकी है और शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर बंगाल की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत कर दी है लेकिन यह सत्ता परिवर्तन जितना ऐतिहासिक दिखाई देता है, उससे कहीं अधिक कठिन इसकी प्रशासनिक और राजनीतिक वास्तविकता है। भाजपा के सामने अब केवल सरकार बनाने की चुनौती नहीं, बल्कि एक अत्यंत जटिल, संवेदनशील और लंबे समय से राजनीतिक हिंसा से प्रभावित राज्य को स्थिरता देने की जिम्मेदारी भी है।

चुनाव परिणाम आने के बाद जिस प्रकार पश्चिम बंगाल के अनेक हिस्सों में हिंसा की घटनाएँ सामने आईं, उन्होंने नई सरकार के सामने खड़ी चुनौतियों को और अधिक गंभीर बना दिया है। विभिन्न समाचार रिपोर्टों में हत्या, आगजनी, राजनीतिक हमले, गोलीबारी और प्रतिशोधात्मक घटनाओं का उल्लेख किया गया। भाजपा लगातार आरोप लगाती रही कि उसके कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निशाना बनाया गया, जबकि दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने भी हिंसा के आरोपों को लेकर भाजपा पर पलटवार किया। राज्य में चुनावी संघर्ष अब केवल राजनीतिक नहीं रह गया है, बल्कि कई स्थानों पर सामाजिक तनाव और भय का वातावरण भी पैदा हो चुका है। सबसे अधिक चर्चा शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी और निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या को लेकर हुई। उत्तर 24 परगना क्षेत्र में हुई इस हत्या ने पूरे बंगाल की राजनीति को हिला दिया। भाजपा ने इसे योजनाबद्ध राजनीतिक हत्या बताया, जबकि मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल और बाद में अपराध अन्वेषण विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई। इस घटना ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया कि क्या पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा की संस्कृति इतनी गहरी हो चुकी है कि सत्ता परिवर्तन के बाद भी हालात सामान्य नहीं हो पा रहे हैं। स्वयं शुभेंदु अधिकारी ने इस घटना को हृदयविदारक बताते हुए इसे पूर्व नियोजित हमला कहा।

यही कारण है कि नई भाजपा सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था को लेकर है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने लगातार यह आरोप लगाया था कि बंगाल में प्रशासन राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, पुलिस निष्पक्ष नहीं है और आम नागरिक भय के वातावरण में जीवन जी रहे हैं। अब जबकि भाजपा स्वयं सत्ता में आ चुकी है, तो जनता की अपेक्षाएँ भी अत्यधिक बढ़ चुकी हैं। यदि शुरुआती महीनों में ही हिंसा, हत्याएँ, राजनीतिक प्रतिशोध और अराजकता जारी रहती है, तो भाजपा सरकार की विश्वसनीयता को गंभीर क्षति पहुँच सकती है। कानून व्यवस्था की चुनौती केवल अपराध रोकने तक सीमित नहीं है। पश्चिम बंगाल लंबे समय से राजनीतिक ध्रुवीकरण का केंद्र रहा है। पंचायत स्तर से लेकर विधानसभा तक राजनीतिक पहचान सामाजिक संबंधों को प्रभावित करती रही है। कई जिलों में एक दल के समर्थक और दूसरे दल के समर्थकों के बीच सामाजिक दूरी तक देखी गई है। भाजपा को ऐसी परिस्थिति में प्रशासन को निष्पक्ष और दृढ़ दोनों बनाना होगा। यदि सरकार केवल प्रतिशोध की राजनीति करती हुई दिखाई देती है, तो स्थिति और विस्फोटक हो सकती है। लेकिन यदि सरकार कठोर कार्रवाई करने में असफल रहती है, तो उसके समर्थकों में असंतोष बढ़ सकता है। यही वह संतुलन है जिसकी परीक्षा शुभेंदु अधिकारी सरकार को देनी होगी।

राज्य में विकास कार्यों की स्थिति भी भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। पश्चिम बंगाल लंबे समय से उद्योगों के पलायन, बेरोजगारी, बंद कारखानों और सीमित निवेश जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। भाजपा ने चुनाव के दौरान बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, उद्योग स्थापना, आधारभूत संरचना सुधार और निवेश आकर्षित करने के वादे किए थे। लेकिन वास्तविकता यह है कि किसी भी राज्य में निवेश केवल राजनीतिक परिवर्तन से नहीं आता। निवेशक सबसे पहले कानून व्यवस्था, प्रशासनिक स्थिरता और श्रमिक वातावरण को देखते हैं। यदि राज्य लगातार हिंसा और राजनीतिक टकराव की खबरों में बना रहेगा, तो उद्योगपति निवेश करने से हिचक सकते हैं। बंगाल के युवा वर्ग ने भाजपा से बड़ी अपेक्षाएँ लगाई हैं। बड़ी संख्या में बंगाल के युवा रोजगार के लिए अन्य राज्यों की ओर जाते हैं। नई सरकार पर दबाव होगा कि वह उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, बंदरगाह विकास और लघु उद्योगों के क्षेत्र में त्वरित परिणाम दिखाए। यदि रोजगार के अवसर नहीं बढ़ते, तो जनता का उत्साह शीघ्र ही निराशा में बदल सकता है।

घुसपैठ और सीमा सुरक्षा का विषय भी भाजपा सरकार के लिए अत्यंत संवेदनशील रहेगा। बांग्लादेश से लगती लंबी सीमा को भाजपा लंबे समय से राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसंख्या संतुलन से जुड़े मुद्दे के रूप में उठाती रही है। चुनाव प्रचार के दौरान भी अवैध घुसपैठ, फर्जी दस्तावेज, सीमा पार अपराध और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को प्रमुख मुद्दा बनाया गया। भाजपा समर्थक वर्ग अब अपेक्षा करेगा कि नई सरकार इस विषय पर कठोर कार्रवाई करे। लेकिन वास्तविकता यह है कि यह विषय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय भी है। सीमावर्ती जिलों में लंबे समय से पारिवारिक, भाषाई और सांस्कृतिक संबंध मौजूद रहे हैं। किसी भी कठोर कार्रवाई का सामाजिक प्रभाव भी पड़ सकता है। यदि सरकार अत्यधिक सख्ती दिखाती है, तो विपक्ष इसे अल्पसंख्यक विरोधी राजनीति बताकर जनता के बीच मुद्दा बनाने का प्रयास करेगा। दूसरी ओर यदि सरकार कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती, तो भाजपा का मुख्य समर्थक वर्ग नाराज हो सकता है। इसलिए यह विषय भाजपा सरकार के लिए सबसे कठिन संतुलनकारी चुनौतियों में से एक होगा।

भाजपा के सामने प्रशासनिक पुनर्गठन की चुनौती भी कम नहीं है। लंबे समय तक एक ही राजनीतिक व्यवस्था में काम कर चुकी नौकरशाही अचानक नई राजनीतिक संस्कृति के अनुरूप काम करने में समय लेती है। भाजपा अब तक विपक्ष की भूमिका में थी, लेकिन शासन संचालन एक अलग प्रकार की क्षमता मांगता है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को प्रशासनिक तंत्र में विश्वास बहाली, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व स्थापित करना होगा। यदि नौकरशाही और राजनीतिक नेतृत्व के बीच तालमेल नहीं बनता, तो विकास योजनाएँ प्रभावित हो सकती हैं। इसके साथ ही भाजपा के भीतर आंतरिक संतुलन बनाए रखना भी महत्वपूर्ण होगा।

सिनेमाई नायक से जननायक बनने की विजय यात्रा

नरेंद्र तिवारी

भारत की राजनीति विविध रंगों से सजी हुई हैं। राज्यों की राजनीति की ये सज़ावट वक़्त के साथ बदलती भी रहती हैं। पांच राज्यों के हालिया चुनाव में भी राजनीति के विविध रंग नजर आए। विविधताओं से भरी राजनीति सिर्फ राजनैतिक दलों के झंडो की विविधता के रूप में ही नहीं दिखती, यह विभिन्न राजनैतिक विचारों के रूप में भी नजर आती हैं। यह लोकतंत्र की सज़ावट हैं। पांच राज्यों के चुनावों में सबसे अधिक सुर्खियों में रहा पश्चिम बंगाल जंहा भाजपा के मजबूत संगठन ने ममता बेनर्जी के अभेद किले को भेदने में सफलता पाई। यहाँ शुभेन्दु अधिकारी के नैतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। असम में हेमंत विश्वशर्मा ने अपना जादू बरकरार रखा। केरलम में कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया। पूंडूचेरी में एनडीए गठबंधन विजय रहा। किंतु इन सबसे अलग, सबसे जुदा और परिवर्तनकारी सुर्खियां तमिलनाडु ने बटोरी जंहा राजनीति के मैदान में महज दो बरस पहले निर्मित एक नए नवेले राजनितिक दल के नेता थालपति विजय ने परदे के नायक की छवि के बल पर विधानसभा चुनाव में सफलता प्राप्त कर 60 सालो से भी अधिक समय से राजनीति कर रहे स्थापित दलों को धुल चटाई। थलापति विजय का 10 मई 2026 को चैन्नई के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में तमिलनाडु राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करना एक फ़िल्मी अभिनेता का असल राजनीति में महज नेता बन जाने की कहानी भर नहीं, यह राज्य के मुखिया याने मुख्यमंत्री के पद पर काबिज होने की सफलतम कहानी हैं। यह कहानी भी फ़िल्म जैसी हैं। किंतु सच ये हैं की यह फ़िल्मी नहीं असल कहानी हैं। सिनेमाई किरदार को लेखक लिखता भी गढ़ता भी इसमें थोड़ी असली कहानी के साथ कल्पनाशीलता होती हैं। परदे का यह नायक बेईमानी के खिलाफ लडता हैं। गुंडों, बलात्कारियों, शराब तस्करों का भंडाफोड़ करता हैं। जनता के लिए लड़कर दर्शकों को ईमानदारी और नैतिकता का पाठ पढ़ाता हैं। जीवन की वास्तविकताओं से बिल्कुल अलग फ़िल्मी कहानी को महज तीन घंटे में प्रदर्शित करना होता हैं। हिंदी सिनेमा की नायक फ़िल्म में एक दिन का मुख्यमंत्री राज्य की बेहतरी के लिए फटाफट त्वरित निर्णय लेकर स्थापित मुख्यमंत्री की चुनौती को स्वीकार करता हैं। अपने कार्य से जन समस्या का त्वरित निराकरण फ़िल्म में ही सम्भव हैं। असल राजनीति में यह सम्भव नहीं हैं। इस फ़िल्म में नायक अनिल कपूर के अभिनय की तारीफ हुई थी। फ़िल्म ने उनकी छवि को निखारा भी था।तमिलनाडु राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ग्रहण करने वाले थालपति विजय के सामने अब फ़िल्मी नायक की छवि को बरकरार रखने का बड़ा सवाल खड़ा हुआ हैं। वह इसलिए की राज्य की असल राजनीति अनेकों बुराइयों से घिरी हुई होती हैं। असल में मुख्यमंत्री सम्पूर्ण राज्य का होता हैं। किंतु वह अपनी पार्टी के विधायक दल का नेता होता हैं। इस कारण अपनी राजनैतिक पार्टी के संरक्षण का जिम्मा भी उसी का होता हैं। एक मुख्यमंत्री जब विकास राशि का वितरण कर रहा होता हैं तब उसे अपनी पार्टी के विधायकों का अधिक ध्यान रखता होता हैं। अभी जैसे एक राजनैतिक जुमला डबल इंजिन की सरकार के रूप में प्रचलित हैं। इस राजनैतिक जुमले का अर्थ ही यही हुआ की केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होगी तभी विकास तेजी से होगा। राजनैतिक दल जनता के द्वारा दी गयी धनराशि से नहीं चलाया जा सकता हैं। यह बड़े-बड़े उद्योगपतियों के दिए मोटे चंदे से चलता हैं। यह ओद्योगिक घराने चंदा देकर व्यवसायिक लाभ कमाने में माहिर होते हैं। फ़िल्मी नायक तो फ़िल्म में इस व्यवस्था का विरोधी होता हैं। किंतु थालपति विजय इन बुराइयों का असल मुख्यमंत्री रहते कैसे सामने कर पाते हैं, यह देखने वाली बात होगी। राजनीति में व्याप्त भाई भतीजा वाद से निपटना विजय के लिए खासा मशक़्क़त भरा हो सकता हैं। ऐसा नहीं हैं की थालपति विजय के पूर्व तमिलनाडु में कोई फ़िल्मी अभिनेता मुख्यमंत्री नहीं बना हो। एमजी रामचंद्रन वर्ष 1977 से 1987 तक 10 बरस तमिलनाडु के सीएम रहे हैं। जयललिता एक लोकप्रिय अभिनेत्री रही जो मुख्यमंत्री बनी, एम करुणानिधि तमिल फिल्मो के पटकथा लेखक से राजनेता बने तमीलनाडु राज्य के मुख्यमंत्री भी रहे हैं। किंतु इन तीनो को मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने में लम्बा समय लगा, जबकि विजय को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर पहुंचने के लिए महज दो साल का सघर्ष करना पढ़ा इस लिहाज से तमिलनाडु की जनता ने थालपति विजय को कम समय में ही मुखिया की कुर्सी पर बैठा दिया।

अब सवाल यह उठता हैं की फ़िल्म में नायक का किरदार निभाने वाले सुपर स्टार असल जीवन की काँटों भरी राजनीति में तमिलनाडु राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में उसी तरह जनता के प्रिय बने रहेंगे, जैसे फ़िल्म के नायक के रूप में उनकी छवि जनता के मन में अंकित हैं।

फ़िल्म में गरीबो का मसीहा, ईमानदार अफसर, सिद्धांत वादी नेता, माफियाओ का दुश्मन मुख्यमंत्री के रूप इन भूमिकाओ का निर्वहन कर पाएगा। जबकि मुख्यमंत्री के रूप में अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू की गयी मुहीम उन्हें जनता का असली नायक बना सकती हैं। टीवीके पार्टी के नेता के रूप में उन्होंने जनता से समाजिक न्याय और सच्चे धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना का वादा भी किया हैं। तमिलनाडु राज्य के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें गठबंधन के साथियों के साथ अपने घोषणा-पत्र में किये वायदो को भी पूरा करना हैं। महिलाओं को 2500 रु मासिक सहायता, स्नातको के लिए 4000 रु बेरोजगारी सहायता और मुफ्त एलपीजी सिलेंडर जैसे लोक लुभावन वादे भी पुरे करना हैं।

सेवा, संवेदना और समर्पण की जीवित मिसाल हैं नर्सें

योगेश कुमार गोयल

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ ‘अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस’ के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। इस वर्ष यह दिवस ‘हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।’ थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण, उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके। ‘लेडी विद द लैंप’ के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 206 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से ‘फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार’ की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना। फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यो के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से ‘लेडी विद द लैंप’ कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है।

उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को ‘अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस’ के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

परोसा गया शून्य

डॉ. सुरेश कुमार

पेट की अपनी कोई भाषा नहीं होती, बस एक आदिम जिद होती है जो आंतों के गलियारों में डमरू बजाती रहती है। वह जो हलवाई की दुकान पर खड़ा लड़का है, उसकी आंखों में समोसों के प्रति प्रेम नहीं, बल्कि एक दार्शनिक विराग है। वह जानता है कि तेल में छनती हुई हर टिकिया दरअसल एक देह का रूपांतरण है। लोग कहते हैं भूख मिटती है, पर सच तो यह है कि भूख केवल अपना चोला बदलती है। कभी वह रोटी बनकर थाली में सजती है, तो कभी महत्वाकांक्षा बनकर तिजोरी में दुबक जाती है। क्या देख रहे हो? मैंने उस लड़के से पूछा। उसने बिना पलक झपकाए कहा, साहब, देख रहा हूँ कि लोग आटे की गोलियां निगल रहे हैं या अपनी ही उम्र चबा रहे हैं। उसकी बातों में वो सादगी थी, जो सीने को चीर देती थी। शहर की चमचमाती सड़कों पर गाड़ियां नहीं, बल्कि सुलगती हुई जरूरतें दौड़ रही थीं। एक सफेदपोश सज्जन अपनी मर्सिडीज से उतरे और फुटपाथ पर बैठे फकीर से पूछने लगे, तुम्हें सबसे ज्यादा क्या चाहिए? फकीर ने अपनी झुर्रियों में फंसी मुस्कान को बाहर निकाला और बोला, साहब, भूख के भी व्याकरण होते हैं। किसी को सत्ता की भूख है, किसी को प्रशंसा की, किसी को बस एक ऐसे सन्नाटे की जिसमें वह खुद को सुन सके। सज्जन ठिठक गए। उन्हें लगा जैसे उनकी मर्सिडीज का इंजन अचानक उपनिषदों की भाषा बोलने लगा है। भूख दरअसल एक शून्य है, जिसे भरने के लिए इंसान पूरी कायनात को निगल जाना चाहता है, फिर भी वह रिक्त ही रहता है। यह मर्म की वह परत है जहाँ पहुँचकर हर तर्क हाथ जोड़कर खड़ा हो जाता है।

शाम ढलते ही रेस्तरां की मेजों पर छुरी-कांटे चलने लगे। मांस के लोथड़ों को काटते हुए लोगों के चेहरों पर जो हिंसक तृप्ति थी, वह किसी युद्ध की विजय से कम न थी। यह मटन बहुत स्वादिष्ट है, एक युवती ने कहा। उसके सामने बैठे युवक ने ठंडी आह भरी, स्वाद केवल जीभ का धोखा है, असल में हम अपनी ही मृत्यु को थोड़ा और स्वादिष्ट बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वहाँ बैठे हर शख्स की अपनी एक अलग भूख थी-कोई अपने अकेलेपन को रायते में घोल रहा था, तो कोई अपनी असफलताओं को तंदूरी रोटी के साथ चबा रहा था। भूख की इस दुनिया में रोटी केवल अनाज का टुकड़ा नहीं, बल्कि अस्तित्व की सबसे बड़ी शर्त बन चुकी थी। एक कोने में बैठा वृद्ध कवि अपनी खाली प्लेट को ऐसे देख रहा था जैसे उसमें कोई ब्रह्मांडीय रहस्य छिपा हो। मैंने करीब जाकर पूछा, बाबूजी, कुछ मँगवाऊँ? उन्होंने सिर उठाया, उनकी आँखों में वह पानी था जो नसों से नहीं, बल्कि आत्मा के सूखे कुएं से निकला था। बेटा, मैंने पूरी उम्र शब्दों को खाया है, और अब शब्द मुझे खा रहे हैं। यह जो पेट की आग है न, यह श्मशान की आग से अधिक पवित्र है क्योंकि यह जीवित रहने का प्रमाण मांगती है। उनकी आवाज़ में वह पीड़ा थी जो किसी सिसकते हुए सितार से निकलती है। भूख और भक्ति के बीच गजब की जुगलबंदी चल रही थी। हर निवाला एक आहुति थी और हर डकार एक प्रार्थना। शहर के सबसे बड़े रईस ने अपनी वसीयत में लिखा था कि मरने के बाद उसके मुँह में गंगाजल नहीं, बल्कि एक सूखी रोटी का टुकड़ा रखा जाए। लोग हतप्रभ थे। जब वह अंतिम यात्रा पर निकला, तो भीड़ में वही हलवाई का लड़का और फकीर भी थे। सब चुप थे, मानो कोई मौन संगीत बज रहा हो। वह रईस जो दुनिया की हर मेज का मालिक था, आज एक ऐसी भूख लेकर जा रहा था जिसका कोई अंत नहीं था। फूलमालाएं अब बोझ लग रही थीं और मंत्रोच्चार किसी भूखे पेट की गुड़गुड़ाहट जैसा सुनाई दे रहा था। समाज की इस विद्रूपता पर हँसने वाला कोई नहीं था, क्योंकि हर कोई उसी कतार में खड़ा था, अपनी-अपनी थाली में शून्य परोसे हुए। श्मशान के बाहर एक पागल मिट्टी के ढेले बना-बनाकर खा रहा था। मैंने उसे रोका, यह क्या कर रहे हो? बीमार पड़ जाओगे। उसने बड़ी मासूमियत से जवाब दिया, साहब, लोग मरने के बाद इसी मिट्टी में मिल जाते हैं न? मैं बस उन पुरखों को चख रहा हूँ जिन्होंने पूरी जिंदगी पकवान खाए थे। मैं देखना चाहता हूँ कि क्या अमीर की मिट्टी का स्वाद गरीब की मिट्टी से अलग होता है? उसकी बात सुनकर मेरे भीतर का 'मैं' जीते जी मर गया। उस पागल के हाथ में मिट्टी नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का सारांश था।

सुबह उठते ही होने लगता है सिरदर्द, कहीं ये ब्रेन ट्यूमर तो नहीं?

क्या आपको भी सुबह उठते ही सिर में तेज दर्द होता है, सिर फटने को होता है? अगर हां तो इसे हल्के में लेने की गलती न करें, सुबह होने वाला सिरदर्द कई बार गंभीर समस्याओं का अलर्ट भी हो सकता है।

नींद की गड़बड़ी, हाई ब्लड प्रेशर, माइग्रेन, स्लीप एपनिया जैसी समस्याओं में सुबह के समय सिर में दर्द होते रहना आम है। हालांकि कुछ मामलों में ये ब्रेन ट्यूमर जैसी स्थितियों का भी संकेत हो सकता है। सुबह के समय ब्लड प्रेशर और हार्मोन लेवल में बदलाव होता है, जिससे कुछ लोगों में सिरदर्द ट्रिगर हो सकता है। वहीं कुछ न्यूरोलॉजिकल बीमारियों में भी सुबह सिरदर्द ज्यादा महसूस होता है।

अब सवाल ये है कि कैसे जानें कि सुबह होने वाला सिरदर्द कहीं ब्रेन ट्यूमर तो नहीं है?

ब्रेन ट्यूमर के कारण सिरदर्द

हर बार सुबह होने वाला सिरदर्द ब्रेन ट्यूमर नहीं होता।

ब्रेन ट्यूमर के मामलों में सुबह का सिरदर्द अक्सर तेज होता है और लगातार बढ़ता जाता है।

इसमें सामान्य पेनकिलर से राहत नहीं भी मिलती।

इसके साथ मतली, नजर में बदलाव या भ्रम जैसे अन्य लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं।

डॉक्टर सलाह देते हैं कि अगर सिरदर्द के साथ बोलने में दिक्कत, शरीर के किसी हिस्से में कमजोरी, याददाश्त कमजोर होने, बार-बार उल्टी या बेहोशी जैसे संकेत दिखें तो तुरंत न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क करना चाहिए। हालांकि कभी-कभी सुबह के समय होने वाले सिरदर्द को ट्यूमर का संकेत नहीं माना जाता है। ये कई बार अन्य लाइफस्टाइल की समस्याओं का लक्षण हो सकता है।

आपको स्लीप एपनिया की दिक्कत तो नहीं?

स्लीप एपनिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें सोते समय सांस बार-बार रुकती है। इससे दिमाग को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और सुबह उठते ही सिरदर्द हो सकता है।

डॉक्टर कहते हैं, ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया वाले लोगों में सुबह सिरदर्द की समस्या काफी आम है। रातभर ऑक्सीजन का स्तर कम होने से दिमाग की रक्त वाहिकाओं पर असर पड़ता है, जिससे सुबह सिर भारी लग सकता है। मोटापा, धूम्रपान, शराब और गर्दन के आसपास ज्यादा फैट होने से इसका जोखिम बढ़ जाता है।

लंबे समय तक स्लीप एपनिया रहने पर हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज का खतरा हो सकता है।

हाई ब्लड प्रेशर भी हो सकता है कारण

सुबह के समय होने वाला सिरदर्द कई बार हाई ब्लड प्रेशर की वजह से भी हो सकता है।

जिन लोगों का ब्लड प्रेशर अक्सर हाई रहता है, उनमें तेज सिरदर्द की समस्या अधिक देखी जाती है।

अनियंत्रित ब्लड प्रेशर के कारण दिमाग की रक्त वाहिकाओं पर दबाव बढ़ाता है।

हाई ब्लड प्रेशर से होने वाला सिरदर्द अक्सर सिर के पीछे महसूस होता है।

कुछ लोगों में चक्कर, धुंधला दिखना और बेचैनी भी हो सकती है। यदि ब्लड प्रेशर बहुत ज्यादा बढ़ जाए तो स्ट्रोक का खतरा भी हो सकता है।

डिहाइड्रेशन-तनाव के कारण सिरदर्द

पानी कम पीना और ज्यादा तनाव लेना भी सुबह सिरदर्द के खतरे को बढ़ाने वाला माना जाता है।

रातभर शरीर कई घंटों तक बिना पानी के रहता है, जिससे सुबह डिहाइड्रेशन हो सकता है। इससे कई लोगों को सिर में दर्द महसूस हो सकता है।

वहीं तनाव की स्थिति में शरीर स्ट्रेस हार्मोन रिलीज करता है, जिसके कारण भी सिरदर्द पैदा हो सकता है। जिन लोगों की नींद तनाव के कारण बार-बार टूटती है, उनमें सुबह सिरदर्द की शिकायत ज्यादा देखी जाती है।

कैफीन वाली चीजों के ज्यादा सेवन, मोबाइल के ज्यादा इस्तेमाल और अनियमित दिनचर्या के कारण भी सिरदर्द की दिक्कत हो सकती है।

सुबह का नाश्ता करने के बाद क्यों कम हो जाता है शुगर लेवल?

सुबह का नाश्ता सबसे जरूरी होता है, ये हमारी दिन की सबसे अहम मील मानी जाती है, हम में से कई लोग सुबह नाश्ते में हेल्दी चीजों का सेवन करते हैं. हालांकि कई लोगों को शिकायत होती है कि उन्हें नाश्ते के बाद 1-4 घंटे में चक्कर आने, कमजोरी लगने, पसीना आने, भूख लगने, हाथ कांपना या घबराहट जैसी महसूस होती है, जबकि दोपहर या रात के खाने के बाद ऐसा नहीं होता, ऐसा क्यों होता है आइए जानते हैं.

हम में से कई लोगों तो ये शिकायत होती है, जिसे मेडिकल की भाषा में रिएक्टिव हाइपोग्लाइसीमिया कहते हैं, इस समस्या में खाने के बाद Blood Sugar लेवल पहले तेजी से बढ़ता है और फिर अचानक गिर जाता है.

क्या है इसके पीछे का कारण-

लोग अक्सर पूछते हैं कि आखिरकार इसके पीछे का कारण क्या है? ये समस्या ज्यादातर अधिक इंसुलिन रिलीज के कारण होती है. हम में से अधिकतर लोग ब्रेकफास्ट में हाई कार्ब चीजें खाते हैं, जैसे, चाय बिस्किट, परांठा, आलू की सब्जी, ब्रेड-जैम, पोहा, उपमा, मीठा दही-फल, जूस या चावल-आलू आदि ये सभी चीजें ब्लड शुगर तेजी से बढ़ाने का काम करती हैं, इससे शरीर ज्यादा इंसुलिन छोड़ता है, जो बाद में शुगर लेवल को लो कर देता है. कुछ लोगों में पैंक्रियास पहले चरण में सही इंसुलिन नहीं छोड़ पाता, फिर देर से बहुत ज्यादा छोड़ता है, इससे ओवर करेक्शन होता है और शुगर गिर जाता है.

ये भी हो सकता है कारण-

शरीर रातभर कुछ नहीं इनटेक करता है, जिससे सुबह ब्लड शुगर पहले से ज्यादा संवेदनशील हो जाता है. आपका ब्रेकफास्ट अगर रिफाइंड कार्ब्स से भरपूर हो तो रिएक्शन ज्यादा तेज होता है. दोपहर और रात में ये समस्या इसलिए भी नहीं होती है क्योंकि इस दौरान पिछले भोजन का असर रहता है, इसलिए उतना प्रभाव नहीं पड़ता.

अन्य संभावित कारण-

इसके पीछे कुछ और पहलू भी हो सकते हैं, जैसे प्री-डायबिटीज

गैस्ट्रिक बायपास या पेट की सर्जरी का इतिहास

कुछ दवाइयां, अल्कोहल, या दुर्लभ मेटाबोलिक समस्याएं

बहुत ज्यादा व्यायाम या अनियमित खान-पान

इस बात पर ध्यान दें कि ये शिकायत हेल्दी लोगों को भी हो सकती है, लेकिन बार-बार शिकायत होने पर डॉक्टर से जांच जरूर कराएं.

ये लक्षण दिखने पर सतर्क हो जाएं-

अगर आमतौर पर नाश्ते के 2-4 घंटे बाद कमजोरी, चक्कर, पसीने की शिकायत हो रही है तो

भूख, घबराहट, दिल की धड़कन तेज होना

सिरदर्द, भ्रम या चिड़चिड़ापन

लक्षण कुछ खाने से अस्थायी रूप से ठीक हो जाते हैं.

क्या करें?

अब सवाल उठता है कि आखिर ऐसे टाइम में क्या करें? सबसे पहले अपना नाश्ता बदलें, प्रोटीन + फाइबर + हेल्दी फैट वाला नाश्ता लें. अपनी डाइट में अंडे, सब्जियां, ग्रीक योगर्ट, नट्स, berries, पनीर परांठा, ओट्स, दाल, छाछ, मूंग स्प्राउट्स को एड करें.

हमेशा एसी में रहने से बढ़ेंगी झुर्रियां और होगी रूखी त्वचा!

तेज गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए लोग घंटों तक एसी में समय बिताते हैं लेकिन लगातार एसी के इस्तेमाल से त्वचा पर कई तरह के असर देखने को मिल सकते हैं, जिन पर अक्सर लोग ध्यान नहीं देते। इसकी वजह से आपको स्किन संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

कई बार इससे खुजली, जलन और जल्दी एजिंग के लक्षण भी दिखने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि एसी का इस्तेमाल करते समय स्किन की सही देखभाल की जाए और कुछ जरूरी सावधानियां अपनाई जाएं, ताकि ठंडक के साथ-साथ त्वचा भी स्वस्थ बनी रहे।

एसी त्वचा को कैसे प्रभावित करता है?

AC हवा में नमी कम कर देता है

एयर कंडीशनर कमरे की नमी को सोख लेता है, जिससे हवा बहुत ड्राई हो जाती है। इस ड्राई हवा के कारण त्वचा अपनी प्राकृतिक नमी खोने लगती है और धीरे-धीरे खिंचाव, रूखापन और असहजता महसूस होती है।

त्वचा के प्राकृतिक तेल कम हो जाते हैं

लगातार ठंडी हवा के संपर्क में रहने से स्किन के नेचुरल ऑयल बैलेंस पर असर पड़ता है। ये तेल त्वचा को सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाए रखते हैं, लेकिन इनके कम होने से स्किन बेजान, खुरदरी और डल दिखने लगती है।

3. झुर्रियां और फाइन लाइन्स जल्दी दिखने लगती हैं

ड्राई स्किन ज्यादा जल्दी एजिंग के संकेत दिखाती है। नमी की कमी से त्वचा की इलास्टिसिटी कम होती है, जिससे फाइन लाइन्स और झुर्रियां समय से पहले नजर आने लगती हैं।

4. खुजली और जलन की समस्या

AC की ड्राई हवा स्किन की ऊपरी परत को इरिटेट कर सकती है। इसके कारण हल्की खुजली, जलन और कभी-कभी रेडनेस जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

स्किन को सुरक्षित रखने के उपाय

दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर और त्वचा दोनों हाइड्रेट रहते हैं। इससे स्किन की नेचुरल चमक बनी रहती है और ड्राईनेस कम होती है।

एसी में रहने वाले लोगों को दिन में कम से कम 2 बार मॉइस्चराइजर लगाना चाहिए। यह त्वचा पर एक प्रोटेक्टिव लेयर बनाकर नमी को लॉक करता है।

लगातार लंबे समय तक एसी में रहने के बजाय थोड़ी-थोड़ी देर में बाहर निकलकर शरीर को नॉर्मल टेम्परेचर में लाना जरूरी है।

ह्यूमिडिफायर कमरे की नमी को बैलेंस करता है, जिससे एसी की ड्राईनेस का असर कम हो जाता है और स्किन को राहत मिलती है।

फेस मिस्ट या गुलाब जल स्किन को तुरंत फ्रेश और हाइड्रेट करता है। दिन में 2-3 बार इसका इस्तेमाल करने से स्किन में ताजगी बनी रहती है।

क्रैनबेरी खाने के क्या फायदे हैं? क्रैनबेरी जूस कितना असरदार है

क्रैनबेरी जूस को एक सुपरफूड ड्रिंक माना जाता है। इसे खासतौर पर महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद बताया जाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन C और जरूरी न्यूट्रिएंट्स शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। अक्सर डॉक्टर और हेल्थ एक्सपर्ट्स महिलाओं को इसे अपनी डेली डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। यह न सिर्फ इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, बल्कि यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (UTI) जैसी समस्याओं से बचाव में भी मदद करता है

क्रैनबेरी का जूस पीने के क्या फायदे हैं?

क्रैनबेरी में ऐसे कंपाउंड्स होते हैं जो बैक्टीरिया को यूरिनरी ट्रैक्ट की दीवारों पर चिपकने से रोकते हैं। इससे बार-बार होने वाले UTI का रिस्क कम हो सकता है।

इसमें विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और इंफेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

क्रैनबेरी शरीर से टॉक्सिन्स निकालने में मदद करता है, जिससे किडनी और यूरिनरी सिस्टम बेहतर तरीके से काम करते हैं।

यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और ब्लड सर्कुलेशन सुधारने में मदद कर सकता है, जिससे दिल की सेहत को सपोर्ट मिलता है।

एंटीऑक्सीडेंट्स स्किन को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं, जिससे त्वचा साफ और हेल्दी दिख सकती है।

थायराइड के मरीजों के लिए किसी जहर से कम नहीं ये चीजें

आजकल कम उम्र में ही लोगों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. बदलती लाइफस्टाइल हमारे शरीर पर काफी ज्यादा बुरा असर डाल रही है. आज हम बात कर रहे हैं थायराइड के मरीजों की जिनको अपने खान-पान का अच्छे से ध्यान रखना चाहिए, वरना शरीर में कई तरह-तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है. पुरुषों के मुकाबले महिलाएं थाइराइड की समस्या का सामना ज्यादा कर रही हैं. कुछ ऐसे फूड्स के बारे में आज हम इस खबर में बताते हैं, जिनका सेवन आपको भूलकर भी नहीं करना चाहिए, वरना लगाने पड़ सकते हैं डॉक्टर के चक्कर और आपकी समस्या काफी ज्यादा बढ़ भी सकती है. आइए आपको बताते हैं.

थायराइड के मरीजों को कौन-कौन सी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए?

कैफीन

थायराइड के मरीजों को कैफीन का सेवन नहीं करना चाहिए. ये आपकी हेल्थ पर काफी ज्यादा बुरा असर डालती है.

थायराइड ग्रंथि और थायराइड के स्तर दोनों को काफी हद तक बढ़ा देती है और फिर समस्या और ज्यादा खराब होनी शुरू हो जाती है.

फैटी फूड्स

अगर आप थायराइड के मरीज हैं और अपने आप को हमेशा हेल्दी रखना चाहते हैं, तो आपको गलती से भी फैटी फूड्स जैसे मक्खन, मेयोनीज, मीट इन फूड्स का सेवन कम से कम करना चाहिए, वरना दिक्कतें और भी ज्यादा बढ़ सकती है.

चावल, पास्ता

थायराइड के मरीजों को गलती से भी चावल, पास्ता जैसी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए. ग्लूटेन के सेवन को कम करना चाहिए. आंत में जलन पैदा कर सकता है और थायराइड हार्मोन की दवा का असर भी कम हो सकता है. इसलिए आपको कम मात्रा में इसका सेवन करना चाहिए.

ब्रोकली, गोभी

ब्रोकली, गोभी जैसी सब्जियों का आपको कम से कम ही सेवन करना चाहिए. यह थायराइड हार्मोन के उत्पादन को तेजी से बढ़ा देता है. इसको खाने के बाद थायराइड की समस्या काफी हद तक बढ़ जाती है.

चीनी और प्रोसेस्ड फूड

आपको अपनी डाइट से चीनी और प्रोसेस्ड फूड को हमेशा के लिए हटा देना चाहिए. ये हमारी सेहत पर बुरा असर डालती है. इसको खाने के बाद आपके थायराइड का लेवल काफी हद तक बढ़ जाएगा. फिर आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है.

बॉडी बनाने के लिए फाइबर को भूलकर सिर्फ ले रहे हैं प्रोटीन तो हो सकते हैं कैंसर के शिकार

आजकल फिटनेस और बॉडी बिल्डिंग के ट्रेंड में ज्यादातर लोग सिर्फ प्रोटीन पर ध्यान देने लगे हैं. जिम शुरू करते ही डाइट में प्रोटीन शेक, चिकन, अंडे और सप्लीमेंट्स की मात्रा बढ़ा दी जाती है, लेकिन इसी चक्कर में कई लोग फाइबर को लगभग भूल जाते हैं. एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर शरीर को सिर्फ प्रोटीन मिलेगा और फाइबर की कमी होगी, तो इसका उल्टा असर भी देखने को मिल सकता है.

क्या फाइबर का ध्यान न रखने से हो सकती है दिक्कत?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए प्रोटीन जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी फाइबर भी है. अगर हाई-प्रोटीन डाइट के साथ पर्याप्त फाइबर न लिया जाए, तो डाइजेशन सिस्टम पर दबाव बढ़ सकता है. इससे कब्ज, पेट फूलना, गैस और अनरेगुलर बाउल मूवमेंट जैसी समस्याएं होने लगती हैं.

हमारे शरीर के लिए फाइबर क्यों है जरूरी?

फाइबर सिर्फ पेट साफ रखने का काम नहीं करता, बल्कि यह आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को भी मजबूत बनाता है. यही बैक्टीरिया डाइजेशन को बेहतर रखने और शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं. रिसर्च में यह भी सामने आया है कि जिन लोगों की डाइट में फाइबर ज्यादा होता है, उनका माइक्रोबायोम ज्यादा हेल्दी और विविध होता है, जिससे गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं का खतरा कम हो सकता है.

फाइबर के बिना प्रोटीन क्यों नहीं करेगा काम

फाइबर भोजन के पाचन की गति को धीमा करता है, जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल में रहती है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है. यही वजह है कि सिर्फ प्रोटीन लेने से शरीर को पूरा फायदा नहीं मिल पाता.

एक एडल्ट को हर दिन कितना चाहिए फाइबर?

डॉ. का कहना है कि ज्यादातर एडल्ट को रोजाना करीब 25 से 35 ग्राम फाइबर लेना चाहिए, लेकिन हाई-प्रोटीन डाइट फॉलो करने वाले कई लोग इस जरूरत का आधा भी पूरा नहीं कर पाते. दूसरी तरफ, कई लोग जरूरत से ज्यादा प्रोटीन लेने लगते हैं. आमतौर पर शरीर को रोजाना 50 से 60 ग्राम प्रोटीन की जरूरत होती है, लेकिन हाई-प्रोटीन डाइट में यह मात्रा 80 से 90 ग्राम तक पहुंच सकती है.

कम फाइबर लेने वालों को कैंसर का भी खतरा

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि लंबे समय तक ज्यादा प्रोटीन और कम फाइबर वाली डाइट लेने से शरीर में सूजन, कब्ज और ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें बढ़ सकती हैं. इतना ही नहीं, भविष्य में कोलन कैंसर और दिल की बीमारी का खतरा भी बढ़ सकता है. खासतौर पर स्मोक्ड मीट और प्रोसेस्ड रेड मीट को ज्यादा मात्रा में खाने वालों में यह जोखिम अधिक माना गया है. एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि डाइट में सिर्फ प्रोटीन नहीं, बल्कि फाइबर से भरपूर चीजें भी शामिल करनी चाहिए.

कहां से मिलेगा शरीर को फाइबर?

फल, सब्जियां, ओट्स, चिया सीड्स, दालें, क्विनोआ और साबुत अनाज शरीर को जरूरी फाइबर देते हैं. इसके साथ ही फाइबर की मात्रा धीरे-धीरे बढ़ानी चाहिए और पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है, ताकि पेट से जुड़ी समस्याएं न हों.

दोबारा स्ट्रोक पड़ने का खतरा 40 पर्सेंट तक हो जाएगा कम

आज ही रोजाना खाना शुरू कर दें यह दवा

स्ट्रोक से बच जाना किसी भी मरीज के लिए बड़ी राहत की बात होती है, लेकिन असली चुनौती उसके बाद शुरू होती है. बहुत से लोग जो स्ट्रोक से उबर जाते हैं, उनमें दोबारा स्ट्रोक होने का खतरा बना रहता है. खासतौर पर उन मरीजों में यह जोखिम ज्यादा होता है जिन्हें दिमाग में खून बहने वाला स्ट्रोक यानी इंट्रासेरेब्रल हेमरेज हुआ हो. चलिए आपको बताते हैं कि इसका कारण क्या है.

क्यों होते हैं दोबारा स्ट्रोक?

इस तरह के स्ट्रोक का सबसे बड़ा कारण हाई ब्लड प्रेशर होता है. जब लंबे समय तक हाई बीपी ज्यादा रहता है, तो खून की नसों की दीवारें कमजोर पड़ने लगती हैं. धीरे-धीरे यह स्थिति इतनी गंभीर हो सकती है कि नस फट जाए और दिमाग में खून बहने लगे. इसलिए दोबारा स्ट्रोक से

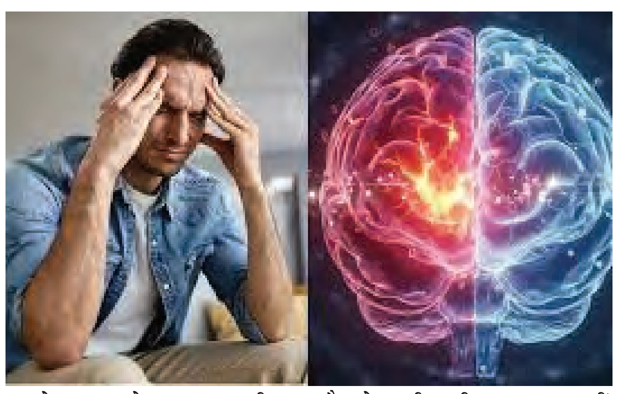

बचने का सबसे असरदार तरीका है ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखना. हालांकि, यह काम उतना आसान नहीं होता जितना सुनने में लगता है. कई मरीजों को दिन में अलग-अलग समय पर कई तरह की दवाइयां लेनी पड़ती हैं. खासकर बुजुर्गों या दूसरी बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए यह रूटीन निभाना मुश्किल हो जाता है. कभी दवा छूट जाती है, तो कभी सही समय पर नहीं ली जाती, जिससे इलाज का असर कम हो जाता है.

इसी परेशानी को ध्यान में रखते हुए एक नई स्टडी की गई, जिसमें इलाज को आसान बनाने का तरीका खोजा गया. रिसर्चर ने एक ऐसी गोली पर काम किया जिसमें ब्लड प्रेशर की तीन आम दवाइयों को कम मात्रा में मिलाया गया है. इस गोली का नाम GMRx2 रखा गया है. यह स्टडी ट्रायल के तहत की गई, जिसमें अलग-अलग देशों के 1600 से ज्यादा मरीज शामिल हुए. ये सभी मरीज पहले दिमाग में खून बहने वाले स्ट्रोक का सामना कर चुके थे और उनका ब्लड प्रेशर अभी भी सामान्य स्तर से ऊपर था.

मरीजों को दो समूहों में बांटा गया. एक समूह को यह नई कॉम्बिनेशन गोली दी गई, जबकि दूसरे समूह को सामान्य इलाज के साथ प्लेसीबो दिया गया. इसके बाद दोनों समूहों के परिणामों की तुलना की गई. नतीजे काफी चौंकाने वाले रहे. जिन मरीजों ने यह कॉम्बिनेशन गोली ली, उनमें दोबारा स्ट्रोक का खतरा करीब 40 प्रतिशत तक कम हो गया. यह एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि दोबारा स्ट्रोक अक्सर ज्यादा गंभीर साबित होता है.

इन चीजों के लिए भी कारगर

इसके अलावा, इस गोली को लेने वाले मरीजों में ब्लड प्रेशर भी बेहतर तरीके से कंट्रोल में पाया गया. रिसर्चर का कहना है कि ब्लड प्रेशर में थोड़ा सा भी सुधार लंबे समय में बड़े फायदे दे सकता है. स्टडी में यह भी सामने आया कि इस गोली से दिल से जुड़ी गंभीर समस्याओं, जैसे हार्ट अटैक और दिल की बीमारी से होने वाली मौत का खतरा भी कम हुआ. यानी यह इलाज सिर्फ स्ट्रोक ही नहीं, बल्कि दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद हो सकता है. हालांकि, अभी कुछ सीमाएं भी हैं. इस स्टडी को कुछ सालों तक ही फॉलो किया गया है, इसलिए लंबे समय के असर को समझना बाकी है. इसके साथ ही, यह इलाज हर मरीज के लिए उपयुक्त हो, ऐसा जरूरी नहीं है.

मेरी लंबाई से घबराते थे अभिनेता : पूजा बत्रा

1997 में आई फिल्म 'विरासत' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अभिनेत्री पूजा बत्रा ने मॉडलिंग से अपनी शुरुआत की थी। पूजा बत्रा कई हिंदी फिल्मों का हिस्सा रहीं। हालांकि, सफल डेब्यू के बावजूद उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं रह सका। हाल ही में पूजा बत्रा ने बताया कि उनकी लंबी हाइट के चलते भी उन्हें कई फिल्मों से हाथ धोना पड़ा। क्योंकि अधिकांश एक्टर्स की हाइट उनसे कम थी, लेकिन उनमें ईगो इतना था कि वो हीरोइन को खुद से लंबा नहीं दिखने देना चाहते थे। इसलिए वो हीरोइनों को खुद से छोटा दिखाना चाहते थे।

मेरी हाइट की वजह से हीरो घबरा जाते थे

हार्पर बाजार इंडिया से बात करते हुए पूजा बत्रा ने अपने शुरुआती दौर में संगीता बिजलानी की एक सलाह को याद किया। उन्होंने कहा कि मुझे याद है संगीता बिजलानी ने मुझसे कहा था, 'फिल्मों में तुम्हारा कोई चांस नहीं है क्योंकि तुम बहुत लंबी हो'। संगीता की इस चेतावनी से मुझे निराशा हुई थी। लेकिन वह मेरी आदर्श हैं। वह खूबसूरत हैं और एक मॉडल भी हैं।

मुझे जो भी रोल मिला, मैंने उसमें अपना बेस्ट दिया। भले ही मेरे कद की वजह से हीरो घबरा जाते थे। यह सच है कि मेरी लंबाई की वजह से मुझे बहुत सी फिल्में नहीं मिलीं। मैंने कई अच्छे रोल खो दिए। पूजा ने दावा किया कि उनके और संगीता जैसी लंबी अभिनेत्रियों ने सुष्मिता और दीपिका जैसी लंबी अभिनेत्रियों के लिए रास्ता बनाया। इन्हें मुझे धन्यवाद कहना चाहिए।

सलमान खान थे एकमात्र अभिनेता, जिन्हें नहीं थी हाइट से दिक्कत

पूजा ने बताया कि क्लोज-अप शॉट्स में अपने हीरो को लंबा दिखाने के लिए वह कैमरे के सामने हाफ स्प्लिट्स करती थीं। अपनी पहली फिल्म में पूजा ने छोटी दिखने के लिए रंग-बिरंगे कपड़े पहने थे। एक्ट्रेस ने कहा कि हॉलीवुड में भी मैं नाओमी वाट्स और चार्लीज थेरॉन जैसी सभी लंबी एक्ट्रेस का सम्मान करती हूं। मैं जानती हूं कि लंबाई के बावजूद एक महिला के लिए सफल होना कितना मुश्किल है। हालांकि, पूजा ने कहा कि सलमान खान एकमात्र ऐसे अभिनेता थे जिन्हें मेरी हाइट से कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। वह ऐसे व्यक्ति थे जो कहते थे, 'हील्स पहनो, मुझे कोई परेशानी नहीं है। उन्हें अपने कद पर पूरा भरोसा था।

सिनेमा में आए बदलाव से खुश हैं पूजा बत्रा

हिंदी सिनेमा में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि काफी बदलाव हुआ है। न केवल सोच में बदलाव के कारण, बल्कि सिनेमास्कोप में आए तकनीकी बदलावों के कारण भी काफी कुछ सुधार हुआ है। छोटे कद के लोगों को नुकसान होता है, क्योंकि वे कैमरे पर अपनी असल लंबाई से ज्यादा मोटे दिख सकते हैं। दुनिया के ज्यादातर मशहूर अभिनेता बहुत लंबे नहीं हैं। छोटे कपड़े पहनने और अपने फैशन सेंस को पर्दे पर उतारने के लिए पूजा हमेशा फिल्मों में अपने खुद के कपड़े पहनती थीं। उन्हें याद है कि जब वह अपने निजी कपड़ों में सेट पर आती थीं, तो निर्देशक उनसे कहते थे, उसे वही पहनने दो जो उसने पहना है। लेकिन वे उनसे मेकअप हटाने के लिए भी कहते थे क्योंकि उन्हें नैचुरल लुक चाहिए होता था। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं सोचती थी, कम से कम सनब्लॉक तो लगाने दो।'

मिस इंडिया इंटरनेशनल बनने के बाद फिल्मों में की थी एंट्री

पूजा बत्रा ने 1993 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद मॉडलिंग और फिर फिल्मों में एंट्री की थी। उन्होंने साउथ की भी कुछ फिल्मों में काम किया। 2003 में उन्होंने एक ऑर्थोपेडिक सर्जन से शादी की और लॉस एंजिल्स कैलिफोर्निया में बस गईं। लेकिन 2011 में तलाक के बाद वह भारत लौट आईं। इसके बाद उन्होंने 'हम तुम शबाना' (2011), 'एबीसीडी 2' (2015) और अन्य हॉलीवुड फिल्मों से वापसी की। उन्होंने 2019 में अभिनेता नवाब शाह से दोबारा शादी की।

सिविल इंजीनियर बनना चाहती थीं शरवरी ऐसे रखा फिल्मों की दुनिया में कदम

शरवरी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म में वेदांग रैना के साथ नजर आने वाली हैं और फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उन्होंने बताया कि बचपन में उन्हें एक्टिंग वर्कशॉप्स काफी पसंद थीं, लेकिन उन्होंने कभी एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था। जानिए एक्ट्रेस ने क्या कुछ कहा।

सिविल इंजीनियर बनना चाहती थीं एक्ट्रेस

एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने 11वीं में साइंस स्ट्रीम ली थी क्योंकि उनका सपना सिविल इंजीनियर बनने का था। उनके पिता बिल्डर हैं और मां इंटीरियर डिजाइनर और आर्किटेक्ट, इसलिए उन्हें लगा कि वही रास्ता उनके लिए सही रहेगा। शरवरी ने कहा, 'मैंने कभी अपने पैरेंट्स को एक्टिंग के लिए मनाने की कोशिश नहीं की, क्योंकि वो हमेशा मेरे सपनों के साथ खड़े रहे। कॉलेज के दौरान मैंने एक टैलेंट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और उसे जीतने के बाद मुझे ऑडिशन मिलने शुरू हो गए।'

इस सवाल से बदली जिंदगी

हालांकि शुरुआत में उन्होंने इसे सिर्फ एक एक्सपेरिमेंट की तरह लिया, लेकिन उनके माता-पिता ने एक्टिंग के लिए उनका जुनून महसूस कर लिया था। शरवरी ने बताया, 'एक दिन मेरे पैरेंट्स ने मुझसे पूछा कि क्या तुम एक्ट्रेस बनना चाहती हो?

उस पल सबकुछ बदल गया। मैंने कभी खुद से भी यह बात खुलकर नहीं कही थी, लेकिन जब उन्होंने पहली बार इसे जोर से कहा, तब मुझे हिम्मत मिली। मैं हर रात यह सपना देखती थी, लेकिन खुद से भी स्वीकार नहीं कर पाती थी।' शरवरी ने कहा कि उस सवाल के जवाब में उन्होंने सिर्फ 'हां' कहा और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

शरवरी का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो शरवरी ने साल 2024 की फिल्म 'मुंजया' से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई। आने वाले समय में वह इम्तियाज अली की 'मैं वापस आऊंगा' की फिल्म में नजर आएंगी। साथ ही वे आने वाले समय में सूरज बड़जात्या और आदित्य चोपड़ा जैसे बड़े फिल्ममेकर्स की फिल्मों में भी नजर आने वाली हैं।

दिलजीत दोसांझ ने खालिस्तान विवाद पर दिया करारा जवाब

दिलजीत दोसांझ के 'औरा टूर' के दौरान कुछ लोगों ने प्रो-खालिस्तान झंडे लहराए, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। अब दिलजीत ने इस पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और साफ कहा है कि उनके शो में किसी भी तरह की बदतमीजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इंस्टाग्राम स्टोरी पर दिया करारा जवाब

दिलजीत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पंजाबी में लिखा कि बाहर खड़े होकर विरोध करना किसी का भी हक है, लेकिन अगर कोई उनके फैंस को परेशान करने के लिए शो के अंदर आने की कोशिश करेगा तो उसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कई लोग अपने शहर, देश या सपोर्ट दिखाने के लिए झंडे और बैनर लेकर आते हैं, लेकिन अगर किसी का इरादा माहौल खराब करना है, तो उस पर सख्त कार्रवाई होगी।

'फेक नैरेटिव' फैलाना बंद करें

सिंगर ने आगे कहा कि उन्होंने सिक्योरिटी टीम को साफ निर्देश दिए थे कि जो भी शो में हंगामा करने की कोशिश करे, उसे तुरंत बाहर निकाल दिया जाए। दिलजीत ने यह भी कहा कि उन्होंने कभी किसी झंडे या बैनर के खिलाफ कुछ नहीं कहा, इसलिए 'फेक नैरेटिव' फैलाना बंद किया जाए।

कैसे शुरू हुआ ये विवाद?

यह विवाद पिछले साल से जुड़ा हुआ है। दरअसल, अक्टूबर 2025 में दिलजीत 'कौन बनेगा करोड़पति' में पहुंचे थे, जहां उन्होंने शो के होस्ट अमिताभ बच्चन के पैर छुए थे। इसके बाद कथित तौर पर प्रो-खालिस्तान संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' ने उन पर नाराजगी जताई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, SFJ प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने दिलजीत पर आरोप लगाया था कि उन्होंने ऐसा करके 1984 दंगों के पीड़ितों का अपमान किया है। वहीं, दिलजीत ने हमेशा शांति और प्यार की बात की। उन्होंने कहा था कि उनके लिए पूरी दुनिया एक है और वह हमेशा मोहब्बत का संदेश फैलाते रहेंगे।

मेरे फैंस ही मेरा परिवार हैं : अमिताभ बच्चन

सिक्योरिटी को दी खास सीख, बोले- 'फैंस के साथ प्यार से पेश आओ'

बिग बी के घर के बाहर हर हफ्ते बड़ी संख्या में लोग सिर्फ उनकी एक झलक पाने के लिए घंटों इंतजार करते हैं। इस रविवार भी बिग बी अपने फैंस से मिलने बाहर आए और हमेशा की तरह हाथ जोड़कर और मुस्कुराते हुए उनका स्वागत किया।

मेरे फैंस ही मेरा एक्सटेंडेड परिवार हैं

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर इस मुलाकात की कई तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने लिखा कि फैंस का प्यार और आशीर्वाद ही उन्हें हर दिन काम करने की ताकत देता है। बिग बी ने कहा, 'ये मेरा गर्व और सम्मान है कि इतने लोग मुझे अपना प्यार देते हैं। वही मुझे और मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हैं। मेरे फैंस ही मेरा एक्सटेंडेड परिवार हैं।'

अमिताभ ने सिक्योरिटी टीम को दी सीख

इस दौरान अमिताभ ने अपनी सिक्योरिटी टीम को भी समझाया। उन्होंने उन्हें समझाया- 'अपने , यहां जो काम करते हैं उन्हें समझाते हुए, कि चाहने वालों के साथ, उनका व्यवहार कैसा होना चाहिए। जनता के साथ जैसा उनका व्यवहार होगा, जनता समझेगी कि ये मेरा भी स्वभाव होगा।'

घंटों इंतजार करना कोई साधारण बात नहीं

उन्होंने आगे लिखा, 'इतनी देर, इतनी धूप में, घंटों इंतजार करना, ये कोई साधारण बात नहीं है। फिर उसके बाद उनके साथ सही व्यवहार नहीं करना, ये ठीक नहीं। जानता जनार्धन होती है। स्नेह, आदर, सद्भावना उनके प्रति- बस इतना ही तो वे देखना चाहते हैं। इतना कुछ देते हैं वो, हमें प्रेम और उनकी ओर एक आदर सम्मान का दर्पण बनना चाहिए।'

अमिताभ बच्चन का वर्कफ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन जल्द ही कल्कि 2898 एडी के सीक्वल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन नाग अश्विन कर रहे हैं। इसमें प्रभास और कमल हासन भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

थलापति विजय के सीएम बनते ही तृषा कृष्णन ने सुनाई खुशखबरी, दुश्मनों से भिड़ने के लिए पूरी तरह तैयार !

थलापति विजय और तृषा कृष्णन के लिए रविवार का दिन बहुत खास था. विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली, इस खुशी के मौके पर उनके फैंस और तृषा खुशी के मारे खूब रोए. पीएम नरेंद्र मोदी और पवन कल्याण समेत कई सेलेब्स ने उन्हें सीएम बनने की बधाई दी. वहीं शाम होने तक तृषा ने एक खुशखबरी और लोगों को सुना दी.

तृषा ने अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में बताया

दरअसल, तृषा ने अपने चाहने वालों को सरप्राइज़ देते हुए अपनी अपकमिंग फिल्म 'करुप्पु' का ट्रेलर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया. तृषा कृष्णन अपनी फिल्म 'करुप्पु' को लेकर पहले से ही चर्चा में बनी हुई थी. ट्रेलर रिलीज़ के बाद इसने और रफ्तार पकड़ ली.

ट्रेलर रिलीज़ होते ही सोशल मीडिया पर 'करुप्पु' ट्रेंड करने लगी और यूजर्स लगातार अपने रिएक्शन शेयर करने लगे. फिल्म की कहानी कोर्टरूम ड्रामा बेस्ड है, जिसमें तृषा ने एक वकील का किरदार निभाया है. बैकग्राउंड म्यूजिक, सिनेमैटोग्राफी और की स्क्रीन प्रेजेंस की वजह से ये फिल्म और खास बन गई है. फिल्म 14 मई को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है.

बता दें, तमिल सिनेमा के सुपरस्टार और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय और अभिनेत्री तृषा कृष्णन की जोड़ी लगातार कई सालों से लोगों की चहेती बनी हुई है, दोनों के अफेयर के भी चर्चे हैं. कहा जा रहा है कि इस रिलेशनशिप की वजह से विजय की शादीशुदा जिंदगी अब तलाक तक पहुंच चुकी है. हालांकि किसी ने भी इस रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है.

दोनों साथ नज़र आते हैं

विजय और तृषा कृष्णन की मुलाकात 2004 में सुपरहिट फिल्म गिल्ली के सेट पर हुई थी. तब से दोनों के बीच नजदीकियों की अफवाहें उड़ीं. हर इवेंट में दोनों साथ नज़र आते हैं. विजय के शपथग्रहण समारोह में भी तृषा मौजूद थीं लेकिन विजय के बच्चे वहां नहीं आए.

बता दें, कुछ महीने पहले विजय की पत्नी संगीता ने कोर्ट में एक्टर से तलाक की अर्जी दाखिल की थी, तो उसमें विजय पर एक एक्ट्रेस संग अवैध संबंधों के आरोप लगाए थे.

ब्रिटिश सिंगर दुआ लीपा ने दिग्गज टेक कंपनी पर ठोंका मुकदमा; कॉपीराइट तस्वीर से जुड़ा है मामला; मांगा हर्जाना

ब्रिटिश सिंगर दुआ लिपा ने इलेक्ट्रॉनिक्स की एक दिग्गज कंपनी पर केस ठोंका है। मामला सिंगर की एक तस्वीर के बिना अनुमति इस्तेमाल से जुड़ा है। दुआ लीपा ने कंपनी के खिलाफ लीगल एक्शन लेते हुए हर्जाने में करोड़ों रुपये मांगे हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, 'सिंगर दुआ लीपा ने टेक कंपनी सैमसंग पर 15 मिलियन डॉलर (करीब 125 करोड़ रुपये) का मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि कंपनी ने बिना उनकी अनुमति के टीवी की पैकेजिंग पर उनकी तस्वीर का इस्तेमाल किया'।

शिकायत में क्या आरोप लगाया?

यह मुकदमा शुक्रवार को कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में दायर किया गया था। ग्रैमी विजेता गायिका ने टेक कंपनी सैमसंग पर कॉपीराइट उल्लंघन, ट्रेडमार्क उल्लंघन और अपने प्रचार के अधिकार के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि कंपनी ने कथित तौर पर टेलीविजन के प्रचार और बिक्री के लिए उनकी तस्वीर का इस्तेमाल किया।

कॉपीराइट तस्वीर का बिना इजाजत इस्तेमाल किया

शिकायत के अनुसार, दुआ लीपा ने दावा किया कि 2024 में ऑस्टिन सिटी लिमिट्स म्यूजिक फेस्टिवल के दौरान ली गई उनकी एक बैकस्टेज तस्वीर का इस्तेमाल, 2025 से शुरू होने वाले सैमसंग टेलीविजन के कई मॉडलों की पैकेजिंग पर किया गया। गायिका ने कहा कि उस तस्वीर का कॉपीराइट उन्हीं के पास है। मुकदमे में आरोप लगाया गया कि सैमसंग ने टेलीविजन के डिब्बों के सामने वाले हिस्से पर उस तस्वीर का प्रमुखता से इस्तेमाल किया, जबकि कंपनी न तो गायिका से इसकी अनुमति ली और न ही तस्वीर के इस्तेमाल के लिए उन्हें कोई मुआवजा दिया।

रोकने की बात कहे जाने पर भी जारी रखा फोटो का इस्तेमाल

मुकदमे में कहा गया है, 'दुआ लीपा की लोकप्रियता और साख को देखते हुए सैमसंग ने बिना किसी अनुमति या लाइसेंस के उनकी एक कॉपीराइट वाली तस्वीर का इस्तेमाल किया और उसे खुद बनाए गए उन टेलीविजन के कार्डबोर्ड बॉक्स के सामने वाले हिस्से पर प्रमुखता से दिखाया, जिन्हें बिक्री के लिए रखा गया था'। दुआ ने यह भी दावा किया कि कंपनी ने उनकी तस्वीर का इस्तेमाल तब भी जारी रखा, जब उसे ऐसा करने से रोकने की मांग की गई थी।

कंपनी को बताया लापरवाह और असंवेदनशील

शिकायत में सैमसंग की प्रतिक्रिया को लापरवाह और असंवेदनशील बताया गया है। प्रकाशन के अनुसार, मुकदमे में यह तर्क भी दिया गया है कि प्रोडक्ट की पैकेजिंग पर दुआ लीपा की तस्वीर के इस्तेमाल से ग्राहकों को यह गलतफहमी हो सकती है कि दुआ ने आधिकारिक तौर पर सैमसंग टेलीविजन का समर्थन किया है। शिकायत में सोशल मीडिया पर उपयोगकर्ताओं की कई टिप्पणियों का भी हवाला दिया गया है, जिन्होंने कथित तौर पर यह मान लिया था कि यह गायिका इस अभियान से जुड़ी हुई है।

'विराट के खिलाफ बोलने के लिए ऑफर हुए थे पैसे': जर्मन मॉडल लिजलैज

कोहली ने लाइक की थी पोस्ट

क्रिकेटर विराट कोहली फिलहाल आईपीएल में अपनी बैटिंग से खुब धूम मचा रहे हैं। लेकिन कुछ दिनों पहले उनके एक लाइक ने पूरे इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था। विराट ने जर्मन इन्फ्लुएंसर लिजलैज की पोस्ट लाइक की थी। अब उस पूरी घटना को याद करते हुए उस समय हुई चीजों को लेकर लिजलैज ने बड़े खुलासे किए हैं।

छवि खराब करने के लिए ऑफर हुए थे पैसे

हाल ही में एक पॉडकास्ट में इन्फ्लुएंसर लिजलैज ने खुलासा किया कि जब से कॉन्ट्रोवर्सी हुई थी, तब कई जर्नलिस्ट ने उन्हें पैसे ऑफर किए थे, ताकि वे विराट के खिलाफ बयान दें, और उनकी छवि खराब करें।

मुझे पैसे ऑफर किए थे...

लिजलैज ने कहा, 'उस समय कुछ जर्नलिस्ट थे, जिन्होंने मुझे पैसे ऑफर किए थे, ताकि मैं उनके बारे में ऐसी बातें कहूं, जो हुई ही नहीं। लेकिन मैं ऐसा क्यों करती। मैं पैसे के लिए उनकी छवि खराब क्यों करूं, मैं वैसी नहीं हूं।'

कौन हैं इंफ्लुएंसर लिजलैज?

लिजलैज जर्मन-साउथ अफ्रीकन सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और कंटेंट क्रिएटर हैं। वे सिंगर भी हैं। ट्रैवल व्लॉग भी बनाती हैं। वे ज्यादातर व्लॉग भारतीय संस्कृति और टूर पर बनाती हैं। इंस्टाग्राम पर उनके चार लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

भारतीय संस्कृति से काफी प्रभावित हैं लिजलैज

लिजलैज के इंस्टाग्राम अकाउंट पर नजर डालने पर पता चलेगा कि वे भारतीय संस्कृति से काफी प्रभावित हैं। वे यहां आ भी चुकी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसके वीडियोज शेयर किए हुए हैं। जनवरी में उन्होंने हरियाणा में एक शादी में भी शिरकत की थी। करीब 3 हफ्ते पहले इनकी एक पोस्ट को विराट कोहली ने लाइक किया था, जिसके बाद से काफी चर्चा में आ गईं।

चैट जीपीटी से आईपीएल की नकली टिकट बनाकर बेची

दुर्ग के 4 युवक लखनऊ स्टेडियम के बाहर पकड़ाए, ठगी के पैसे ऑनलाइन लेने पर फंसे

रायपुर, 11 मई (एजेंसियां)। आईपीएल मैच के दौरान स्टेडियम के बाहर चैट जीपीटी से नकली टिकट बनाकर बेच रहे दुर्ग के 4 आरोपियों को यूपी में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई लखनऊ जिले की साइबर सेल और सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने की है।

आरोपियों के पास से बड़ी संख्या में फर्जी आईपीएल टिकट, लैपटॉप, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और प्रिंटिंग सामग्री बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपियों में दुर्ग निवासी श्रीकांत बोरकर, नूतन कुमार साहू, राजेंद्र चौधरी और विश्वजीत साहू शामिल है।

लखनऊ पुलिस के अनुसार, लखनऊ सुपर जॉइंट और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 7 मई को मैच खेला गया था। इस मैच को देखने के लिए जालौन निवासी प्रदीप सिंह स्टेडियम पहुंचे।

स्टेडियम के बाहर आरोपियों ने उन्हें दो टिकट बेचे और यूपीआई के जरिए 1000 रुपए ले लिए। लेकिन एंट्री गेट पर टिकट स्कैन होते ही उसे फर्जी बताया गया।

इसके बाद पीड़ित ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस एक्टिव हुई और तकनीकी जांच के आधार पर लखनऊ के दोदनखेड़ा चौराहे के पास से चारों आरोपियों को पकड़ा।

पुलिस जांच में सामने आया कि, आरोपी सोशल मीडिया से असली टिकटों की फोटो डाउनलोड करते थे। इसके बाद कोरल ड्रॉ की मदद से हूबहू नकली टिकट तैयार करते थे। टिकट डिजाइन, साइज और पेपर क्वॉलिटी की जानकारी जुटाने के लिए आरोपियों ने चैट जीपीटी का भी सहारा लिया था।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि, आर्थिक तंगी और नया कारोबार शुरू करने के लिए पैसों की जरूरत के चलते उन्होंने यह साजिश रची। गिरोह का सदस्य विश्वजीत साहू 2D और 3D डिजाइनिंग का काम जानता था। जिसे उसने यूट्यूब और कोचिंग से सीखा था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पहले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भी फर्जी टिकट बेचने की कोशिश कर चुके थे, लेकिन वहां सफल नहीं हुए। इसके बाद उन्होंने तकनीक और डिजाइन में सुधार कर लखनऊ को निशाना बनाया। डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद ने बताया कि, आरोपियों ने पीड़ित से 1000 यूपीआई के जरिए लिए थे। जिसके आधार पर पुलिस ने ट्रांजैक्शन ट्रेस कर उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस अब गिरोह के नेटवर्क और अन्य संभावित मामलों की जांच कर रही है।

लखनऊ पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए चारों आरोपियों में से एक नूतन डिप्लोमा होल्डर है। जबकि दूसरा विश्वजीत इंटर पास है। यूट्यूब से इन्होंने फर्जी टिकट बनाने और डिजाइन का काम, 2/3 D डिजाइनिंग एलिवेशन सीखा है। श्रीकांत बोरकर ग्रेजुएट है। फर्जी टिकट बनाने वाले इस गिरोह का वो मास्टर माइंड है। डिजाइन के अलावा वो कार वॉशिंग का काम करता है। चौथा और मुख्य सहयोगी राजेंद्र चौधरी भी वाशिंग का काम करता है।

क्या एआईएडीएमके टूटने की कगार पर है?

तमिलनाडु चुनाव में करारी हार के बाद ईपीएस के खिलाफ बगावत के सुर तेज

चेन्नई, 11 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में हार के बाद ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। एआईएडीएमके के विधायकों के सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को समर्थन देने के मुद्दे पर विभाजित होने से पार्टी में आतंरिक मतभेद पैदा हो गया है, जबकि पार्टी प्रमुख एडप्पाडी के पलानीस्वामी (ईपीएस) के खिलाफ विद्रोह होने के संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 में से 167 सीट पर चुनाव लड़ने वाली अन्नाद्रमुक केवल 47 सीट ही हासिल कर सकी।

पलानीस्वामी से पद छोड़ने की मांग

चुनावी नतीजों के बाद पार्टी महासचिव पलानीस्वामी की अध्यक्षता में विधायकों की कई बैठकें आयोजित की गईं। अन्नाद्रमुक सूत्रों के अनुसार, जहां पार्टी का एक गुट सरकार गठन में टीवीके को समर्थन देने का कड़ा विरोध कर रहा था, वहीं दूसरे गुट ने विजय के नेतृत्व वाली पार्टी को बाहर से समर्थन देने की वकालत की। कुछ विधायकों ने पार्टी के खराब चुनावी प्रदर्शन के मद्देनजर पलानीस्वामी से पद छोड़ने की भी मांग की।

सी वी शनमुगम और एस पी वेलुमणि सहित कई वरिष्ठ नेताओं और पूर्व मंत्रियों के साथ ही उनके समर्थक विधायकों ने पलानीस्वामी की अध्यक्षता में हुई बैठकों में भाग नहीं लिया। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि शनमुगम, वेलुमणि और उनके समर्थकों ने टीवीके का समर्थन करने में रुचि दिखाई है।

अन्नाद्रमुक के पूर्व नेता के सी पलानीसामी ने कहा कि पार्टी के भीतर स्पष्ट विभाजन है। कई विधायक नेतृत्व परिवर्तन चाहते हैं। अगर पलानीस्वामी नेता बने रहते हैं, तो कुछ विधायकों की ओर से टीवीके को समर्थन देने के आसार हैं। उन्होंने कहा कि पलानीस्वामी को पार्टी के शीर्ष पद से स्वेच्छा से इस्तीफा दे देना चाहिए। ताकि पार्टी अगला चुनाव एकजुटता के साथ लड़े।

राजनीतिक विश्लेषक सत्यालय रामकृष्णन ने कहा कि अन्नाद्रमुक नेताओं के बीच गलतफहमियों को वार्ता करते हुए मिलजुलकर दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अब तक पार्टी एकजुट है क्योंकि अन्नाद्रमुक के सभी विधायक विधानसभा में एक साथ बैठे थे। वरिष्ठ नेताओं को पार्टी में कोई फूट नहीं पड़ने देनी चाहिए।

उधर, अन्नाद्रमुक के नव निर्वाचित सदस्य सोमवार को 17वीं तमिलनाडु विधानसभा के शपथ ग्रहण समारोह में दो गुटों में आए। इससे अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी में मतभेद का संकेत मिलता है। पूर्व राज्य मंत्रियों के पी मुनुसामी और थलवई एन सुंदरम सहित नवनिर्वाचित विधायकों का एक समूह विधायक पद की शपथ लेने के लिए पार्टी महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी के साथ विधानसभा पहुंचा।

तालाब में डूबने से बच्चे की मौत

देवघर, 11 मई (एजेंसियां)। देवघर जिले के रिखिया थाना क्षेत्र में एक तालाब में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान नीरज कुमार के रूप में हुई है। इस घटना से क्षेत्र में दुख का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, नीरज कुमार अपने तीन दोस्तों के साथ गांव के पास स्थित तालाब में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसके दोस्तों ने शोर मचाया और गांव जाकर परिजनों को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन बच्चे का पता नहीं चल सका। तत्काल स्थानीय प्रशासन और पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान शुरू किया।

कोडरमा के अंशुमान सिंह बने आईएफएस अधिकारी

छठे प्रयास में आया देश में सेकेंड रैंक, इंडियन कोस्ट गार्ड में हैं डिप्टी कमांडेंट

कोडरमा, 11 मई (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के झुमरीतिलैया स्थित सीएच स्कूल रोड निवासी अंशुमान कुमार सिंह ने यूपीएससी द्वारा आयोजित भारतीय वन सेवा (आईएफएस) परीक्षा 2025 में ऑल इंडिया रैंक-2 हासिल कर इतिहास रच दिया। परिणाम घोषित होने के बाद जैसे ही वे रविवार को अपने घर पहुंचे, पूरे इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई।

पड़ोसी, रिश्तेदार और मित्र बड़ी संख्या में उनके आवास पर पहुंचे और उन्हें बधाई दी। वार्ड नंबर 10 स्थित शांति भवन के पास रहने वाले अंशुमान की इस उपलब्धि पर वार्ड पार्षद पिंकी जैन समेत शहर के कई गणमान्य लोगों ने गर्व जताया।

यह सफलता न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे झारखंड के लिए गौरव का विषय बन गई है।

अंशुमान की सफलता के पीछे संघर्ष और धैर्य की लंबी कहानी है। उन्होंने यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में लगातार पांच बार असफलता का सामना किया, लेकिन हार नहीं मानी। हर असफलता से सीख लेते हुए उन्होंने अपने प्रयास को और मजबूत किया।

दिन में नौकरी और रात में पढ़ाई उनकी दिनचर्या बन गई थी। बीते वर्ष उन्होंने अपनी नौकरी से ब्रेक लेकर पूरी तरह तैयारी में खुद को झोंक दिया। आखिरकार छठे प्रयास में उन्होंने देश में दूसरा स्थान हासिल कर यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प और निरंतर मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

अंशुमान ने अपनी सफलता का श्रेय अपने स्वर्गीय पिता विनय कुमार सिंह, माता सुनीता देवी, पत्नी श्यामभवि सिंह और पूरे परिवार को दिया। उनके पिता एक शिक्षक थे। वे चाहते थे कि बेटा सिविल सेवा में जाए।

वर्ष 2018 में पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ीं, लेकिन उनकी मां ने हमेशा उन्हें प्रेरित किया। अंशुमान कहते हैं कि अगर आज उनके पिता जीवित होते तो सबसे ज्यादा गर्व उन्हें ही होता। उनकी पत्नी ने भी हर कठिन समय में उनका साथ दिया और लक्ष्य से भटकने नहीं दिया।

भाजपा नेत्री ने भाई की शादी में चलाई गोलियां

धुरंधर के गाने पर बनाई रील, कांग्रेस बोली– कानून व्यवस्था बिगड़ी, सरकार करे सख्त कार्रवाई

रायपुर, 11 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शादी समारोह के दौरान खुलेआम हर्ष फायरिंग का मामला सामने आया है। भाजपा नेत्री और मंडी सदस्य मोनिका सिंह के परिवार से जुड़े कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में भाजपा नेत्री के पति के साथ बच्चे, लड़कियां और महिलाएं हथियार लहराते और फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। वहीं "धुरंधर" फिल्म के गाने पर रील बनाकर वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया गया है।

हर्ष फायरिंग की वायरल वीडियो पर पुलिस ने कहा, शिकायत नहीं मिली है, लेकिन पूरे मामले की जांच कराएंगे। वहीं, कांग्रेस ने कहा, प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बिगड़ी हुई है। लॉ एंड ऑर्डर को सुधारने के लिए सरकार को सख्त उठाना चाहिए।

जानकारी के मुताबिक, मामला रायपुर के एक शादी समारोह का है, जहां भाजपा नेत्री मोनिका सिंह के भाई प्रतीक की शादी आयोजित की गई थी। समारोह में रिश्तेदारों और मेहमानों की मौजूदगी में जमकर हवाई फायरिंग की गई।

वायरल वीडियो में मोनिका सिंह के पति ऋतुपर्ण सिंह के साथ लड़कियां और महिलाएं भी बंदूक और पिस्टल से फायर करते दिखाई दे रही हैं। कार्यक्रम में डीजे और फिल्मी गानों के बीच हथियारों का प्रदर्शन भी किया गया। बताया जा रहा है कि ऋतुपर्ण सिंह बिलासपुर में चतुर्थ श्रेणी के शासकीय कर्मचारी हैं। उनकी पत्नी मोनिका सिंह भाजपा से जुड़ी हुई हैं और वर्तमान में मंडी सदस्य के पद पर कार्यरत हैं। शादी समारोह में हुई फायरिंग का वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा शुरू हो गई है।

कांग्रेस प्रवक्ता अभय नारायण ने कहा, जिन लोगों के पास लाइसेंस है। उनको लाइसेंस देना क्या आवश्यक है। किस उपयोग के लिए उन्हें लाइसेंस दिया गया है। उसका सही उपयोग हो रहा है या नहीं हो रहा है। इसकी जांच पूरे प्रदेश में होनी चाहिए। लॉ एंड ऑर्डर को सुधारने के लिए सरकार को सख्त उठाना चाहिए।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर लोग सवाल उठा रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि राजधानी में खुलेआम हथियारों से फायरिंग करना कानून-व्यवस्था को चुनौती देने जैसा है। कई लोगों ने यह भी लिखा कि आम लोगों पर कार्रवाई करने वाली पुलिस प्रभावशाली लोगों के मामलों में नरमी बरतती नजर आती है।

रायपुर में साले की शादी में हर्ष फायरिंग करने वाले ऋतुपर्ण सिंह भाजपा नेता सौरभ सिंह के करीबी बताए जा रहे हैं।

ऋतुपर्ण सिंह पर आरोप है कि पहले भी वो बीजेपी नेता के परिजनों की शादी में हर्ष फायरिंग कर चुके है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच करने की बात कह रही है।

रायपुर कमिश्नरेट के अधिकारियों से गोलीकांड घटनाक्रम पर चर्चा की गयी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि अब तक इस मामले की कोई शिकायत नहीं पहुंची है। अफसर मामले की जांच की बात कह रहे हैं।

पैर पड़ने एएसपी के पीछे घूमे विधायक

पुलिस ने लाठीचार्ज किया, किसान घायल परमार बोले– गुंडे खुलेआम घूम रहे

उज्जैन, 11 मई (एजेंसियां)। उज्जैन में किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट को जिलाबदर किए जाने के विरोध में सोमवार को कांग्रेस ने उग्र प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। एक किसान जयराम जाट घायल हो गया, जबकि तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

प्रदर्शन से पहले कांग्रेस विधायक महेश परमार और पुलिस के बीच बहस का एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में परमार एडिशनल एसपी आलोक शर्मा के पैर पड़ने के लिए उनके पीछे घूमते दिखाई दे रहे हैं।

इस दौरान वे सड़क पर दंडवत प्रणाम भी करने लगते हैं, जबकि एडिशनल एसपी वहां से हटते नजर आ रहे हैं।

इधर, किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट जिला बदर की कार्रवाई के खिलाफ इंदौर हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कार्रवाई के खिलाफ याचिका लगाई है। अब मामले में 13 मई को सुनवाई होनी है।

महिदपुर विधायक दिनेश जैन बोस ने कहा कि वे किसानों की लड़ाई लड़ते रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि उज्जैन आते समय पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन वे डरने वाले नहीं हैं। कांग्रेस विधायक महेश परमार ने कहा कि किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अशोक जाट किसानों की आवाज पर पहुंच जाते हैं। ऐसे नेता को जिलाबदर कर दिया गया, जबकि उज्जैन में गुंडे खुलेआम घूम रहे हैं। पुलिस ने किसी कांग्रेस कार्यकर्ता को कलेक्टर परिसर तक नहीं जाने दिया।

पत्नी, बेटे और प्रेग्नेंट बेटी का मर्डर

61 साल के रिटायर्ड कर्मचारी ने की हत्या, खुद पुलिस को फोन कर बुलाया

जमशेदपुर, 11 मई (एजेंसियां)। जमशेदपुर में सोमवार सुबह टाटा स्टील प्लांट के रिटायर्ड कर्मचारी ने पत्नी, बेटी और बेटे की हत्या कर दी। आरोपी की उम्र 61 साल है। मामला सिदगोड़ा थाना क्षेत्र का है। यह घटना एग्रिको रोड नंबर-2 स्थित क्वार्टर संख्या एल 5-13 में हुई।

मृतकों की पहचान 55 साल की सरिता सिंह, 31 साल की सुप्रिया सिंह और 28 साल के रविकेश के रूप में हुई है। सुप्रिया शादीशुदा थी और करीब तीन महीने की प्रेग्नेंट थी।

ये घटना सोमवार तड़के करीब 4 बजे हुई। आरोपी रविंद्र सिंह (61) ने वारदात को अंजाम देने के बाद खुद पुलिस को फोन कर सूचना दी।

सिदगोड़ा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया।

पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने पर कमरे में चारों ओर खून फैला हुआ था और आरोपी वहीं मौजूद था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है और हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

आरोपी ने सभी की सोई अवस्था में हत्या की इसलिए कोई विरोध नहीं कर सका। कुल्हाड़ी नुमा धारदार हथियार और हथौड़ा से वारकर हत्या की गई है। 6 माह पूर्व छोटी बेटी प्रिया की शादी हुई थी।

एएसपी ऋषभ द्विवेदी के अनुसार, प्रारंभिक रूप से आरोपी का मानसिक रूप से विक्षिप्त होना सामने आया है। अभी मामले की जांच चल रही है

स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों के अनुसार, रविवार रात तक परिवार में सब कुछ सामान्य था। देर रात तक परिवार के सदस्यों से बातचीत हुई थी और किसी विवाद की कोई जानकारी नहीं मिली थी। इस अचानक हुई घटना से सभी हैरान हैं।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी रविंद्र सिंह हाल ही में टाटा स्टील से रिटायर हुए थे।

पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है।

ओलावृष्टि से फसलें बर्बाद

किसानों को लाखों रुपए का नुकसान जनप्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण

रामगढ़, 11 मई (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले में बेमौसम बारिश और तेज ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। भदानीनगर ग्राम चिकोर, लादि, सुद्दी, पाली, बारीडीह और कोढ़ी क्षेत्रों में कई एकड़ जमीन पर लगी तरबूज, खीरा, टमाटर, लौकी और नेनुआ की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। इससे किसानों को लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान है।

किसानों ने बताया कि उन्होंने कड़ी मेहनत से फसलें लगाई थीं और उन्हें अपने परिवार तथा बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए इन फसलों से काफी उम्मीदें थीं। एक महीने से 25 से 30 बंदरों का झुंड खेतों में घुसकर फसलों को बर्बाद कर रहा था, जिसके कारण किसानों को 24 घंटे खेतों की रखवाली करनी पड़ रही थी।

बंदरों के उत्पात के बाद अब बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने बची-खुची फसलों को भी पूरी तरह नष्ट कर दिया है। इस बर्बादी के कारण व्यापारी इन फसलों को खरीदने से मना कर रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने सरकार से उचित मुआवजे की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि यदि यही स्थिति रही तो उनके लिए जीवनयापन करना मुश्किल हो जाएगा। स्थानीय जनप्रतिनिधि और विधायक रोशन लाल चौधरी ने भी प्रभावित खेतों का निरीक्षण किया है।

स्कूली बच्चों से भरी पिकअप वैन पलटी

आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल, दो मेदिनीनगर रेफर, हादसे के बाद ड्राइवर फरार

लातेहार, 11 मई (एजेंसियां)। लातेहार जिले के बरवाडीह थाना क्षेत्र में सोमवार को एक सड़क हादसा हो गया। स्कूल की छुट्टी के बाद संत क्लारेट लेदगाई स्कूल के बच्चों को लेकर जा रही एक पिकअप वैन ओवरटेक करने के दौरान अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गाई।

इस दुर्घटना में आधा दर्जन से अधिक स्कूली बच्चे घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन तेज रफ्तार में चल रहा था। इसी दौरान चालक ने ओवरटेक करने का प्रयास किया, लेकिन संतुलन बिगड़ने से वैन पलट गई। दुर्घटना के तुरंत बाद चालक मौके से फरार हो गया।

घायल बच्चों को आननफानन में बरवाडीह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मिशन हॉस्पिटल और गांधी जी मेडिकल्स में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, सभी बच्चे फिलहाल खतरे से बाहर हैं।

हालांकि, दो बच्चों के हाथ में गंभीर फ्रैक्चर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर किया गया है। रेफर किए गए बच्चों में रेलवे कॉलोनी निवासी बद्री प्रसाद के 9 वर्षीय पुत्र कृति रंजन और आदर्शनगर निवासी पप्पू कुमार की 14 वर्षीय पुत्री शिवंशी वर्मा शामिल हैं।

अन्य घायलों में प्रियांशु गुड़िया (9), तेजस्वी चंद्रा, नव्या सिंह (6), कोमल रंजना (15) और पीयूष राज (15) शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही बरवाडीह थाना प्रभारी अनुराग कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर लिया गया है।

अंचलाधिकारी लवकेश सिंह, बीस सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी, जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर, विधायक प्रतिनिधि प्रेम कुमार सिंह उर्फ पिंटू और उकामाड़ मुखिया पूनम देवी भी घटनास्थल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। थाना प्रभारी अनुराग कुमार ने बताया कि दुर्घटना कैसे हुई, इसका पता लगाया जा रहा है।

बंगाल चुनाव ड्यूटी से लौटे सीएएफ जवान ने लगाई फांसी

धमतरी, 11 मई (एजेंसियां)। धमतरी के सपना पिंक सिटी रोड स्थित किराए के मकान में छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स (सीएएफ) जवान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक जागेश्वर प्रसाद ठाकुर (37) सीएएफ की 10वीं बटालियन की एफ कंपनी में सूरजपुर में पदस्थ था। अभी उसकी ड्यूटी रायपुर के सिविल लाइन क्षेत्र में लगी हुई थी। बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल चुनाव ड्यूटी से लौटने के बाद वह 5 दिनों के ब्रेक रेस्ट पर घर आया हुआ था।

इस दौरान शराब पीने को लेकर पत्नी से झगड़ा हुआ। पत्नी नाराज होकर रिश्तेदार के घर चली गई थी। इसकी सूचना पत्नी ने देवर को दी थी। जवान का भाई जब घर पहुंचा तो जवान फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। फिलहाल, पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जागेश्वर 24 मार्च को रायपुर से पश्चिम बंगाल चुनाव ड्यूटी पर गए थे और 2 मई को शाम 4 बजे वापस लौटे थे। उन्हें 5 दिन का ब्रेक मिला था, जिसके बाद वह धमतरी स्थित अपने किराए के मकान में आए थे। जागेश्वर पिछले 7-8 सालों से धमतरी में रह रहे थे और मूल रूप से भटगांव थाना क्षेत्र के रनचीराई के निवासी थे।

अज्ञात वाहन ने नाना-नाती को कुचला

चतरा, 11 मई (एजेंसियां)। चतरा जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक सड़क हादसे में नाना और नाती की मौत हो गई। बगरा स्थित कसारी मोड़ के पास एक अज्ञात वाहन ने लूना सवार दोनों को टक्कर मार दी। यह घटना रविवार रात करीब 10 बजे हुई। मृतकों की पहचान बरियातू थाना क्षेत्र के जबरा निवासी 60 वर्षीय सुकर प्रजापति और उनके 14 वर्षीय नाती आलोक प्रजापति के रूप में हुई है। आलोक कान्हाचट्टी थाना क्षेत्र के चिरीदिरी गांव का रहने वाला था और अपने नाना के घर आया हुआ था। सुकर प्रजापति अपने नाती आलोक के साथ जिरुआखुर्द पंचायत के सलगी गांव में एक रिश्तेदार के घर रिसेप्शन पार्टी में शामिल होने गए थे। समारोह से लौटने के दौरान वे लूना मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने घर जबरा लौट रहे थे। सिमरिया के कसारी मोड़ के पास पहुँचते ही विपरीत दिशा से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय राहगीरों ने सिमरिया थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई पूरी की और पोस्टमॉर्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया। सिमरिया पुलिस दुर्घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर अज्ञात वाहन की पहचान करने में जुटी है। मृतकों के परिजनों ने मुआवजे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हादसे की खबर गांव पहुंचते ही इलाके में शोक छा गया।

मृतक बुजुर्ग के बड़े बेटे अनुज प्रजापति ने बताया कि उनके पिता और भांजा रिसेप्शन पार्टी से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि उनके घर की माली हालत बेहद दयनीय है और पिता के जाने के बाद परिवार के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

परिजनों ने जिला प्रशासन से मुआवजे की गुहार लगाई है और अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच अदाणी ने एआई और डेटा सेंटर पर दिया जोर, कहा- सस्ती बिजली ही भविष्य की नींव

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत की ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल क्षमता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य को लेकर सीआईआई समिट में गौतम अदाणी ने बड़ा विजन पेश किया है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में किसी भी देश की असली ताकत केवल उसकी सैन्य या आर्थिक क्षमता से नहीं, बल्कि ऊर्जा और तकनीकी आत्मनिर्भरता से तय होगी।हालिया पश्चिम एशिया संघर्ष और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों का उल्लेख करते हुए अदाणी ने कहा कि अब ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल सुरक्षा अलग-अलग विषय नहीं रह गए हैं। ये दोनों मिलकर राष्ट्रीय शक्ति की नई धुरी बन चुके हैं। उनके मुताबिक, जो देश अपनी ऊर्जा व्यवस्था को नियंत्रित करेगा, वही औद्योगिक भविष्य को दिशा देगा। वहीं जो देश कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमता पर नियंत्रण रखेगा, वही दुनिया के इंटेलिजेंस फ्यूचर का नेतृत्व करेगा।

चीन और अमेरिकी व्यवस्था का किया जिक्र

अदाणी ने कहा कि 1947 में भारत ने राजनीतिक स्वतंत्रता हासिल की थी, लेकिन 21वीं सदी में सच्ची आजादी का अर्थ होगा अपने घरों को रोशन करने वाली ऊर्जा और अपने भविष्य को दिशा देने वाली तकनीक पर खुद का नियंत्रण। उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन इस नई वैश्विक रणनीति को अच्छी तरह समझ चुके हैं। दोनों देशों की राजनीतिक व्यवस्थाएं अलग हैं, लेकिन उनका उद्देश्य समान है ऊर्जा और तकनीकी क्षमता में आत्मनिर्भरता हासिल करना। उन्होंने कहा कि कोई भी देश तब तक पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं कहा जा सकता, जब तक वह अपनी अर्थव्यवस्था को चलाने वाली ऊर्जा और अपने भविष्य को आकार देने वाली तकनीक के लिए दूसरे देशों पर निर्भर हो।

भारत का रास्ता अमेरिका और चीन जैसा नहीं होगा

भारत के विकास मॉडल पर बोलते हुए अदाणी ने कहा कि भारत का रास्ता अमेरिका या चीन जैसा नहीं होगा। भारत की ताकत इसकी घरेलू मांग और तेजी से बढ़ता सामाजिक-आर्थिक ढांचा है। उन्होंने कहा कि देश में मध्यम वर्ग तेजी से बढ़ रहा है, शहरों का विस्तार हो रहा है, फैक्ट्रियां सक्रिय हो रही हैं, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी बढ़ रही है और लाखों छोटे कारोबार आगे बढ़ने की तैयारी में हैं। अदाणी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत यह है कि यहां बनने वाले हर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए पहले से मांग मौजूद है। इसलिए सबसे बड़ी चुनौती अब उस क्षमता को तैयार करने की है जो इस मांग की गति के साथ कदम मिला सके।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का किया जिक्र

ऊर्जा क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मार्च 2026 तक देश 500 गीगावॉट स्थापित बिजली क्षमता का आंकड़ा पार कर चुका है। खास बात यह है कि इस क्षमता का 53 प्रतिशत हिस्सा पिछले 10 वर्षों में जोड़ा गया है। अदाणी ने कहा कि भारत अगले दो दशकों में अपनी ऊर्जा क्षमता को चार गुना बढ़ाकर 2047 तक 2000 गीगावॉट तक पहुंचाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

एआई पर चल रही बहस पर क्या बोले?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर दुनिया में चल रही बहस पर भी अदाणी ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों में यह धारणा बनाई जा रही है कि एआई इंसानों की नौकरियां खत्म कर देगा और तकनीक मानव निर्णय क्षमता की जगह ले लेगी। लेकिन भारत को इस डर को अपनाने की जरूरत नहीं है।उन्होंने कहा कि भारत को एआई को अवसर पैदा करने वाली तकनीक के रूप में देखना चाहिए। अदाणी के मुताबिक, एआई उत्पादकता बढ़ा सकता है, नए रोजगार पैदा कर सकता है, छोटे कारोबारों को मजबूत बना सकता है और भारतीय युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर सकता है।

कई रूट्स पर फ्लाइट से आगे निकल जाएगी ट्रेन सर्विस, अश्विनी वैष्णव ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि भारतीय रेल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए तय अपने बजट का 98 प्रतिशत फरवरी के अंत तक खर्च कर दिया था। यह प्रोजेक्ट्स के तेज इम्प्लीमेंटेशन को दिखाता है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि ट्रेन सेवाएं आने वाले समय में देश के कई रूट्स पर फ्लाइट्स से आगे निकल जाएंगी। पिछले वित्त वर्ष में लगभग पूरा कैपिटल एक्सपेंडिचर मार्च के पहले हफ्ते तक खर्च हो गया था। फरवरी के आखिरी हफ्ते तक करीब 98 प्रतिशत से ज्यादा खर्च कर लिया गया था। इसके बाद हमें खर्च की स्पीड को कुछ हद तक कंट्रोल करना पड़ा ताकि वित्त वर्ष का अंत बैलेंस तरीके से किया जा सके। उन्होंने बताया कि देश में अब तक 49,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक का इलेक्ट्रिफिकेशन किया जा चुका है, जो जर्मनी के पूरे रेल नेटवर्क से भी ज्यादा है। वहीं, 36,000 किलोमीटर नई पटरियां जोड़ी गई हैं, जो स्विट्जरलैंड के रेल नेटवर्क से लगभग छह गुना हैं। इन नए रूट्स पर यात्रा समय में काफी कमी आएगी, जिससे लोग हवाई यात्रा के बजाय ट्रेन को प्राथमिकता देंगे।उन्होंने बताया कि सरकार मुंबई से पुणे के बीच नया कॉरिडोर डेवलप कर रही है, जहां यात्रा समय घटकर केवल 28 मिनट रह जाएगा। पुणे से हैदराबाद का समय एक घंटा 55 मिनट और हैदराबाद से बेंगलुरु का समय लगभग दो घंटे होगा। वैष्णव ने कहा कि ऐसे रूट्स पर कोई भी फ्लाइट सर्विस को तवज्जो नहीं देगा। ये क्षेत्र एविएशन कंपनियों के लिए लगभग खत्म हो जाएंगे। जो लोग एविएशन कंपनियों में निवेश करना चाहते हैं, उन्हें अभी से यह समझ लेना चाहिए कि इन रूट्स पर 99 प्रतिशत ट्रैफिक रेलवे से होगा।

रिटायरमेंट की तैयारी में नोएल टाटा

ट्रेंट और वोल्टास समेत कई कंपनियों को पहुंचाया था बुलंदी पर

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। नोएल टाटा 70 साल के होने जा रहे हैं और टाटा ग्रुप की कंपनियों के बोर्ड से रिटायरमेंट की तैयारी कर रहे हैं। ग्रुप में 65 साल की उम्र में एक्जीक्यूटिव रोल से और 70 साल की उम्र में नॉन-एग्जीक्यूटिव बोर्ड पोजीशन से रिटायरमेंट की लंबी परंपरा रही है। नोएल टाटा नवंबर में 70 साल के होने जा रहे हैं। अभी वह टाटा इनवेस्टमेंट कॉर्प, टाटा इंटरनेशनल, ट्रेंट, और वोल्टास में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और चेयरपर्सन हैं। साथ ही वह टाइटन और टाटा स्टील में वाइस चेयरमैन और नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं।

ईटी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि नोएल टाटा के संभावित उत्तराधिकारियों को लेकर अभी चर्चा चल रही है। अक्तूबर 2024 में रतन टाटा के निधन के बाद उनके सौतेले भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन बनाया गया था। नोएल टाटा ने 65 साल की उम्र में ग्रुप की कंपनियों में एग्जीक्यूटिव रोल छोड़ दिया था। हालांकि टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन और ट्रस्टी के लिए रिटायरमेंट की कोई एज नहीं है। इस बारे में नोएल टाटा ने कोई टिप्पणी नहीं की। टाटा और वेणु श्रीनिवासन अभी टाटा संस के बोर्ड में टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर हैं। रतन टाटा अंतिम व्यक्ति थे जो टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन के साथ-साथ टाटा संस के चेयरमैन एमिरेट्स थे। 2022 में टाटा संस ने अपने संविधान में संशोधन किया था। इसके मुताबिक कोई व्यक्ति दोनों पदों पर नहीं रह सकता है। नोएल टाटा अप्रैल 2014 में एफएच करवणा के रिटायरमेंट के बाद ट्रेंट के चेयरमैन बने थे। उनकी लीडरशिप में कंपनी का रेवेन्यू करीब नौ गुना बढ़ा। पिछले फाइनेंशियल ईयर में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1,477 करोड़ रुपये रहा जबकि 2014 में उसे 19 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इस दौरान कंपनी के शेयरों ने अपने शेयरहोल्डर्स को करीब 3,500 फीसदी रिटर्न दिया।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट

सेंसेक्स 1313 अंक टूटा, निफ्टी 23850 से नीचे

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदीकी ओर से देश में पेट्रोल-डीजल के इस्तेमाल में किफायत बरतने की अपील के बाद घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को बड़ी गिरावट दिखी। दलाल स्ट्रीट पर निवेशकों की चौतरफा बिकवाली के कारण प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को औंधे मुंह गिर गए।

सेंसेक्स 1,312.91 अंक गिरकर 76,015.28 पर बंद हुआ; निफ्टी 360.30 अंक गिरकर 23,815.85 पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 85 पैसे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर 95.34 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

वहीं, विदेशी मुद्रा बाजार में भी भारतीय मुद्रा ने एक ऐतिहासिक और चिंताजनक गिरावट दर्ज की है, जहां अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।

सेंसेक्स और निफ्टी धड़ाम

बाजार में लगातार बने दबाव के बीच आज का कारोबारी सत्र निवेशकों के लिए भारी नुकसान वाला साबित हुआ।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,312.91 अंकों की भारी गिरावट के साथ 76,015.28 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी भी 360.30 अंक टूटकर 23,815.85 के स्तर पर आ गया।

मुद्रा बाजार में क्या चल रहा?

शेयर बाजार की इस चौतरफा बिकवाली के साथ-साथ मुद्रा बाजार में भी रुपये की स्थिति बेहद कमजोर नजर आई।

डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 85 पैसे की बड़ी गिरावट का शिकार हुआ। इस भारी गिरावट के साथ रुपया 95.34 (अस्थायी) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ है। शेयर बाजार में 1300 से अधिक अंकों की इस बड़ी गिरावट और रुपये के अपने ऐतिहासिक निचले स्तर (95.34) पर पहुंचने से बाजार का समग्र सेंटीमेंट प्रभावित हुआ है। सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट के साथ-साथ डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना अर्थव्यवस्था और निवेशकों के लिए एक बड़ा घटनाक्रम है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	मेष	मे
चंद्र	कुंभ	मे
मंगल	मीन	मे
बुध	मेष	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय	
मेष.....	04-15 बजे
वृष.....	06-00 बजे
मिथुन..	08-00 बजे
कर्क.....	10-13 बजे
सिंह----	12-25 बजे
कन्या---	14-31 बजे
तुला----	16-36 बजे
वृश्चिक..	18-47 बजे
धनु......	21-01 बजे
मकर....	23-06 बजे
कुंभ....	00-56 बजे
मीन.....	02-35 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
सूर्योदय **05-49** सूर्यास्त. **18 -35**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष मंगलवार **12 May 2026**
तिथि - दशमीं **14-52** तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद **01-17** रात्रि तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - वैधृति **23-19** रात्रि तक उप विष्कुंभ
करण - विष्टी (भद्रा) **14-52** तक उप बव

विशेष: भद्राकाल **14-52** तक
पंचक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-26 से 17-02 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
रोग	05-49 - 07-23	अशुभ
उत्पात	07-23 - 08-59	अशुभ
चंचल	08-59 - 10-36	शुभ
लाभ	10-37 - 12-13	शुभ
अमृत	12-13 - 13-49	शुभ
काल	13-49 - 15-26	अशुभ
शुभ	15-26 - 17-02	शुभ
रोग	17-02 - 18-35	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल	18-35 - 20-02	अशुभ
लाभ	20-02 - 21-26	शुभ
उत्पात	21-26 - 22-49	अशुभ
शुभ	22-49 - 00-12	शुभ
अमृत	00-12 - 01-36	शुभ
चंचल	01-36 - 02-59	शुभ
रोग	02-59 - 04-23	अशुभ
काल	04-23 - 05-49	अशुभ

जियो आईपीओः प्रमोटर नहीं बेचेंगे अपनी हिस्सेदारी! 'फ्रेश इश्यू' लाएगा जियो

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। जियो आईपीओ लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है. इस आईपीओ के प्रोसेस से जुड़े लोगों के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज अपनी टेलीकॉम और डिजिटल वेंचर जियो प्लेटफॉर्म्स की लिस्टिंग के तरीके में बदलाव कर रही है. पहले 'ऑफर फॉर सेल' का प्लान था, लेकिन मौजूदा निवेशकों के साथ कीमत को लेकर मतभेद होने के कारण अब इसे पूरी तरह से 'फ्रेश इश्यू' में बदला जा रहा है. मार्केट शेयर के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी, जो एक बड़े 'इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग' की तैयारी कर रही है, पिछले एक महीने से ज्यादा समय से ग्लोबल टेक कंपनियों, सॉवरेन वेल्थ फंड्स और प्राइवेट इक्विटी निवेशकों के साथ इस अरबों डॉलर के इश्यू की बनावट और कीमत को लेकर बातचीत कर रही है.

ओएफएस पर क्यों नहीं बन रही बात?

शेयरहोल्डर्स चाहते हैं कि आईपीओ की कीमत एकदम सही रखी जाए, यानी शेयरों को ऊंचे प्राइस बैंड पर बेचा जाए, लेकिन, रिलायंस का मानना है कि अगर लिस्टिंग के दिन शेयरों की कीमत गिरती है, तो इससे छोटे निवेशकों (रिटेल इन्वेस्टर्स) को नुकसान हो सकता है. ईटी की रिपोर्ट में प्रोसेस से जुड़े लोगों में से एक ने कहा कि इसमें हितों का एक अंदरूनी टकराव है, जो सिर्फ जियो के मामले में ही देखने को मिल रहा है.उन्होंने कहा कि शेयरहोल्डर्स चाहते हैं कि इश्यू की कीमत जितनी हो सके, उतनी ज्यादा रखी जाए. लेकिन इससे दो तरह के जोखिम पैदा होते हैं. पहला यह कि इश्यू इतना बड़ा हो सकता है कि बाज़ार उसे पूरी तरह से संभाल न पाए. दूसरा रिस्क यह है कि लिस्टिंग कमजोर रहने की पूरी संभावना है, जिसका सीधा असर छोटे निवेशकों पर पड़ेगा. ईटी की रिपोर्ट में जानकार दूसरे व्यक्ति ने बताया कि प्रमोटर का रुख शुरू से ही एक जैसा रहा है. उन्होंने कहा कि मुकेश अंबानी की पहली प्राथमिकता हमेशा से ही छोटे निवेशकों के हितों की रक्षा करना रही है. उन्होंने आगे कहा कि लिस्टिंग के बाद शेयर की कीमत में बढ़ोतरी की गुंजाइश जरूर होनी चाहिए. इसलिए, अब आरआईएल ने यह तय किया है कि लिस्टिंग के बाद शेयर की कीमत बाजार खुद तय करेगा, और अगर प्राइवेट इक्विटी निवेशक चाहें, तो वे बाद में ओपन मार्केट में अपने शेयर बेच सकते हैं.

कहां खर्च होगा पैसा?

'फ्रेश इश्यू' के जरिए मिलने वाला सारा पैसा सीधे कंपनी के पास जाएगा, और मौजूदा सभी निवेशकों की शेयरहोल्डिंग में उसी रेश्यो में कमी आएगी. एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि इस पैसे में से लगभग 25,000 करोड़ रुपए का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए किया जा सकता है, और बाकी बचे पैसों का इस्तेमाल जरूरत के हिसाब से दूसरे कामों के लिए किया जा सकता है.

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा । आज के दिन अगर आप वाहन , दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा । ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो उसमे बदलाव लाये जिससे की आपकी लाभ की सीमा बढे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे है, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
अगर आपने व्यावसायिक साझेदारी को तोड़ने का फैसला कर लिया है , तो आप एक विनम्र और यथार्थवादी तरीके से ऐसा करे । आपको इस शीत युद्ध के अंत के लिए बहुत प्रभावी ढंग से और आसानी से संवाद स्थापित करना होगा और हो सके तो आपको ही पहल करनी होगी ताकि बर्फ कुछ पिघले ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको एक सुपर हीरो की तरह शक्तिया मिल सकती है । आपके लंबित कार्य और परियोजनाओं के पूरा होने के संकेत दिखाई देंगे। आप अपने करीबी लोगों के साथ आज मिल सकते है। अपनी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित करे । आपका सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग सकता है इसलिए चालाकी से काम ले । आप अपने पुराने निवेश पर ब्याज मिलने से हैरान हो सकते है जिसे आपने लगभग भुला ही दिया था ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है । अगर आप इस काम को सही ढंग से कर पायेंगे तो ये आपको उस मंजिल तक ले जा सकता है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है ताकि अगले दिन आप तरोताजा महसूस करे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशों का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपको अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है । आप हमेशा अपने धन को लेकर उत्तरदायी और जिम्मेदार रहे है पर ये समय अपने आप को थोड़ी खुशिया देने का समय है। आप अपने लिए कुछ उपहार ले सकते है जो की काफी हद तक आपको तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होगा । आप दुसरो का काफी ध्यान रखते है पर आज अपने लिए कुछ समय निकालकर अपने ऊपर कुछ खर्च करे।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
यात्रा के अवसरों के लिए बहुत ही खुले दिल से स्वागत करे । ये धन कमाने का एक बेहतरीन मौका है ! जो लोग अध्यन कर रहे है उन्हें अप्रत्याशित स्रोतों से अद्भुत अवसर मिल सकते है । आप जिस भी स्थिति मैं है , आप ये याद रखे की एकता में बल है इसलिए सामूहिक प्रयास ही संतोषजनक परिणाम ला सकता है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज के दिन आपकी प्रतिभा को आपके उच्च अधिकारी पहचानेगें और आपके कार्य क्षेत्र में आपकी काफी प्रशंसा होगी और साथ ही साथ आपको घर में उपहार भी मिल सकता है जो आपके दिन को प्रज्जवलित करेगा और आप इस के हक़दार भी है । आपने अपने करियर को उठाने के लिए बहुत प्रयास किए है जिससे की आपको अपने कार्य की सराहना मिलेगी।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की भाग्य की भूमिका भी उतनी ही है जितनी आपकी क्षमता।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सोना 801 गिरकर 1.50 लाख पर आया

चांदी की कीमत में 300 की गिरावट, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज यानी 11 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 801 रुपए गिरकर 1,50,277 पर आ गया है। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत 300 रुपए कम होकर 2,55,300 रुपए पर आ गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि सालभर तक घर में कोई भी कार्यक्रम हो, हम सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। क्योंकि ऐसा करने से विदेशी मुद्रा बचेगी। दरअसल, हमें सोना डॉलर में दूसरे देशों से मंगवाना पड़ता है, डॉलर महंगा होने से इस पर खर्च बढ़ जाता है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एज़4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

किस खबर ने उड़ाई इंडिगो की नींद, 195 मिनट में डूब गए 9500 करोड़

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। जहां एक ओर ज्वेलरी स्टॉक्स में बड़ी गिरावट देखने को मिल रही है. वहीं इस गिरावट के शिकंजे से एविएशन और ट्रैवल कंपनियों के स्टॉक्स भी नहीं बच पाएं हैं. देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के शेयरों में कारोबारी सत्र के दौरान 5.50 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है. साथ ही करीब 195 मिनट में कंपनी की वैल्यूएशन को करीब 9500 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है. बीएसई के आंकड़ों को देखें तो इंडिगो, स्पाइसजेट, एग्जिगो, यात्रा ऑनलाइन और दूसरी ट्रैवल कंपनियों के शेयर 7 फीसदी तक गिर गए. इस गिरावट के पीछे दो बड़े कारण माने जा रहे हैं. पहला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से कम से कम एक साल तक गैर-जरूरी विदेश यात्रा से बचने की अपील की है. वहीं दूसरी ओर इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल के दाम में इजाफा देखने को मिला है. जिसकी वजह से ट्रैवल और एविएशन कंपनियों के शेयरों के सेंटीमेंट खराब हो गए हैं.

इंडिगो को चलाने वाली कंपनी इंटरग्लोब एवएशनि के शेयर कारोबारी सत्र के दौरान 5.42 फीसदी गिरकर दिन के सबसे निचले स्तर 4,276.80 रुपए पर पहुंच गए.वहीं दूसरी ओर स्पाइसजेट के शेयर भी बीएसई पर पर 4.36 फीसदी गिरकर दिन के सबसे निचले स्तर 13.38 रुपए पर पहुँच गए.बुकिंग प्लेटफ़ॉर्म एग्जिगो,, यात्रा ऑनलाइन, थॉमस कुक और ईज़ी ट्रिप प्लानर्स के शेयर सोमवार को 7 फीसदी तक तक गिर गए. थॉमस कुक को सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ, जिसके शेयर दिन के सबसे निचले स्तर 91.94 रुपये पर पहुंच गए.

इंडिगो को 9500 करोड़ का नुकसान

अगर बात वैल्यूएशन की करें तो इस मामले में इंडिगो को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है. कंपनी की वैल्यूएशन में करीब 9500 करोड़ रुपए की गिरावट देखने को मिली है. बीएसई के आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार को जब शेयर बाजार बंद हुआ था, तब कंपनी की वैल्यूएशन 1,74,689.73 करोड़ रुपए थी. जो कि दोपकर 12 बजकर 30 मिनट पर कम होकर 1,65,210.08 करोड़ रुपए पर आ गई. इसका मतलब है कि करीब 195 मिनट पर कंपनी की वैल्यूएशन में 9,479.65 करोड़ रुपए कम हो गए.

सावधान! कहीं आपके साथ भी ना हो जाए एलपीजी डिलीवरी स्कैम, तेल कंपनियों ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। सरकारी तेल कंपनियों ने देश में बढ़ रहे एलपीजी डिलीवरी स्कैम को लेकर चेतावनी जारी की है। कंपनियों ने कहा है कि जालसाज गैस डिलीवर करने वाले वेंडर बनकर ओटीपी और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड के जरिए फ्रॉड कर रहे हैं। अगर आपने इन्हें जानकारी दी तो आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम ने सोशल मीडिया पर साइबर धोखाधड़ी के बारे में उपभोक्ताओं को आगह करते हुए कहा कि इस धोखाधड़ी में घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को फर्जी एसएमएस और वॉट्सऐप मैसेज के जरिए निशाना बनाया जा रहा है, जो डिलीवरी नोटिफिकेशन की नकल करते हैं। इस मैसेज में ग्राहकों को वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) या डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) साझा करने के लिए कहा जाता है।

अधिकारी बन करते हैं बात

कई मामलों में कॉल करने वाले जालसाज गैस एजेंसी के अधिकारी बनकर कॉल करते हैं। इस दौरान यह गैस कनेक्शन काटने की बात कहते हैं। इससे बचने के लिए वे केवाईसी अपडेट या आधार लिंक करने का अनुरोध देते हैं और फिर उसे वेरिफाई करने के लिए रजिस्टर मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी की मांग करते हैं।

कंपनी ने ग्राहकों को चेताया

एचपीसीएल ने ग्राहकों को सूचित किया कि आधिकारिक डिलीवरी मैसेज 'वीएम-एचपीजीएएससी-एस' नाम से आएगा, जिसमें चार अंकों का ओटीपी होगा और इसका उपयोग केवल सिलेंडर डिलीवरी के समय किया जाएगा। पोस्ट में कहा गया है कि एचपी गैस के प्रतिनिधि कभी भी फोन कॉल, वॉट्सऐप मैसेज या संदिग्ध लिंक के माध्यम से ओटीपी नहीं मांगेंगे। साथ ही कहा कि अगर संदेश अत्यावश्यक, अपरिचित या आधिकारिक प्रारूप से अलग दिखता है, तो उस पर भरोसा न करें। इसी तरह, इंडियन ऑयल ने ग्राहकों से आग्रह किया कि वे अपना 6 अंकों का डीएसी केवल इंडेन डिलीवरी कर्मियों के दरवाजे पर पहुंचने के बाद ही साझा करें। बीपीसीएल ने उपभोक्ताओं को कहा कि केवल डिलीवरी के समय ओटीपी साझा करना ही उनकी सुरक्षा का एकमात्र नियम है।

आधिकारिक ऐप से बुक करें सिलेंडर

तेल कंपनियों ने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे केवल इंडियनऑयल वन, एचपीपे या हेलो बीपीसीएल जैसे अपने आधिकारिक एप्लिकेशन के माध्यम से ही सिलेंडर बुक करें या विवरण अपडेट करें। सत्यापित वेबसाइटों का भी उपयोग किया जा सकता है, लेकिन उपभोक्ताओं को वॉट्सऐप के माध्यम से व्यक्तिगत मोबाइल नंबरों से आने वाले मैसेज से सावधान रहना चाहिए।

मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार जल्द होगा खत्म?

6 नए चेहरों को मिलेगा मौका

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में भजनलाल सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार जल्द होने की संभावना है। माना जा रहा है कि 6 नए चेहरों को भजनलाल सरकार में मंत्री बनने का मौका मिल सकता है। बता दें कि जून के महीने में भजनलाल सरकार के कार्यकाल को ढाई साल पूरे होने वाले हैं। लेकिन, अभी तक एक बार भी मंत्रिमंडल विस्तार नहीं हुआ है। ऐसे में अब कयास लगाए जा रहे है कि राजस्थान में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार खत्म हो सकता है।

वर्तमान में राजस्थान सरकार में 24 मंत्री हैं। लेकिन, 200 सदस्यों की राजस्थान विधानसभा में अधिकतम 15 प्रतिशत विधायक यानी 30 विधायक मंत्री बन सकते हैं। ऐसे में अभी 6 मंत्री पद रिक्त हैं।

इन रिक्त पदों पर नए मंत्री बनाए जाने की संभावना है। साथ ही वर्तमान मंत्रियों के विभागों में भी फेरबदल किया जा सकता है।

नए चेहरों पर रहेगा पार्टी का फोकस

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और संगठन महामंत्री बीएल संतोष मुलाकात की। इस दौरान सीएम भजनलाल ने पश्चिम बंगाल व असम की जीत पर बधाई दी। साथ ही दोनों नेताओं से राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा की। दोनों नेताओं से अलग-अलग हुई ये मुलाकातें करीब आधे-आधे घंटे तक चली। पार्टी सभी जगह नए चेहरों को आगे बढ़ा रही है। ऐसे में राजस्थान में भी मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान नए चेहरों पर फोकस रहेगा। साथ ही कुछ अनुभवी चेहरों को भी एडजस्ट किया जा सकता है।

आखिर मंत्रिमंडल विस्तार में देरी क्यों?

दरअसल, पिछले साल छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सियासी गलियारों में चर्चा होने लगी थी कि राजस्थान में भी जल्द मंत्रिमंडल विस्तार होगा। लेकिन, आगामी पंचायत और नगर निकाय चुनाव के चलते मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं पर ब्रेक से लग गया था। क्योंकि कयास लगाए जा रहे थे कि अप्रेल तक पंचायत-निकाय चुनाव हो जाएंगे। लेकिन, अब माना जा रहा है कि दिसंबर तक ही राजस्थान में पंचायत-निकाय चुनाव हो पाएंगे। ऐसे में चर्चा है कि चुनाव से पहले राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार हो जाएगा।

एमपी, छत्तीसगढ़ में हो चुका मंत्रिमंडल विस्तार... राजस्थान में इंतजार

बता दें कि नवंबर 2023 में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम, मध्यप्रदेश और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव हुए थे। चुनाव परिणाम के बाद राजस्थान सहित 3 राज्यों में बीजेपी ने सरकार बनाई थी। मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार 8 जुलाई 2024 को हुआ था। छत्तीसगढ़ में भी विष्णु देव साय सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार पिछले साल 20 अगस्त को हो चुका है। लेकिन, राजस्थान में अभी भी मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार है।

सचिन पायलट आज भी बीजेपी के संपर्क में

हनुमान बेनीवाल के बयान ने बढ़ाई सियासी गर्मी

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। सचिन पायलट को लेकर की जा रही बयानबाजी ने प्रदेश का सियासी पारा चढ़ा रखा है। इसी क्रम में अब राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने भी अपनी बात रखी है। हनुमान बेनीवाल ने दावा किया है कि सचिन पायलट का संपर्क आज भी भारतीय जनता पार्टी के साथ बना हुआ है।

बीजेपी प्रभारी के बयान के बाद मची सियासी हलचल

दरअसल, बीते दिनों टोंक में बीजेपी के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल ने सचिन पायलट को लेकर इशारों में बयान दिया था, जिसमें उन्होंने पायलट का एक पैर कांग्रेस में और दूसरा कहीं और रहता है। अग्रवाल के इस बयान को उनके बीजेपी के संपर्क में होने से जोड़कर देखा जा रहा था।

हनुमान बेनीवाल ने भी इस बयान पर चुटकी लेते हुए कहा कि 'पायलट साहब अधरझूल में हैं। यह बात सही है कि वह आज भी बीजेपी नेताओं के संपर्क में हैं। बीजेपी के लोग खुद कहते हैं कि गुर्जर समाज में उनके पास अगर कोई मजबूत नेता है, तो वह सचिन पायलट ही हैं।'

सीएम बनना उनकी किस्मत में नहीं

सचिन पायलट के मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर बेनीवाल ने फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अब यह उनके हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि 'पायलट का मुख्यमंत्री बनना उनकी किस्मत में ही नहीं है। अब मैं कोई उनकी किस्मत थोड़ी लिखूंगा। बेनीवाल ने कहा कि मैंने खुद दो बार (2018 में और फिर सरकार पर आए संकट के दौरान) पायलट को मुख्यमंत्री बनवाने की कोशिश की थी, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए।

पायलट और मेरी स्थिति में अंतर

बेनीवाल ने अपनी राजनीतिक स्थिति की तुलना पायलट से करते हुए कहा कि वे खुद बीजेपी में रहे और फिर अपनी अलग पार्टी बना ली, इसलिए बीजेपी उन्हें अब अपना नहीं मानती। लेकिन पायलट के मामले में स्थिति अलग है; वे आज भी कांग्रेस में रहकर 'सॉफ्ट कॉर्नर' बनाए हुए हैं, जिससे बीजेपी को उनमें भविष्य की संभावनाएं दिखती हैं।

एमजी हॉस्पिटल में आग

साजिश या हादसा? अस्पताल में मचा हड़कंप

बांसवाड़ा, 11 मई (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में आग लगने से अफरातफरी मच गई. जिले के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल में लगी आग ने पलभर में ही विकराल रूप ले लिया. बताया जा रहा है कि आग रिकॉर्ड रूम की छत पर लगी थी. भीषण आग की सूचना के बाद प्रशासन में भी हड़कंप मच गया. घटना के बाद अस्पताल परिसर में कई तरह की चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं. अंदरखाने यह चर्चा है कि अस्पताल में अहम दस्तावेजों और साक्ष्यों को मिटाने के लिए जानबूझकर आग लगाई गई हो सकती है. हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. विभाग पूरे मामले की जांच कर रहा है.

फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम अस्पताल पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. पीएमओ डॉ. राजेश चौधरी ने बताया कि दमकल विभाग की मुस्तैदी से बड़ा हादसा टल गया. उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है.

कैसे लगी आग? पता लगाने में जुटा प्रशासन

गनीमत यह रही कि आग रिकॉर्ड रूम की छत तक ही सीमित रही. अगर आग अंदर तक फैल जाती तो वर्षों पुराने महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर खाक हो सकते थे. इस घटना ने अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक सतर्कता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं. फिलहाल विभाग तकनीकी कारणों सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच

महेश जोशी जेल भेजे गए, करीबी संजय बड़ाया 3 दिन की रिमांड पर

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। जयपुर में चर्चित JJM घोटाला मामले में ACB कोर्ट ने पूर्व मंत्री महेश जोशी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने के आदेश दिए हैं। वहीं मामले के आरोपी दलाल करीब 900 करोड़ रुपए के जल जीवन मिशन घोटाले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने कार्रवाई तेज कर दी है। मामले में पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी के करीबी माने जाने वाले संजय बड़ाया को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया। वह थाईलैंड में एक शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहा था।

सोमवार को महेश जोशी और संजय बड़ाया को एसीबी कोर्ट में पेश किया गया। एसीबी ने महेश जोशी की तीन दिन और संजय बड़ाया की पांच दिन की पुलिस रिमांड मांगी थी। हालांकि कोर्ट ने महेश जोशी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया, जबकि संजय बड़ाया को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया। पेशी के दौरान संजय बड़ाया भावुक नजर आया। कोर्ट में उसकी पत्नी नैना बड़ाया भी मौजूद थीं।

कोर्ट में पेशी के दौरान महेश जोशी ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और "सत्य की जीत होगी।" उन्होंने एसीबी की कार्रवाई को राजनीतिक दबाव में बताया। जोशी ने आरोप लगाया कि बिना पर्याप्त सबूत के एक ही मामले में दोबारा गिरफ्तारी की गई है। उन्होंने संजय बड़ाया के खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर पर भी सवाल उठाए और कहा कि जब वह कोर्ट की अनुमति लेकर विदेश गया था तो उसके खिलाफ एलओसी जारी करना गलत है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, संजय बड़ाया इस कथित घोटाले का अहम किरदार और कथित मास्टरमाइंड माना जा रहा है। आरोप है कि वह दलाल और बिचौलिए की भूमिका में काम करता था। उसके खिलाफ पहले से ही लुकआउट नोटिस जारी था। बताया जा रहा है कि दिल्ली एयरपोर्ट पर उसके पहुंचते ही ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन ने एसीबी को सूचना दी, जिसके बाद देर रात उसे हिरासत में ले लिया गया।

जांच में यह भी सामने आया है कि संजय बड़ाया पूर्व मंत्री महेश जोशी के साथ-साथ रिटायर्ड आईएएस अधिकारी सुबोध अग्रवाल का भी करीबी था। एजेंसियों का दावा है कि वह पैसों के लेन-देन, ट्रांसफर-पोस्टिंग, नए लोगों को जोड़ने और टेंडरों में कथित गड़बड़ियों में सक्रिय भूमिका निभाता था। ईडी की जांच में सामने आया कि बड़ाया 2022 तक एक इंश्योरेंस कंपनी में करीब 7 लाख रुपए सालाना वेतन पर नौकरी करता था, लेकिन जेजेएम घोटाले के दौरान उसने करोड़ों की संपत्ति बनाई। जांच एजेंसियों के मुताबिक उसने 'मैसर्स चमत्कारेश्वर बिल्डर्स एंड डेवलपर' नाम से कंपनी भी बनाई, जिसमें उसकी पत्नी नैना बड़ाया साझेदार थीं। इस कंपनी के जरिए जयपुर में बड़े स्तर पर प्रॉपर्टी कारोबार और कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जेडीए जमीनों पर कब्जे की कोशिशों के आरोप भी सामने आए हैं। इस मामले में एसीबी पहले ही 9 अप्रैल को तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल को गिरफ्तार कर चुकी है, जो फिलहाल जेल में हैं। वहीं, महेश जोशी को 7 मई को गिरफ्तार किया गया था।

सरकारी शिक्षकों का हल्ला बोल

14 मई से प्रदेशव्यापी आंदोलन का एलान

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों ने अपनी लंबित मांगों और सरकार की उदासीनता के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के बैनर तले शिक्षकों ने आगामी 14 मई से चरणबद्ध तरीके से विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है।

शिक्षकों का आरोप है कि सरकार के दो साल से अधिक का कार्यकाल बीत जाने के बाद भी उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शिक्षकों की नाराजगी के पीछे कई बड़े कारण हैं, जिनमें सबसे प्रमुख ग्रेड-III शिक्षकों के तबादलों में देरी और गैर-शैक्षणिक कार्यों का बोझ है। इसके अलावा, हाल ही में छुट्टियों में की गई कटौती को लेकर भी भारी रोष है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश पुष्करणा ने कहा कि शिक्षण दिवस बढ़ाने के नाम पर गर्मी की छुट्टियों में कटौती करना पूरी तरह गलत है। राजस्थान की भीषण गर्मी को देखते हुए यह फैसला भौगोलिक परिस्थितियों के विपरीत है।

कातिल हसीना: पहले प्रेमी के साथ मिलकर दूसरे बॉयफ्रेंड का करवा दिया कत्ल, शव बोरी में भरकर खाई में फेंका

रायसेन, 11 मई (एजेंसियां)। नरसिंहपुर जिले के साईखेड़ा में रहने वाली एक महिला ने फेसबुक पर बने नए प्रेमी को अपने घर बुलाकर पूर्व प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद शव को बोरी में भरकर करीब 200 किमी दूर रायसेन जिले के बाड़ी थाना क्षेत्र में टेडिया पुल के नीचे फेंक दिया गया। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूरे मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी महिला रीना किरार, उसके पूर्व प्रेमी अरुण पटेल और साथी हरनाम किरार को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी रीना किरार को उसका पति छोड़ चुका है। उसका पहले से अरुण पटेल नामक युवक से प्रेम संबंध था और अरुण ही उसके घर का पूरा खर्च उठाता था। इसी बीच फेसबुक के जरिए रीना की दोस्ती भीलवाड़ा (राजस्थान) निवासी वीरू जाट से हो गई। धीरे-धीरे वीरू का रीना के साईखेड़ा स्थित घर आना-जाना शुरू हो गया। यह बात पूर्व प्रेमी अरुण पटेल को नागवार गुजरी। उसने रीना से आपत्ति जताई और वीरू को रास्ते से हटाने का षड्यंत्र रचा।

पूछताछ में रीना ने बताया कि 29 अप्रैल को उसने वीरू जाट को राजस्थान से साईखेड़ा अपने घर मिलने के लिए बुलाया। उस वक्त घर के अंदर अरुण पटेल और उसका साथी हरनाम किरार पहले से मौजूद थे। जैसे ही वीरू घर के अंदर आया, रीना ने अरुण के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से बेसबॉल बैट से उस पर हमला कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से वीरू की मौके पर ही मौत हो गई।

लगातार बदलते रहे ठिकाना

हत्या के बाद आरोपियों ने शव को बोरी में डाला और कार की डिक्की में रखकर साईखेड़ा से रायसेन जिले के बाड़ी ले आए। यहां नागिन मोड़ सिरवारा ब्रिज के पास टेडिया पुल के नीचे शव फेंक दिया ताकि किसी को शक न हो। इसके बाद तीनों आरोपी पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलते रहे। वे बाड़ी से इटारसी, फिर कल्याण-मुंबई, इंदौर और उज्जैन में छिपते रहे।

कोटपूतली-बहरोड़ में रोड पर गैंगवार से खौफ

फायरिंग में युवक को लगी गोली, जयपुर रेफर

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। सड़क पर खुलेआम ट्रैक्टर और जीप को लेकर दो गुटों में हुई लाठी-भाटा जंग में हड़कंप मच गया। यह पूरा मामला कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बानसूर का है। जहां ट्रैक्टर और जीप में सवार होकर आए दो गुट आमने सामने हो गए और फिर एक दूसरे पर हमला बोल दिया। झगड़े में हुई फायरिंग में एक युवक के कंधे में गोली लग गई। जिसे गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया किया गया। सड़क पर तेज रफ्तार से दौड़ते वाहनों से क्षेत्र में दहशत फैल गई।

घटना बीते शनिवार रात की है जहां बहरोड़ थाना क्षेत्र के पहाड़ी का रहने वाला अनिल गुर्जर 3-4 युवकों समेत 3 कैम्पर और जीप में सवार होकर निकले थे। दूसरी तरफ से बालाडाभ बुटेरी से हिमांशु, बलबीर और संदीप ट्रैक्टर और बाइकों पर सवार होकर आए थे। ये दोनों ग्रुप बुटेरी बस स्टैंड के पास आमने-सामने हो गए। पहले ट्रैक्टर से कैम्पर गाड़ी को टक्कर मारी और कैंपर सवार संभलते उससे पहले ही लाठी और पत्थरों से हमला कर दिया। इस दौरान फायरिंग भी हुई।

बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों में बीते लंबे समय से आपसी रंजिश चल रही है। वहीं दोनों पक्षों के खिलाफ पहले से अलग-अलग थाना क्षेत्रों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। अचानक हुए हमले के बीच फायरिंग हुई और पहाड़ी बहरोड़ के रहने वाले अनिल गुर्जर के कंधे में गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत कोटपूतली के बीडीएम अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही बानसूर डीएसपी मेघा गोयल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया।

सलूंबर में चांदी की चूड़ियों के लिए बुजुर्ग महिला की बलि, 'हैवान' पड़ोसी ने गला दबाकर की हत्या

सलूंबर, 11 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के सलूंबर थाना क्षेत्र के बनोड़ा गांव में चार दिन पहले लापता हुई 80 वर्षीय वृद्ध महिला की हत्या और लूट के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने महिला के पड़ोसी हीरालाल पटेल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बनोड़ा गांव निवासी मरती उर्फ अम्रती देवी (80) पत्नी स्वर्गीय रोडाजी पटेल बुधवार शाम अचानक घर से लापता हो गई थीं। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद सलूंबर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई गई।

चार दिनों तक महिला का कोई पता नहीं चलने से गांव में चिंता और आक्रोश का माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर महिला की जल्द तलाश की मांग भी की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक विश्नाराम विश्नोई के निर्देशन में जांच तेज की गई। थानाधिकारी पवन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गांव के संदिग्ध हीरालाल पटेल को डिटेन कर पूछताछ शुरू की।

नाभि ठीक करने के बहाने बाइक पर बैठाकर ले गया आरोपी

शुरुआत में आरोपी पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने हत्या और लूट की वारदात कबूल कर ली। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बुधवार शाम करीब 6 बजे अम्रती देवी घर के बाहर नासका से मंजन कर रही थीं। उसी दौरान वह वहां पहुंचा और किसी की नाभि ठीक करने का बहाना बनाकर उन्हें मोटरसाइकिल पर बैठा लिया। पड़ोसी और परिचित होने के कारण वृद्ध महिला को उस पर कोई शक नहीं हुआ।

आरोपी महिला को नानगा गांव होते हुए बेड़ावल के जंगल क्षेत्र में ले गया। सुनसान इलाके में पुलिया के पास मोटरसाइकिल रोककर उसने वृद्धा का गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने महिला के पैरों में पहने चांदी के कड़े और हाथों में पहने चांदी के डंक (चूड़ियां) निकाल लिए। इसके बाद शव को पुलिया के नीचे फेंककर मौके से फरार हो गया।

आरोपी की निशानदेही पर शनिवार देर रात पुलिस टीम बेड़ावल के जंगल क्षेत्र में पहुंची, जहां पुलिया के नीचे महिला का शव बरामद हुआ। शव से तेज दुर्गंध आ रही थी। पुलिस ने मौके पर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करवाई तथा परिजनों से शव की पहचान करवाई। इसके बाद शव को सलूंबर जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया।

भीषण गर्मी में पावर ट्रांसफार्मर में लगी आग

धमाके से दहला इलाका, कई गांवों की बिजली गुल

उदयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। झुलसा देने वाली गर्मी और आसमान से बरसती आग अब बिजली तंत्र पर भारी पड़ने लगी है। उदयपुर जिले के कुराबड़ रोड स्थित बिछड़ी 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशन (जीएसएस) पर भीषण गर्मी के चलते एक पावर ट्रांसफार्मर तेज धमाके के साथ फट गया।

बता दें कि ब्लास्ट के बाद ट्रांसफार्मर में भीषण आग लग गई। इससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद बिछड़ी सहित आसपास के कई गांवों और बस्तियों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई।

धमाके से दहला इलाका, उठा काला धुआं

प्रत्यक्षदर्शियों और वहां मौजूद कर्मचारियों के अनुसार, दोपहर करीब सवा तीन बजे अचानक एक जोरदार धमाके की आवाज आई। देखते ही देखते ट्रांसफार्मर से ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार उठने लगा। जीएसएस पर तैनात कर्मचारियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और हिंदुस्तान जिंक के फायर स्टेशन को सूचना दी।

सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। निगम के कर्मचारियों और दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शाम सवा चार बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया। मौके पर अजमेर विद्युत वितरण निगम के सहायक अभियंता विजय मेघवाल, जेईएन गीतांजलि और लाइनमैन पुष्कर पटेल सहित अन्य अधिकारी स्थिति का जायजा लेने पहुंचे।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि उदयपुर का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। अत्यधिक गर्मी और ओवरलोडिंग के कारण ट्रांसफार्मर का तेल गर्म होकर उबलने लगा और ब्लास्ट हो गया। इस हादसे के कारण जिंक, बिछड़ी, भल्लों का गुड़ा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और बस्तियों में बिजली सप्लाई बंद हो गई।

बिजली निगम की टीम ने तत्काल प्रभाव से राहत कार्य शुरू कर दिया। पुराने क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर को हटाकर नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, ताकि जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल की जा सके।

अवैध मदिरा पर सख्त कार्रवाई, 2.48 लाख लीटर वॉश नष्ट

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं विक्रय के खिलाफ विशेष निरोधात्मक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त और छापेमारी की प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 1 से 10 मई 2026 तक प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर कार्रवाई करते हुए कुल 959 अभियोग दर्ज किए गए हैं।

अभियान के दौरान अवैध मदिरा पर सख्त कार्रवाई करते हुए देशी मदिरा, भारत निर्मित विदेशी मदिरा, बीयर एवं हथकड़ शराब की बड़ी मात्रा जब्त की गई है। कुल मिलाकर देशी मदिरा 3920 लीटर, भारत निर्मित विदेशी मदिरा 930 लीटर, बीयर 1476 लीटर तथा हथकड़ शराब 6622 लीटर जब्त की गई। जब्त मदिरा की कुल अनुमानित लागत लाखों रुपए बताई जा रही है। इसके साथ ही अवैध शराब निर्माण में उपयोग होने वाला 2 लाख 48 हजार 931 लीटर वॉश नष्ट किया गया, जिससे अवैध गतिविधियों पर बड़ा प्रभाव पड़ा है।

अभियान के दौरान 37 वाहनों को जब्त किया गया है, जिनमें 8 बड़े वाहन, 2 हल्के चार पहिया वाहन तथा 27 दुपहिया वाहन शामिल हैं। साथ ही 310 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई प्रदेश के विभिन्न जिलों में लगातार जारी है।

जिलावार कार्रवाई में श्रीगंगानगर, चित्तौड़गढ़, नागौर, कोटा, बीकानेर सहित अन्य क्षेत्रों में आबकारी निरोधक दलों द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। कई स्थानों पर मोटरसाइकिलों से अवैध शराब परिवहन करते हुए जब्ती की गई तथा अभियोग दर्ज किए गए। भारतमाला एक्सप्रेस वे और अन्य प्रमुख मार्गों पर नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहनों की सघन जांच की जा रही है।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में अवैध मदिरा के खिलाफ जीरो टोलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। अतिरिक्त आबकारी आयुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, निरीक्षक एवं निरोधक दल समन्वित रूप से कार्रवाई कर रहे हैं। विभाग का उद्देश्य अवैध गतिविधियों पर पूर्ण अंकुश लगाना और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना है।

सरकारी स्कूलों को देश में नंबर-1 बनाने का लक्ष्य : ए. रेवंत रेड्डी

शिक्षा क्षेत्र में 1700 करोड़ की विकास योजना की घोषणा

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि आउटर रिंग रोड के भीतर स्थित शैक्षणिक संस्थानों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1700 करोड़ रुपये की योजना शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना ही तेलंगाना समाज की मजबूती की नींव है।

हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में 'प्रजा पालना-प्रगति प्रणाली' के अंतर्गत 'शिक्षा सप्ताह' के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि 1969 और 2009 के तेलंगाना आंदोलनों में विश्वविद्यालयों के छात्रों की भूमिका ऐतिहासिक रही है और उस समय उस्मानिया विश्वविद्यालय तथा काकतीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने आंदोलन को दिशा दी थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और इस विभाग को सीधे मुख्यमंत्री के अधीन रखा गया है। ए. रेवंत रेड्डी ने बताया कि सरकार ने 60 दिनों में 11,000 शिक्षक भर्ती पूरी की है तथा 22,000 शिक्षकों को पदोन्नति दी गई है। इसके अलावा 36,000 शिक्षकों के स्थानांतरण बिना किसी विवाद के संपन्न किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 27,000 सरकारी स्कूलों में 19 लाख छात्र अध्ययन कर रहे हैं, जबकि 12,000 निजी स्कूलों में 38 लाख छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। राज्य में प्रति 17 छात्रों पर एक शिक्षक उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य बजट का 8 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा पर खर्च किया गया है और इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक ले जाने की योजना है। उन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों को मजबूत करने के लिए 100 विधानसभा क्षेत्रों में 100 यंग इंडिया इंटीग्रेटेड स्कूल्स 20 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे हैं।

ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकारी स्कूलों में इस शैक्षणिक वर्ष से नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक शिक्षा व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके साथ ही छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन, दूध और रागी जावा उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोडंगल में पायलट प्रोजेक्ट के तहत स्कूलों में ब्रेकफास्ट योजना भी शुरू की गई है। शिक्षा किट पर 1000 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं और छात्रों को स्कूल खुलने के दिन यूनिफॉर्म और अन्य सामग्री दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा और राज्य स्थापना दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करने की योजना है। उन्होंने यह भी कहा कि 25 शिक्षकों को विदेश भेजा गया है और आगे 500 शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजा जाएगा। ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकारी स्कूलों के छात्र हम भी गर्व से सरकारी स्कूल में पढ़े हैं यह कहने योग्य बनें, यही सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल विकास के केंद्र हैं, अनाथालय नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा प्रणाली को देश में मॉडल बनाना सरकार का लक्ष्य है और आने वाले समय में और भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एसआईआर मैपिंग में 90 प्रतिशत लक्ष्य का दिया निर्देश

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पेशल इंटेंसिव रिविजन कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा के लिए राज्य के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों के साथ सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जल्द घोषित किए जाने वाले एसआईआर कार्यक्रम के लिए मैपिंग प्रक्रिया को तेज किया जाए और इस महीने के अंत तक कम से कम 90 प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित की जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि इस कार्य में रेजिडेंशियल एसोसिएशन और गेटेड कम्युनिटी को शामिल किया जाए तथा सभी सरकारी कर्मचारी अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर स्वेच्छा से मैपिंग कराएं। उन्होंने निर्देश दिया कि ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ सुपरवाइजर और बीएलओ मिलकर गेटेड कम्युनिटी और स्लम क्षेत्रों का दौरा करें तथा स्थानीय प्रतिनिधियों को भी प्रक्रिया में शामिल करें।

मुख्यमंत्री की राज्यपाल से मुलाकात ड्रग्स-विरोधी अभियान पर चर्चा

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात कर राज्य में शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि 12 जून को स्कूलों के पुनः प्रारंभ के अवसर पर विद्यार्थियों को तंबाकू, शराब और ड्रग्स के खिलाफ सामूहिक शपथ दिलाई जाएगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि उसी दिन विद्यार्थियों को स्कूल किट वितरित की जाएंगी और इस कार्यक्रम के लिए राज्यपाल को आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन किटों में यूनिफॉर्म, पाठ्यपुस्तकें, नोटबुक, स्कूल बैग, खेल-कूद के कपड़े और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री शामिल होगी। ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि शिक्षा संस्थानों को नशा-मुक्त और सुरक्षित बनाने के लिए शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग और ईगल के संयुक्त सहयोग से यह अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और संस्थानों के बीच सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है, ताकि स्कूल और कॉलेजों को नशा मुक्त वातावरण बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी पहले ही राज्यपाल के अवलोकन के लिए भेजी जाएगी।

आने वाले समय में भाजपा एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरेगी : राव

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा को सफल बनाने के लिए तेलंगाना की जनता, पार्टी कार्यकर्ताओं और मीडिया का आभार व्यक्त किया है। प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि गैर-चुनावी समय में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का स्वेच्छा से रैली में शामिल होना तेलंगाना में भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है। एन. रामचंदर राव ने कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता पार्टी कार्यकर्ताओं की दिन-रात की मेहनत, नेतृत्व समन्वय और संगठन की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने दावा किया कि देशभर में भाजपा को मिल रहे समर्थन की तरह तेलंगाना में भी राजनीतिक परिवर्तन अपरिहार्य होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि साधु समाज, बंजारा और लम्बाड़ी समुदाय की महिलाएं, डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ, वकील, युवा और महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुए, जिससे यह रैली एक महान उत्सव बन गई। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेलंगाना को नई राजनीतिक दिशा मिलेगी और आने वाले समय में भाजपा एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरेगी।

एआरसी ने स्वदेशी नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स (एआरसीआई), हैदराबाद ने 27वां राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2026 मनाया, जिसमें 100 से अधिक वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, अधिकारियों और छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में 11 मई, 1998 को भारत की तकनीकी उपलब्धियों को याद किया गया, साथ ही स्वदेशी नवाचार और तकनीकी आत्मनिर्भरता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। एआरसीआई के निदेशक डॉ.आर. विजय ने अपने स्वागत भाषण में संस्थान द्वारा अनुवांशिक अनुसंधान और उन्नत सामग्री प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और एनएफटीडीसी के निदेशक डॉ.के. बालासुब्रमण्यम ने स्वदेशी रूप से विकसित संपूर्ण घुटने के प्रोस्थेसिस प्रौद्योगिकी पर मुख्य व्याख्यान दिया। उन्होंने "मेक इन इंडिया" पहल के तहत किफायती स्वास्थ्य सेवा समाधानों में उन्नत सामग्रियों, सटीक विनिर्माण और ट्रांसलेशनल इंजीनियरिंग की भूमिका पर जोर दिया। समारोह के दौरान एआरसीआई ने अपनी नई वेबसाइट भी लॉन्च की।

राज्यपाल ने वन्यजीव संरक्षण को बताया भारत की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण भारतीय संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भविष्य की पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए जैव विविधता का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। वे नेहरू जूलॉजिकल पार्क में विदेश मंत्रालय और तेलंगाना वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) कार्यशाला शेयर्ड स्ट्राइप्स-शेयर्ड फ्यूचर का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि भारत बाघ, तेंदुआ, एशियाई शेर और हिम तेंदुआ जैसी बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण में विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि वन्यजीव संरक्षण केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभ्यता का प्रतीक भी है। शिव प्रताप शुक्ल ने नेहरू जूलॉजिकल पार्क की सराहना करते हुए कहा कि यह देश के प्रमुख और उत्कृष्ट चिड़ियाघरों में से एक है, जो संरक्षण, प्रजनन और जनजागरूकता में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि शेयर्ड स्ट्राइप्स-शेयर्ड फ्यूचर कार्यक्रम प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस जैसी वैश्विक पहल की जा रही है, जिससे देशों के बीच संरक्षण, अनुसंधान और अनुभव साझा करने का मंच मिल रहा है। राज्यपाल ने कहा कि तेलंगाना जैव विविधता से समृद्ध राज्य है, जहां अमराबाद टाइगर रिजर्व और कवल अभयारण्य जैसे क्षेत्र इसकी विशेष पहचान हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हरित विकास और जनभागीदारी को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सभी से अपील की कि वन्यजीवों के भविष्य के लिए आज के निर्णय जिम्मेदारीपूर्ण हों, ताकि प्राकृतिक विरासत सुरक्षित रह सके।

औषधि एक्सप्रेस ने फार्मा लॉजिस्टिक्स में एक बड़ी छलांग लगाई : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र की महत्वाकांक्षी पीएम गति शक्ति पहल के तहत देश की पहली समर्पित फार्मा कार्गो ट्रेन, "औषधि एक्सप्रेस" के शुभारंभ के साथ भारतीय रेलवे ने दवा परिवहन में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि 2 मई को शुरू की गई रेफ्रिजरेटेड ट्रेन सेवा, हैदराबाद से (जिसे व्यापक रूप से भारत की फार्मा राजधानी माना जाता है) घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वितरण के लिए जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट तक दवा उत्पादों का परिवहन करेगी। किशन रेड्डी ने तेलंगाना के लिए पहली नियमित "औषधि एक्सप्रेस" सेवा आवंटित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि उन्नत शीत भंडारण सुविधाओं से लैस यह रेफ्रिजरेटेड ट्रेन हैदराबाद के जीनोम वैली, जीडीमेटला औद्योगिक क्षेत्र, पटनचेरु फार्मा जोन और मुचेरला के फ्यूचर सिटी में स्थित दवा कंपनियों को तापमान के प्रति संवेदनशील दवाओं के सुरक्षित और समय पर परिवहन को सुनिश्चित करके काफी लाभ पहुंचाएगी। मंत्री जी के अनुसार, यह सेवा कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के अंतर्गत सनथनगर स्थित अंतर्देशीय कंटेनर डिपो से संचालित होती है। निर्बाध शीतलन बनाए रखने और दवाओं की गुणवत्ता को संरक्षित करने के लिए पूरी यात्रा के दौरान डीजल से चलने वाले रेफ्रिजरेटर कंटेनरों का उपयोग किया जा रहा है।

किशन रेड्डी ने कहा कि इस पहल से कोल्ड-चेन कनेक्टिविटी मजबूत होती है, परिवहन समय कम होता है और परिचालन लागत घटती है, साथ ही दवा आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार होता है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि ट्रेन वर्तमान में सप्ताह में एक बार चलती है, लेकिन बाजार की मांग और व्यापार की आवश्यकताओं के आधार पर इसकी आवृत्ति को सप्ताह में दो बार करने के प्रयास जारी हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे में सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में ट्रेन संचालन की सुरक्षा को लेकर विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में अतिरिक्त महाप्रबंधक सत्य प्रकाश और सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे, जबकि सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंतकल और नांदेड़ मंडलों के डीआरएम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। संजय कुमार श्रीवास्तव ने अधिकारियों को संरचित और चरणबद्ध निरीक्षण, विशेषकर रात के निरीक्षण बढ़ाने तथा ट्रेन संचालन और रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने लेवल क्रॉसिंग, विद्युत आपूर्ति प्रणाली और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सुरक्षा सुनिश्चित करने को अत्यंत आवश्यक बताया। साथ ही उन्होंने सुरक्षा उपकरणों और रेल फिटिंग्स के नियमित रखरखाव पर भी बल दिया। महाप्रबंधक ने कहा कि सुरक्षा ढांचा केवल तत्काल संचालन जरूरतों को ही नहीं बल्कि यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों की दीर्घकालिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हाइड्रा ने झीलों को अतिक्रमण से बचाने के लिए सीसीटीवी नेटवर्क शुरू किया

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। झीलों के आसपास मिट्टी डालने और अवैध कब्जे को रोकने के लिए, हाइड्रा ने झीलों के चारों ओर सीसीटीवी कैमरे लगाने और उन्हें अपने कार्यालय में स्थित एक केंद्रीय सर्वर से जोड़ने का निर्णय लिया है। यह प्रणाली अधिकारियों को नियंत्रण केंद्र से झीलों के आसपास की गतिविधियों की निरंतर निगरानी करने की अनुमति देती है। सोमवार को, इस पहल के तहत, हाइड्रा ने एक सीसीटीवी निगरानी प्रणाली शुरू की, जिसका उद्घाटन आयुक्त एवी रंगनाथ ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए रंगनाथ ने कहा कि झील संरक्षण दल मिट्टी के ढेर लगाने और अतिक्रमण को रोकने के लिए झीलों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सीसीटीवी निगरानी नेटवर्क के जुड़ने से, हाइड्रा की झील क्षेत्रों में निर्माण मलबे के अवैध ढेर, मिट्टी भरने की गतिविधियों और अतिक्रमणों की पहचान करने की क्षमता में वृद्धि हुई है। रंगनाथ ने बताया कि हाइड्रा नियंत्रण कक्ष के अधिकारी समर्पित स्क्रीन के माध्यम से लाइव फीड की लगातार निगरानी करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि मिट्टी डालने वाले वाहनों की पहचान होती है, तो अधिकारी तुरंत वाहन का विवरण ट्रैक कर सकते हैं और पास में तैनात झील संरक्षण टीमों को सतर्क कर सकते हैं। आयुक्त ने कहा कि झीलों के आसपास स्थापित सीसीटीवी कैमरों के फीड को बंजारा हिल्स स्थित एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर के मॉनिटरों के साथ एकीकृत कर दिया गया है, जिससे निगरानी तंत्र और मजबूत हुआ है। सीसीटीवी निगरानी प्रणाली के उद्घाटन के दौरान हाइड्रा के अतिरिक्त निदेशक वर्ला पापाया और अतिरिक्त आयुक्त आर. सुदर्शन भी उपस्थित थे।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-नीलामी निविदा सं. वाय/सी. ई-नीलामी/एचवायबी/2026-27 दि.11-05-2026

PUB/218

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा हैदराबाद डिवीजन पर पार्किंग तथा वाणिज्यिक संविदा प्रदान करने हेतु आईआरईपीएस वेबसाइट:www.ireps.gov.in संबध्द ई-नीलामी लीजिंग मोड्यूल माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित है। ई-नीलामी अनुसूची निम्न प्रकार है।

क्रम सं.	श्रेणी:	सूची संख्या	कार्य विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी शुरु समय	नीलामी बंद समय
01	पार्सल्स,	एचवायबी-पार्सल्स-एसएलआर	एसएलआर कोचेस 17605-एसएलआर-एफ1-केसीजी-बीजीकेटी-26-7 में पार्सल स्पेस या जगह की लीजिंग (पार्सल-एसएलआर)	22.05.26	10:00	10:30
02	पार्सल्स	एचवायबी-पार्सल्स-एसएलआर	एसएलआर कोचेस 17023-एसएलआर-एफ1-केसीजी-केआरएनटी-26-3 में पार्सल स्पेस की लीजिंग (पार्सल-एसएलआर)	22.05.26	10:10	10:40
03	पार्सल्स	एचवायबी-पार्सल्स-एसएलआर	एसएलआर कोचेस 12794-एसएलआर-एफ1-एनजेडबी-टीपीटीवाय-26-2 में पार्सल स्पेस की लीजिंग (पार्सल-एसएलआर)	22.05.26	10:20	10:50
04	पार्सल्स	एचवायबी-पार्सल्स-एसएलआर	एसएलआर कोचेस 17652-एसएलआर-एफ1-केसीजी-सीजीएल-26-3 में पार्सल स्पेस की लीजिंग (पार्सल-एसएलआर)	22.05.26	10:30	11:00
05	पार्सल्स	एचवायबी-पार्सल्स-एसएलआर	एसएलआर कोचेस 17653- एसएलआर-एफ1-केसीजी-पीडीवाय-26-3 में पार्सल स्पेस की लीजिंग (पार्सल-एसएलआर)	22.05.26	10:40	11:10
06	पार्किंग	एचवायबी-पार्किंग-046	02 स्थानों जैसे श्रीरामनगर व उमदानगर रेलवे स्टेशनों पर पार्किंग लॉट्स।	23.05.26	15:00	15:40
07	एनएफआर	एचवायबी-एनएफआर-051	काचीगुडा रेलवे स्टेशन के परिसंचरण क्षेत्र में प्रमोशनल कियोस्क ।	23.05.26	11:00	11:30

A259 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

अंतरराज्यीय गांजा तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, 400 किलोग्राम प्रतिबंधित माल जब्त

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक बड़े मादक पदार्थ विरोधी अभियान में, कुकटपल्ली जोन की विशेष अभियान टीम (एसओटी) के जवानों ने पाटनचेरु पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराज्यीय गांजा तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया और पाटनचेरु पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत मुथांगी के पास लगभग 2 करोड़ रुपये मूल्य का 400 किलोग्राम सूखा गांजा जब्त किया। पुलिस ने ओडिशा से महाराष्ट्र तक हैदराबाद के रास्ते प्रतिबंधित सामान की तस्करी में शामिल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये तस्करी आइशर डीसीएम वाहन और एक एस्कॉर्ट एर्टिगा कार के जरिए की जा रही थी। दो मुख्य आरोपी (महाराष्ट्र का एक रिसीवर और ओडिशा का एक सप्लायर) फरार हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने ओडिशा के मलकाजगिरी से गांजा लाने के लिए डीसीएम वाहन में खाली सब्जी के प्लास्टिक ट्रे के नीचे पैकेट छिपाए थे। विशिष्ट सूचना के आधार पर, एसओटी और पठानचेरुवु पुलिस ने सोमवार सुबह ओआरआर पर वाहनों को रोका और 400 किलोग्राम सूखा गांजा, एक डीसीएम वाहन, एक एर्टिगा कार और छह मोबाइल फोन जब्त किए। गिरफ्तार आरोपी महाराष्ट्र के सोलापुर और आसपास के इलाकों के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि अवैध नशीले पदार्थों के व्यापार में भारी मुनाफे के कारण यह गिरोह कई राज्यों में सक्रिय था। यह अभियान साइबरबाद के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, जिनमें डीसीपी एसओटी पी. शोबन कुमार और अतिरिक्त डीसीपी ए. विश्व प्रसाद शामिल थे, की देखरेख में चलाया गया। साइबरबाद पुलिस आयुक्त ने आरोपियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार करने के लिए टीमों की सराहना की। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे ड्रग तस्करी से संबंधित जानकारी डायल 100 या साइबराबाद एनडीपीएस प्रवर्तन सेल की हेल्पलाइन के माध्यम से साझा करें और सूचना देने वालों की गोपनीयता का आश्वासन दिया है।

तेलंगाना सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है : उप-मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार न्यूनतम मजदूरी में वैज्ञानिक और व्यावहारिक संशोधन लागू करके विभिन्न क्षेत्रों के श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। सोमवार को महात्मा ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में न्यूनतम वेतन संशोधन पर कैबिनेट उप-समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अन्य प्रमुख राज्यों में अपनाई गई वेतन नीतियों का अध्ययन कर रही है और प्रस्तावित राष्ट्रीय श्रम संहिता के संभावित प्रभाव की जांच कर रही है। बैठक में मंत्री गड्डम विवेक वेंकटस्वामी, पोन्नम प्रभाकर और दुदिला श्रीधर बाबू के साथ-साथ राज्यसभा सदस्य वेम नरेंद्र रेड्डी और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि वेतन संशोधन केवल संख्यात्मक वृद्धि के बजाय वास्तविक जीवन यापन लागत और मुद्रास्फीति को प्रतिबिंबित करना चाहिए। समिति ने तेलंगाना भर में संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों में लाखों कर्मचारियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से श्रमिक-हितैषी वेतन नीतियां बनाने का संकल्प लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'दुनिया की कोई ...

हमारे वैज्ञानिकों ने दुनिया के सामने देश की ताकत और काबिलियत का प्रदर्शन किया, इससे पूरी दुनिया में हलचल मच गई। उन्होंने बताया कि दुनिया की बड़ी ताकतों ने हमारी परमाणु ताकत को बहुत गंभीरता से लिया और हम पर कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध और रोक लगा दीं। पीएम मोदी ने कहा कि कोई भी इंसान इससे घबरा जाता, खासकर तब जब दुनिया की बड़ी ताकतें आपके खिलाफ एकजुट हो जाएं, लेकिन हम अलग मिट्टी के बने हैं। 11 मई के बाद दुनिया की ताकतों ने अपनी निगरानी और बढ़ा दी, लेकिन हमारे वैज्ञानिकों ने अपना काम पूरा कर लिया था। फिर 13 मई को दो और परमाणु परीक्षण किए गए। उस दिन, दुनिया को भारत के राजनीतिक नेतृत्व की 'अटल' इच्छाशक्ति के बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि देश पर भारी दबाव था, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने यह साबित कर दिया कि हमारे लिए राष्ट्रीय हित सबसे ऊपर हैं और दुनिया की कोई भी ताकत हमें झुकने पर मजबूर नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री ने परमाणु मिशन को 'ऑपरेशन शक्ति' नाम दिए जाने के बारे में भी विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि यह नाम इस बात का प्रतीक है कि तमाम मुश्किलों के बावजूद भारत का खुद पर भरोसा और उसकी रणनीतिक स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। खास बात यह है कि 18 मई, 1974 को हुए पोखरण-I परीक्षणों और उसके बाद 11 और 13 मई, 1998 को हुए पोखरण-II परीक्षणों ने भारत को परमाणु-सशस्त्र देशों के चुनिंदा समूह में शामिल कर दिया। साथ ही ये परीक्षण देश की रणनीतिक और भू-राजनीतिक स्थिति में एक निर्णायक मोड़ भी साबित हुए।

'पेट्रोल-डीजल का ...

हालांकि भारत सरकार ने समय रहते कई प्रभावी कदम उठाए हैं ताकि आम लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि देश में कच्चे तेल का भंडार पर्याप्त मात्रा में मौजूद है और सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं। देश के किसी भी पेट्रोल पंप पर ईंधन खत्म होने की स्थिति नहीं है और एलपीजी एजेंसियों पर भी सप्लाई सामान्य बनी हुई है।

एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई को लेकर क्या जानकारी दी गई :

मंत्रालय ने बताया कि घरेलू रसोई गैस की सप्लाई लगातार जारी है और पर्याप्त मात्रा में एलपीजी उपलब्ध है। पिछले तीन दिनों में 1 करोड़ 14 लाख बुकिंग के मुकाबले 1 करोड़ 26 लाख एलपीजी सिलेंडर घरों तक पहुंचाए गए हैं। वहीं कमर्शियल एलपीजी की बिक्री भी पिछले तीन दिनों में 17 हजार टन से अधिक रही है। सरकार ने कहा कि ऑटो एलपीजी की बिक्री भी 762 टन से ज्यादा दर्ज की गई है। इससे साफ है कि सप्लाई व्यवस्था सामान्य तरीके से काम कर रही है और किसी तरह की घबराहट की जरूरत नहीं है।

सरकार की चिंता आखिर किस बात को लेकर है :

सरकार का कहना है कि वैश्विक हालात के कारण कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। ऐसे में भारत जैसे बड़े आयातक देश के लिए ऊर्जा बचत बेहद जरूरी हो जाती है। मंत्रालय ने कहा कि अगर लोग निजी वाहनों का कम इस्तेमाल करेंगे और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देंगे तो इससे विदेशी मुद्रा पर दबाव कम होगा। साथ ही इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी राहत मिलेगी। सरकार का मानना है कि ऊर्जा संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर नागरिक की भागीदारी से ही संभव है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने भरोसा दिलाया कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। सरकार हालात पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कदम भी उठाए जाएंगे। मंत्रालय ने कहा कि आम लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार का पूरा प्रयास है कि अंतर्राष्ट्रीय संकट का असर देश के आम उपभोक्ताओं पर कम से कम पड़े और जरूरी सेवाएं बिना रुकावट जारी रहें।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल : बेंगलुरु जीत से टॉप पर आई

मुंबई प्लेऑफ से बाहर

IPL 2026
पॉइंट्स टेबल

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	NR	अंक	NRR
1	RCB	11	7	4	0	14	1.103
2	SRH	11	7	4	0	14	0.737
3	GT	11	7	4	0	14	0.228
4	PBKS	10	6	3	1	13	0.571
5	CSK	11	6	5	0	12	0.151
6	RR	11	6	5	0	12	0.082
7	KKR	10	4	5	1	9	-0.169
8	DC	11	4	7	0	8	-1.154
9	MI	11	3	8	0	6	-0.585
10	LSG	11	3	8	0	6	-0.907

रायपुर, 11 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल के मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। उसने मुंबई इंडियंस पर 2 विकेट की रोमांचक जीत दर्ज की। इस हार के बाद मुंबई प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई है।

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में आखिरी बॉल तक चले मैच का टॉस बेंगलुरु ने जीता था। मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन बनाए। 167 रन का टारगेट बेंगलुरु ने 8 विकेट पर हासिल कर लिया।

2 हार के बाद जीता बेंगलुरु, मुंबई की 8वीं हार

बेंगलुरु को लगातार दो हार झेलने के बाद जीत मिली है। जबकि, मुंबई की टीम सीजन में 8वां मैच हारी है।

बेंगलुरु ने अब तक 11 मैच खेल लिए हैं। इनमें से टीम को 7 में जीत मिली है, जबकि उसने 4 मैच गंवाए हैं। फिलहाल, बेंगलुरु की टीम 14 अंक लेकर पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर है। इतने ही अंक हैदराबाद और गुजरात के पास भी हैं, लेकिन बेंगलुरु का नेट रन रेट उनसे बेहतर है।

मुंबई पिछले दो मैच सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में खेली। टीम 11 में से 8 मैच हार चुकी है और 6 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल के 9वें स्थान पर है। इंडियंस की टीम अपने बचे हुए मैच जीतकर 12 तक ही पहुंच सकती है, जोकि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं हैं। ऐसे में मुंबई ज्यादा से ज्यादा मैच जीतकर फाइनल टेबल में बेहतर रैंक हासिल करना चाहेगी।

राहुल के पास पहुंच सकती है ऑरेंज कैप

आईपीएल के 19वें सीजन में हैदराबाद के हेनरिक क्लासन टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 494 रन बनाए हैं। उनकी टीम के ही अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जबकि, दिल्ली के केएल 468 रन के साथ तीसरे नंबर पर हैं। वे 26वां रन बनाते ही नंबर-1 पर पहुंच जाएंगे।

भुवनेश्वर 21 विकेट के साथ टॉप बरकरार

बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार टूर्नामेंट के टॉप विकेट टेकर बने हुए हैं। उनके नाम 21 विकेट हैं। दूसरे नंबर पर चेन्नई के अंशुल कम्बोज और तीसरे पर गुजरात के कगिसो रबाडा हैं।

कोहली लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट

भुवनेश्वर ने तीसरे ओवर में लगातार दो विकेट लिए

रायपुर, 11 मई (एजेंसियां)। बेंगलुरु ने मुंबई को 2 विकेट से हरा दिया। इस मुकाबले में विराट कोहली लगातार दूसरे मैच में बिना खाता खोले आउट हुए। जबकि तिलक वर्मा ने बाउंड्री लाइन पर क्रुणाल पंड्या का शानदार रिले कैच पकड़ा। वे खुद फिफ्टी के बाद स्कूप खेलने की कोशिश में विकेट गंवा बैठे।

भुवनेश्वर ने तीसरे ओवर में लगातार दो विकेट लिए

मुंबई के तीसरे ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने दो विकेट लिए। पांचवीं बॉल पर उन्होंने नकल बॉल पर रोहित शर्मा को विकेटकीपर जितेश शर्मा के हाथों कैच कराया। अगली गेंद पर सूर्यकुमार यादव को स्लिप में खड़े विराट कोहली ने लो कैच पकड़कर पवेलियन भेज दिया।

तिलक का कैच छूटा, मुंबई के टॉप स्कोरर रहे

छठे ओवर में तिलक वर्मा को जीवनदान मिला। रसिख सलाम की स्लोअर गेंद पर तिलक का टॉप एज मिडविकेट की ओर गया, लेकिन सुयश शर्मा आसान कैच नहीं पकड़ सके। गेंद उनके हाथों से निकल गई। तिलक उस समय 11 रन पर खेल रहे थे। बाद में उन्होंने 57 रन की पारी खेली और मुंबई के टॉप स्कोरर रहे।

स्कूप शॉट खेलने की कोशिश में तिलक आउट

18वें ओवर की आखिरी बॉल पर भुवनेश्वर कुमार ने तिलक वर्मा को बोल्ड किया। तिलक स्कूप शॉट खेलने के लिए ऑफ स्टंप के बाहर गए, लेकिन गेंद बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर सीधे लेग स्टंप से टकराई। तिलक ने 42 गेंदों में 57 रन बनाए। दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया।

कोहली लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट

167 रन चेज कर रही बेंगलुरु ने चौके से शुरुआत की। बेथेल ने दीपक चाहर की पहली दो गेंदों पर चौके लगाए। फिर चाहर ने चौथी बॉल पर विराट कोहली को राज बावा के हाथों कैच कराया। विराट खाता नहीं खोल सके। वे लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट हुए। आईपीएल में यह उनका 8वां जीरो था।

क्रुणाल को जीवनदान, कैच ड्रॉप हुआ

18वें ओवर की दूसरी बॉल पर क्रुणाल पंड्या को जीवनदान मिला। मुंबई ने मिडविकेट बाउंड्री पर आसान कैच छोड़ दिया। क्रुणाल ने स्लॉग स्वीप खेला। गेंद टॉप एज लेकर हवा में चली गई। नमन धीर और तिलक वर्मा कैच के लिए दौड़े। नमन ने कैच पकड़ा, लेकिन उनका संतुलन बिगड़ गया। उन्होंने गेंद तिलक की ओर उछाल दी, लेकिन तिलक उसे पकड़ नहीं सके।

तिलक ने क्रुणाल का रिले कैच पकड़ा

क्रुणाल पंड्या का बाउंड्री लाइन पर तिलक वर्मा ने शानदार रिले कैच पकड़ा। लॉन्ग-ऑन पर दौड़ते हुए तिलक ने पहले कैच पकड़ा, फिर संतुलन बिगड़ता देख गेंद हवा में उछाली और बाउंड्री के बाहर जाने से पहले वापस आकर कैच पूरा किया। क्रुणाल 73 रन की पारी खेलकर आउट हुए।

कोच एंडी फ्लावर पर मैच फीस का 15% जुर्माना

अंपायर से बहस और गलत शब्दों का इस्तेमाल किया

मुंबई के खिलाफ मैच की घटना

रायपुर, 11 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हेड कोच एंडी फ्लावर पर बीसीसीआई ने सख्त कार्रवाई की है। मैच के दौरान अंपायर से आक्रामक व्यवहार और अपशब्दों के इस्तेमाल पर उन पर मैच फीस का 15% जुर्माना लगाया गया है। रायपुर में आरसीबी बनाम एमआई मैच के दौरान हुई। 18वें ओवर में एंडी फ्लावर चौथे अंपायर से किसी फैसले को लेकर तीखी बहस करते नजर आए। आईपीएल की गवर्निंग बॉडी ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए लेवल-1 का अपराध घोषित किया है।

अंपायर से उलझे एंडी, माइक में कैद हुए अपशब्द

मैच के रोमांचक मोड़ पर एंडी फ्लावर डगआउट के पास मौजूद चौथे अंपायर से आक्रामक तरीके से बात करने लगे। आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के अनुच्छेद 2.3 के तहत मैच के दौरान 'ऑडिबल ऑब्सेनिटी' (सुनाई देने वाले अपशब्द) का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। एंडी फ्लावर के शब्द ब्रॉडकास्टिंग माइक में सुनाई दिए, जिसके बाद मैच रेफरी अमित शर्मा ने उन पर पेनल्टी लगाई। एंडी फ्लावर ने गलती मानकर सजा स्वीकार कर ली है।

क्या कहता है आईपीएल का आर्टिकल 2.3

आईपीएल के नियमों के मुताबिक, आर्टिकल 2.3 उन खिलाड़ियों या अधिकारियों पर लागू होता है जो मैच के दौरान अभद्र या अश्लील भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

चूंकि एंडी फ्लावर ने गलती स्वीकार कर ली है, इसलिए मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईपीएल में कोच और सपोर्ट स्टाफ पर जुर्माना लगना दुर्लभ माना जाता है, लेकिन अंपायर के सम्मान को लेकर बोर्ड इस बार गंभीर नजर आ रहा है।

आईपीएल 2026 में अनुशासन को लेकर बीसीसीआई का रुख कड़ा रहा है। एंडी फ्लावर से पहले कई कप्तान और खिलाड़ी अपनी मैच फीस का बड़ा हिस्सा जुर्माने में गंवा चुके हैं।

टिम डेविड पर मंडराया आईपीएल 2026 में बैन का खतरा?

बीच मैदान किया अश्लील इशारा

खेल डेस्क, 11 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच मैच बेहद रोमांचक साबित हुआ. मुकाबला आखिरी गेंद तक गया और भुवनेश्वर कुमार ने आरसीबी को शानदार जीत दिलाई. मैच के दौरान कुछ हैरान करने वाले पल देखने को मिले. आरसीबी के हेड कोच एंडी फ्लावर अंपायर से बहस करते हुए दिखाई दिए थे, जिसकी वजह से उन पर भारी जुर्माना लगाया गया था. अब RCB के एक और सदस्य की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं. एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें टिम डेविड आपत्तिजनक इशारा करते हुए नजर आ रहे हैं.

आरसीबी और एमआई के बीच मैच काफी रोमांचक रहा और अंतिम ओवरों में दोनों टीमों के डगआउट में तनाव बढ़ गया था. मैच के दौरान का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें टिम डेविड सेलिब्रेट करते हुए दोनों हाथों से मिडिल फिंगर दिखा रहे थे. डेविड के चेहरे पर गुस्सा साफ तौर पर नजर आ रहा था. सोशल मीडिया पर फैंस डेविड के इस अश्लील इशारे की जमकर आलोचना कर रहे हैं. हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि डेविड ने यह इशारा मैच के दौरान कब किया था.

आईपीएल मैच के दौरान मिडिल फिंगर दिखाने पर खिलाड़ी पर कुछ मैचों का बैन लग सकता है. आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.6 के तहत किसी भी तरह का अभद्र, अश्लील या आपत्तिजनक इशारों का उपयोग प्रतिबंधित है. अगर कोई खिलाड़ी अनजाने में या जोश में ऐसी प्रतिक्रिया देता है, तो इसे लेवल 1 का अपराध माना जाता है और खिलाड़ी पर मैच फीस का 50% फाइन लगता है और डिमेरिट पॉइंट भी जुड़ते हैं.

यह डिमेरिट पॉइंट तीन साल तक रहते हैं और अगर इसी बीच खिलाड़ी के 4-5 डिमेरिट पॉइंट हो जाते हैं, तो फिर उस पर एक मैच का बैन लग सकता है. अगर खिलाड़ी द्वारा यह इशारा अंपायर, मैच रेफरी या फैंस की ओर किया जाता है, तो इसे लेवल 2 या लेवल 3 का अपराध माना जाता है, जिसके चलते खिलाड़ी पर मैचों से बैन लग सकता है. टिम डेविड के इशारे के बाद अब जरूर मैच रेफरी और अधिकारी मामले की जांच करेंगे और डेविड दोषी पाए गए, तो उन पर जुर्माना या एक मैच का बैन भी लग सकता है.

सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट 2026: दीपक पूनिया फाइनल में

गोंडा (यूपी), 11 मई (एजेंसियां)। दीपक पूनिया ने सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 92 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। उत्तर प्रदेश के गोंडा स्थित नंदिनीनगर में आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर के पहलवान हिस्सा ले रहे हैं। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में कुल 593 पहलवान 10 अलग-अलग भार वर्गों में अपनी राष्ट्रीय रैंकिंग मजबूत करने के लिए मुकाबला कर रहे हैं।

दीपक पूनिया का दमदार प्रदर्शन

92 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में हरियाणा के दीपक पूनिया ने अपने ही राज्य के पहलवान राजा को एकतरफा अंदाज में 11-1 से हराया। दीपक ने यह मुकाबला महज 2 मिनट 53 सेकंड में अपने नाम किया।तकनीकी रूप से अनुशासित प्रदर्शन करते हुए दीपक ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय दिखाई है। अब फाइनल मुकाबले में उनका सामना हरियाणा के पहलवान वंश से होगा।

125 किलोग्राम वर्ग में रोहित की जीत

125 किलोग्राम हैवीवेट वर्ग में हरियाणा के पहलवान रोहित ने मुकाबला जीतकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। मैच नंबर 179 में रोहित का सामना अनिरुद्ध से हुआ, जहां दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। अनिरुद्ध ने मजबूत डिफेंस दिखाया, लेकिन रोहित ने निर्णायक अंक हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ अनिरुद्ध टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने क्या कहा?

संजय सिंह ने टूर्नामेंट को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि देशभर से बड़ी संख्या में पहलवानों का नंदिनीनगर पहुंचना भारतीय कुश्ती के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता खिलाड़ियों को अपनी-अपनी वेट कैटेगरी में देश के शीर्ष पहलवानों के खिलाफ खुद को साबित करने और बेहतर राष्ट्रीय रैंकिंग हासिल करने का अवसर देती है। संजय सिंह के मुताबिक, इस तरह की बॉटम-अप व्यवस्था भारतीय कुश्ती को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत बनाएगी।

नीरू-विवान ने ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीता, शॉटगन विश्वकप में अभियान समाप्त

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। नीरू ढांडा और विवान कपूर ने ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। भारत ने कजाखस्तान के अल्माटी में आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में सकारात्मक तरीके से अपना अभियान समाप्त किया। यह पदक नीरू और विवान के लिए ओलंपिक स्पर्धा में आईएसएसएफ विश्व कप का पहला पोडियम स्थान था और पिछले साल ओलंपिक कार्यक्रम में मिश्रित टीम ट्रैप स्पर्धाको शामिल किए जाने के बाद से भारत का दूसरा पदक था।

नीरू और विवान ने फाइनल में पहले 30 में से 24 निशाने लगाए। इटली की शीर्ष जोड़ी सिल्वाना स्टांको और मौरो डी फिलिपिस के बराबर स्कोर करने के बावजूद उन्हें रजत पदक से चूकना पड़ा क्योंकि वे क्वालिफिकेशन में इतालवी जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। चीनी ताइपे के कुन-पी यांग और वान-यू लियू ने फाइनल में 36 के विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना दूसरा विश्व कप स्वर्ण पदक जीता।

विवान और नीरू ने क्वालिफिकेशन में 143 का स्कोर किया था जो पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिल्वाना और इस स्पर्धा के पूर्व विश्व चैंपियन मौरो के स्कोर से सिर्फ दो अंक कम था। अहवर रिजवी और प्रगति दुबे की दूसरी मिश्रित जोड़ी प्रतियोगिता में 23वें स्थान पर रही।

बार्सिलोना ने 29वां ला लीगा खिताब जीता

रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया; मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए

खेल डेस्क, 11 मई (एजेंसियां)। बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग 'ला लीगा' का खिताब फिर जीत लिया। एल क्लासिको में टीम ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने सीजन के तीन मैच बाकी रहते अपनी 29वीं ला लीगा ट्रॉफी पक्की कर ली। मैच में मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए।

जीत के बाद बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच अंकों का अंतर 14 हो गया, जिसे पार करना रियल मैड्रिड के लिए नामुमकिन है। यह मुकाबला बार्सिलोना के घरेलू मैदान कैंप नाउ पर खेला गया।

भावुक हुए खिलाड़ीः हेड कोच के पिता को समर्पित की जीत

मैच के दौरान बार्सिलोना के खिलाड़ियों ने भावुक संदेश दिया। गोल करने के बाद मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस हेड कोच हंसी फ्लिक के पास गए और उन्हें गले लगाया। कोच फ्लिक के पिता का पिछले वीकेंड निधन हुआ था। खिलाड़ियों ने जीत और गोल को कोच और उनके परिवार को समर्पित किया।

रशफोर्ड का जादूः फ्री-किक से शुरुआत, भविष्य पर सस्पेंस

मैच की शुरुआत में मैनचेस्टर यूनाइटेड से लोन पर आए मार्कस रशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक से बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन का उनका 14वां गोल था।

हालांकि, बार्सिलोना उन्हें 28 मिलियन पाउंड (करीब 300 करोड़) में परमानेंट खरीदेगा या नहीं, इस पर सस्पेंस बना हुआ है। मैच के बाद रशफोर्ड ने कहा,'मैं कोई जादूगर नहीं हूं, लेकिन अगर होता तो बार्सिलोना में ही रुक जाता। देखते हैं भविष्य में क्या होता है।'

होम ग्राउंड पर अजेय रही बार्सिलोना, 18 में 18 मैच जीते

इस सीजन में बार्सिलोना ने घरेलू मैदान 'कैम्प नोऊ' में खेले सभी 18 मुकाबले जीते हैं। टीम पिछले 11 मैचों से अजेय है और लीग के सभी 35 मैचों में गोल करने का रिकॉर्ड भी बनाया है।

बार्सिलोना अब सबसे ज्यादा 36 ला लीगा खिताब जीतने वाली रियल मैड्रिड से 7 खिताब पीछे है।

रियल मैड्रिड की मुश्किल बढ़ीः ड्रेसिंग रूम विवाद और खराब फॉर्म

दूसरी ओर, रियल मैड्रिड के लिए यह हार दर्दनाक रही। कोच अल्वारो अर्बेलोआ के मार्गदर्शन में टीम संघर्ष करती नजर आई। टीम के अंदरूनी हालात भी ठीक नहीं हैं।

मैच से कुछ दिन पहले ऑरेलियन टचौमेनी और फेडेरिको वाल्वरडे के बीच बहस हुई थी। इसमें वाल्वरडे को चोट लगी और वे मैच नहीं खेल पाए। पूरे 90 मिनट में रियल मैड्रिड केवल एक शॉट टारगेट पर मार सकी।

उम्र महज एक नंबर: रग्बी में इतिहास रचने वालीं 51 साल की मनजिंदर बनीं ब्रिटेन की पहली सिख सूमो रेसलर

चंडीगढ़, 11 मई (एजेंसियां)। जहां लोग 30 की उम्र में रिटायरमेंट का मन बनाने लगते हैं, वहीं पंजाब की बेटी मनजिंदर नागरा ने साबित कर दिया है कि हौसले की एक्सपायरी डेट नहीं होती। 1990 के दशक में ब्रिटेन की पहली सिख महिला रग्बी खिलाड़ी बनकर इतिहास रचने वाली 51 वर्षीय मनजिंदर अब एक नया अध्याय लिखने जा रही हैं। तीन बच्चों की मां मनजिंदर अब सूमो रेसलिंग के रिंग में दुनिया को अपनी ताकत दिखाएंगी। मनजिंदर ने रग्बी तब शुरू की थी, जब एशियाई मूल की महिलाओं के लिए यह खेल बिल्कुल अनजाना था।

यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ में पढ़ाई के दौरान उन्होंने रग्बी को चुना और जल्द ही इंग्लैंड स्टूडेंट्स टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। वे मैदान पर अकेली एशियाई खिलाड़ी थीं। मनजिंदर का यह सफर सिर्फ खेल बदलने की कहानी नहीं है।

सिख गेम्स में एंबेसडर के तौर पर काम करते हुए उनकी मुलाकात सूमो चैंपियन मंदीप सिंह से हुई। उनकी मोटिवेशन पर मनजिंदर ने मार्च 2026 में सूमो इवेंट में कदम रखा। अप्रैल 2026 में उन्होंने अपनी एज कैटेगरी में नेशनल टाइटल जीता। अब जून में स्कॉटलैंड में होने वाली यूरोपियन सूमो रेसलिंग में वे इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करेंगीं।

चुनौतियों पर भारी जीत

मनजिंदर कहती हैं- दक्षिण एशियाई लड़कियों के लिए ड्रेस कोड और पारिवारिक दबाव जैसी कई बाधाएं हैं। अगर हम कोशिश नहीं करेंगे, तो कभी पता नहीं चलेगा कि हम क्या कर सकते हैं।

बेटियों के लिए खोला रास्ताः 6 से 80 खिलाड़ियों तक का सफर

मनजिंदर ने लॉ में करियर बनाया और अन्य लड़कियों के लिए भी रास्ता खोला, ताकि वे सपने पूरे कर सकें।

- 2016 में शुरुआत में उन्होंने 'होव रग्बी क्लब' में लड़कियों के सेक्शन की शुरुआत की।
- 6 लड़कियों से शुरू हुआ यह सफर 80 से ज्यादा विमन प्लेयर्स तक पहुंच चुका है।
- वे हंगलटन एंड नॉल प्रोजेक्ट के तहत महिलाओं के लिए 'वॉकिंग रग्बी' ग्रुप भी चलाती हैं।

ये भी सफलताएं मिल चुकी हैं मनजिंदर को

- वे सिख गेम्स (2024) की ग्लोबल एंबेसडर रही हैं। गेम्स को प्रमोट किया।
- क्रिकेट डिसिप्लिन पैनल की मेंबर के तौर पर भी काम किया है।
- वे युवाओं के लिए मोटिवेशनल स्पीकर और मेंटॉर भी हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने टीआईएमएस सनतनगर को अत्याधुनिक स्वास्थ्य केंद्र में बदलने के दिए निर्देश

चिकित्सा सेवाओं की ट्रायल रन व्यवस्था की समीक्षा की

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि टीआईएमएस सनतनगर को पूर्ण रूप से सुसज्जित स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, ताकि यहां मरीजों को व्यापक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

सोमवार को मंत्री ने सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर टीआईएमएस सनतनगर में चल रही चिकित्सा सेवाओं की ट्रायल रन व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों ने ट्रायल रन के दौरान उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं, सामने आ रही चुनौतियों और कमियों की जानकारी दी। मंत्री ने ओपी पंजीकरण काउंटर, परामर्श कक्ष, प्रतीक्षा कक्ष, डायग्नोस्टिक एवं रेडियोलॉजी विभाग, वार्ड, ऑपरेशन थिएटर और आईसीयू की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि ट्रायल रन के तहत वर्तमान में 22 विभागों में ओपी सेवाएं संचालित की जा रही हैं। ऑपरेशन थिएटर सर्जरी के लिए तैयार हैं तथा सीटी स्कैन, एमआरआई और डिजिटल एक्स-रे जैसी अत्याधुनिक मशीनों की स्थापना पूरी कर ली गई है। अधिकारियों ने बताया कि डायग्नोस्टिक उपकरणों की स्थापना पूरी हो चुकी है और ट्रायल चरण के तहत जांचें भी शुरू कर दी गई हैं। मंत्री ने इससे पहले टीआईएमएस सनतनगर को कार्डियक केयर और अंग प्रत्यारोपण के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए थे।

इसी क्रम में उन्होंने सभी प्रकार की हृदय सर्जरी और अंग प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं के लिए कैथ लैब और विशेष ऑपरेशन थिएटर की स्थापना की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि कैथ लैब की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है और ट्रायल रन के लिए तैयार है। दामोदर राजा नरसिम्हा ने यह भी निर्देश दिया कि चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ स्वच्छता और सुरक्षा जैसी गैर-चिकित्सीय सेवाओं को भी मजबूत किया जाए। उन्होंने मरीजों और उनके परिजनों के लिए भोजन की व्यवस्था तथा तीमारदारों के लिए धर्मशाला स्थापित करने के निर्देश दिए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की विशेष मुख्य सचिव क्रिस्टीना जेड. चोंगथु, संयुक्त सचिव आयशा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण आयुक्त डॉ. संगीता सत्यानारायण, टीजीएमआईडीसी के प्रबंध निदेशक गौरव उप्पल, चिकित्सा शिक्षा निदेशक नरेंद्र कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतिबंधित कपास बीज के अवैध कारोबार में एक व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्पेशल ऑपरेशंस टीम (कैंटोनमेंट) ने स्थानीय पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर शमीरपेट के पास प्रतिबंधित बीटी-3 कपास बीज के 100 किलोग्राम के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान आंध्र प्रदेश के गुंटूर निवासी श्रीनिवास राव के रूप में हुई है। उसे उपनगरों में किसानों और खाद-बीज की दुकानों को प्रतिबंधित बीजी-III एचपी किस्म के कपास बीज बेचने का प्रयास करते समय पकड़ा गया। जांच में सामने आया कि ये बीज आंध्र प्रदेश के एक आपूर्तिकर्ता से कम कीमत पर खरीदे गए थे और अधिक लाभ कमाने के लिए अवैध रूप से बेचे जा रहे थे। आरोपी पर पहले भी विकाराबाद जिले में इसी प्रकार के मामलों में संलिप्त रहने का आरोप है।

पुलिस ने उसके पास से दो बोरे जब्त किए हैं, जिनमें प्रत्येक में 50 किलोग्राम प्रतिबंधित बीज थे। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नकली और प्रतिबंधित कपास बीजों के उपयोग से फसल को भारी नुकसान हो सकता है, मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है और किसानों को आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है।

हैदराबाद में जनगणना जागरूकता के लिए वॉकाथन आयोजित

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नेकलेस रोड पर सोमवार को जनगणना के महत्व और गणना प्रक्रिया में जनभागीदारी को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भव्य वॉकाथन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अभिनेत्री अमला अक्किनेनी थीं। इस आयोजन में अधिकारियों, स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉकाथन का नेतृत्व जनगणना निदेशक भारती होलिकारी, आर.वी. कर्णन और जोनल आयुक्त बी. संतोष ने किया। उन्होंने विकास कार्यों की योजना बनाने में सटीक जनगणना आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। प्रतिभागियों ने तख्तियां लेकर स्व-गणना और जनगणना प्रक्रिया में जनसहयोग के महत्व को उजागर करने वाले नारे लगाए। भारती होलिकारी और आर.वी. कर्णन ने नागरिकों से सही जानकारी उपलब्ध कराने और व्यापक एवं विश्वसनीय आंकड़ा संग्रह सुनिश्चित करने के लिए जनगणना अधिकारियों का सहयोग करने की अपील की। आर.वी. कर्णन ने कहा कि वॉकाथन जैसे जागरूकता कार्यक्रम समाज के हर वर्ग तक पहुंचने और राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने में सहायक होते हैं। इस कार्यक्रम से नेकलेस रोड पर उत्साहपूर्ण वातावरण बना और सुबह टहलने आने वाले लोगों तथा आगंतुकों के बीच जनगणना के प्रति जागरूकता फैलाने में सफलता मिली। यह पहल जनगणना के सफल आयोजन के लिए प्रशासन की जनसंपर्क और नागरिक सहभागिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

धान खरीद केंद्रों में समस्याओं को लेकर विधायक ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

करीमनगर, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चोप्पाडंडी के विधायक मेडिपल्ली सत्यम ने सोमवार को 'प्रजावाणी' जन शिकायत निवारण कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर चित्रा मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर धान खरीद केंद्रों में व्याप्त समस्याओं के समाधान और खरीद प्रक्रिया को तेज करने की मांग की। धान खरीद की वर्तमान स्थिति में कई समस्याएं सामने आ रही हैं, जिनमें मुख्य रूप से परिवहन और तौल संबंधी दिक्कतें शामिल हैं। ट्रकों और ट्रैक्टरों की कमी के कारण धान को चावल मिलों तक पहुंचाने में देरी हो रही है, जिससे खरीद केंद्रों पर धान के बोरे जमा हो रहे हैं। इसके साथ ही किसानों ने आरोप लगाया है कि 40 किलोग्राम के बजाय प्रति बोरी 43 किलोग्राम धान तौला जा रहा है, जिससे अतिरिक्त भार किसानों पर पड़ रहा है। उनका कहना है कि यह अंतर बर्बादी और अन्य कारणों के नाम पर लिया जा रहा है।

विधायक मेडिपल्ली सत्यम ने भी इस बात की पुष्टि की कि उन्हें तौल में अनियमितताओं की शिकायतें मिली हैं और उन्होंने यह मुद्दा कलेक्टर के समक्ष उठाया है। उन्होंने बेमौसम बारिश को देखते हुए धान की शीघ्र ढुलाई के लिए अतिरिक्त वाहनों की व्यवस्था करने की मांग की, ताकि फसल को सुरक्षित रूप से चावल मिलों तक पहुंचाया जा सके। इसके अलावा विधायक ने पीपीसी केंद्रों और चावल मिलों में विशेष अधिकारियों की तैनाती की भी मांग की, ताकि खरीद प्रक्रिया पर निगरानी रखी जा सके और अनियमितताओं को रोका जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि चावल मिल मालिकों द्वारा धान खरीद प्रक्रिया में बाधा डाली गई तो उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एसईआरपी-पीवीएनआरटीवीयू में ग्रामीण आजीविका को लेकर समझौता

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोसाइटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ रूरल पॉवर्टी (एसईआरपी) ने सोमवार को पी.वी. नरसिम्हा राव तेलंगाना वेटरिनरी यूनिवर्सिटी (पीवीएनआरटीवीयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य पशुपालन आधारित आजीविका से जुड़ी स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं को तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करना है। बी.आर.के.आर. भवन में हुए इस समझौते का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के लिए डेयरी, भेड़ एवं बकरी पालन तथा बैकयार्ड पोल्ट्री गतिविधियों में टिकाऊ आजीविका के अवसरों को मजबूत करना है। इस अवसर पर एसईआरपी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिव्या देवराजन ने कहा कि यह पहल स्वरोजगार, कौशल आधारित रोजगार और पशुपालन आधारित आजीविका में सुधार के माध्यम से गरीबी कम करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के तहत स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठनों और महासंघों को मजबूत कर सामुदायिक स्वामित्व और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बैंक लिंकिंग, रिवॉल्विंग फंड और सब्सिडी के माध्यम से गरीब परिवारों, विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) और ऋणों के जरिए राम लैम्ब यूनिट, भेड़ एवं बकरी शिशु नर्सरी, बैकयार्ड पोल्ट्री मदर यूनिट, बर्ड यूनिट और क्वेल यूनिट जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। समझौते के तहत विश्वविद्यालय एसईआरपी लाभार्थियों को तकनीकी विशेषज्ञता, क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहायता प्रदान करेगा। साथ ही पशुपालन आधारित स्वयं सहायता समूहों के लिए पशु आवास, प्रबंधन और स्वास्थ्य देखभाल संबंधी वैज्ञानिक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया जाएगा। पीवीएनआरटीवीयू के रजिस्ट्रार ए. शरत चंद्र ने कहा कि विश्वविद्यालय डेयरी फार्मिंग, भेड़ एवं बकरी पालन तथा बैकयार्ड पोल्ट्री प्रबंधन में तकनीकी सहयोग देगा। उन्होंने कहा कि डेयरी और छोटे जुगाली करने वाले पशुओं की उत्पादकता को प्रभावित करने वाली प्रमुख समस्याओं में कुपोषण और आवश्यक खनिजों की कमी शामिल है। विश्वविद्यालय ने क्षेत्र विशेष के अनुसार एक मिनरल मिक्सचर विकसित किया है, जो गायों और भैंसों में उत्पादकता और प्रजनन क्षमता बढ़ाने में सहायक होगा। इसका लाभ एसईआरपी से जुड़े किसानों को भी दिया जाएगा। ए. शरत चंद्र ने बताया कि विश्वविद्यालय ने राजश्री नामक दोहरे उद्देश्य वाली बैकयार्ड पोल्ट्री नस्ल विकसित की है, जो मांस और अंडा उत्पादन दोनों के लिए उपयुक्त है। इस नस्ल के चूजों को एसईआरपी के माध्यम से ग्रामीण परिवारों में वितरण के लिए उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे आजीविका और पोषण सुरक्षा में सुधार होगा। एमओयू में कहा गया है कि यह सहयोग गैर-वित्तीय प्रकृति का होगा, हालांकि आवश्यकता पड़ने पर वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जा सकती है।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या, नौ आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद के चिलकलगुडा क्षेत्र में बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र 23 वर्षीय युवान उर्फ यवन की हत्या के मामले में पुलिस ने नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस ने इसे पूर्व नियोजित हत्या बताया है। सिकंदराबाद की डीसीपी रक्षिता कृष्णमूर्ति ने सोमवार को बताया कि यह हत्या कथित रूप से युवान की प्रेमिका के परिवार द्वारा रची गई साजिश का परिणाम थी। मुख्य आरोपी ए. साई किरण, जो लड़की का बहनोई बताया जा रहा है, पर हत्या की योजना बनाने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, अन्य गिरफ्तार आरोपियों में लड़की के पिता राजम नरसिंहा यादव सहित आर. परमेश्वर यादव, वामसी कृष्णा, मनीष, एस. राहुल, के. शिव नंदन यादव, आर. श्रीशैलम यादव और आर. मल्लेश यादव शामिल हैं।

जांच में यह भी सामने आया है कि घटना से लगभग पांच दिन पहले ही आरोपियों ने हत्या की साजिश रच ली थी और इसकी रेकी भी की गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी तीन मोटरसाइकिलों पर सवार होकर मौके पर पहुंचे और उस समय युवान पर हमला किया जब वह अपने घर में टेलीविजन देख रहा था। पुलिस के अनुसार, पीड़ित और लड़की एक-दूसरे को स्कूल के समय से जानते थे और पिछले दो वर्षों से उनके बीच संबंध थे। लड़की के परिवार ने पहले भी इस रिश्ते को समाप्त करने की चेतावनी दी थी। हमले के दौरान युवान ने भागने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उसका पीछा कर उस पर कई बार चाकू से वार किए। गंभीर रूप से घायल युवान को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है और मामले की आगे जांच जारी है।

तेलंगाना में देश का पांचवां जेल संग्रहालय शुरू

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कारागार विभाग ने चंचलगुडा स्थित स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ करेक्शनल एडमिनिस्ट्रेशन (सिका) में देश के अनोखे जेल संग्रहालय की शुरुआत की है, जहां आगंतुकों को जेल व्यवस्था और कैदियों के जीवन के विकास की दुर्लभ झलक देखने को मिलेगी। इसके साथ ही तेलंगाना देश का पांचवां जेल संग्रहालय वाला राज्य बन गया है। इससे पहले अंडमान एवं निकोबार, अलीपुर (कोलकाता), बेंगलुरु और गोवा में ऐसे संग्रहालय स्थापित किए जा चुके हैं। इससे पहले संगारेड्डी में भी एक जेल संग्रहालय था, लेकिन कुछ वर्ष पूर्व वह ध्वस्त हो गया था। हाल ही में कारागार महानिदेशक सौम्या मिशा ने वरिष्ठ अधिकारियों एन. मुरली बाबू, डॉ. डी. श्रीनिवास, एम. संपत और एन. शिव कुमार गौड़ के सहयोग से इस अवधारणा को पुनर्जीवित और विस्तारित किया। पुराने प्रदर्शनों को सावधानीपूर्वक स्थानांतरित कर आधुनिक और सुव्यवस्थित संग्रहालय के रूप में विकसित किया गया है। सौम्या मिशा के नेतृत्व में विकसित इस संग्रहालय में ऐतिहासिक जेल सामग्री, पुनर्निर्मित जेल कोठरियां, बेड़ियां, हथकड़ियां, जेल उद्योग, पुनर्वास पहल और जेल प्रशासन को दर्शाने वाली ऑडियो-विजुअल गैलरी प्रदर्शित की गई हैं। संग्रहालय में यह भी दिखाया गया है कि तेलंगाना कारागार विभाग किस तरह दंडात्मक व्यवस्था से सुधारात्मक और पुनर्वास आधारित संस्था में परिवर्तित हुआ है। जेल उद्योग, कृषि और कौशल विकास कार्यक्रमों से संबंधित प्रदर्शन कैदियों के सुधार और पुनर्वास पर विभाग के फोकस को दर्शाते हैं। ऑडियो और वीडियो कक्षों के माध्यम से मुलाकात प्रक्रिया, अदालत में पेशी और जेल की दैनिक गतिविधियों जैसी व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी गई है, जिससे आगंतुकों को जेल संचालन की वास्तविक समझ मिल सके। संग्रहालय का प्रमुख आकर्षण फील द जेल अवधारणा के तहत वन डे जेल एक्सपीरियंस है, जिसमें आगंतुक जेल का भोजन, रहने की परिस्थितियां और दैनिक दिनचर्या का अनुभव कर सकेंगे। यह संग्रहालय 28 अप्रैल 2026 से आम जनता के लिए सिका, चंचलगुडा में खोला गया है।

धान खरीद में कटौती के खिलाफ किसानों का विरोध, पूर्व मंत्री भी शामिल

निजामाबाद/नालगोंडा, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बालकोंडा विधानसभा क्षेत्र के मोर्थाड में धान खरीद में कटौती की प्रथा के खिलाफ सोमवार को किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें पूर्व मंत्री वी. प्रशांत रेड्डी भी शामिल हुए। पूर्व मंत्री ने किसानों के साथ मिलकर निजामाबाद-करीमनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरना दिया और उचित मूल्य पर धान की खरीद सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों की समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन और मंत्रियों से कई बार संपर्क करने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

प्रशांत रेड्डी ने कहा कि मोटे धान को भी ग्रेड-वन का मूल्य मिलना चाहिए और किसानों के साथ किसी भी प्रकार का शोषण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने सरकार से परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने और मिलों तक धान पहुंचाने के लिए पर्याप्त ट्रकों की व्यवस्था करने की भी मांग की। धरना प्रदर्शन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

इसी तरह नालगोंडा में भी धान खरीद में कथित लापरवाही के खिलाफ किसानों और बीआरएस नेताओं ने जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में पूर्व विधायक सी. लिंगैया, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बी. नरेंद्र रेड्डी सहित कई नेताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने और किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग की। बाद में प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्वैलरी शोरूम चोरी मामले में चार आरोपी गिरफ्तार, मुख्य आरोपी फरार

करीमनगर, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पीएमजे ज्वैलरी शोरूम में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को छोड़कर चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने यह कार्रवाई विभिन्न राज्यों में चलाए गए विशेष अभियान के तहत की है। जानकारी के अनुसार, विशेष पुलिस टीमों ने पश्चिम बंगाल में चोरी के सोने के आभूषण बेचने की कोशिश कर रहे दो आरोपियों को पकड़ा, जिनमें एक सोने का व्यापारी भी शामिल है। उनसे मिली जानकारी के आधार पर तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से तीन आरोपी पश्चिम बंगाल से और एक बिहार से पकड़ा गया है।

पुलिस ने बताया कि एक आरोपी को पहले ही करीमनगर लाया जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपी शबुद्दीन पाटन अभी फरार है और उसकी तलाश जारी है। जांच में यह भी सामने आया है कि चोरी के बाद भागते समय आरोपियों ने जगतियाल जिले के बुग्गाराम मंडल के मद्दूर क्षेत्र में एक मोबाइल फोन छोड़ दिया था। इसी मोबाइल फोन की मदद से पुलिस को आरोपियों का सुराग मिला और उनकी पहचान सुनिश्चित की गई। पुलिस टीमों द्वारा आगे की जांच जारी है और फरार मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

रियायती ट्रैक्टर दिलाने के नाम पर ठगी, एक व्यक्ति गिरफ्तार

आदिलाबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उत्नूर क्षेत्र में किसानों को रियायती दर पर ट्रैक्टर और कृषि उपकरण दिलाने का झांसा देकर ठगी करने के आरोप में मंचरियाल निवासी एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी कामेरा चंद्रमौली, जो चंद्रवेल्ली का निवासी है, पर आरोप है कि उसने चार किसानों से कुल 12 लाख रुपये वसूले। उसने दावा किया था कि वह भारत किसान कल्याण फाउंडेशन नामक संगठन के माध्यम से ट्रैक्टर और खरपतवार नाशक मशीनें 50 प्रतिशत रियायती दर पर उपलब्ध कराएगा।

उत्नूर पुलिस निरीक्षक मदवी प्रसाद ने बताया कि आरोपी ने स्वयं को किसान उत्पादक कंपनी का प्रबंधक बताकर किसानों का विश्वास जीता और उनसे पैसे लिए। बाद में उसने ठगी की बात स्वीकार कर ली। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी विशेष रूप से उन किसानों को निशाना बनाता था जो ट्रैक्टर और कृषि उपकरण खरीदने की योजना बना रहे थे। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

ड्राइवरों की हड़ताल से बस सेवाएं ठप, यात्रियों को परेशानी

मंचेरियल, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शराब सेवन की जांच को लेकर कथित पक्षपात और खराब ब्रेथ एनालाइजर मशीनों के विरोध में टीजीआरटीसी बस चालकों ने ड्यूटी का बहिष्कार कर दिया, जिससे सोमवार को जिले में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित रहीं। जानकारी के अनुसार, 9 मई को की गई ब्रेथ एनालाइजर जांच में बस चालक राजमल्ल के रक्त में अल्कोहल की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई, जिसके बाद उसे ड्यूटी से हटा दिया गया। वहीं, एक अन्य चालक का अल्कोहल स्तर अधिक पाए जाने के बावजूद उसे ड्यूटी पर रहने देने पर अन्य चालकों ने आपत्ति जताई। इसके बाद चालकों ने अधिकारियों पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए तड़के लगभग 4 बजे से हड़ताल शुरू कर दी। उनका कहना है कि कुछ मामलों में सख्ती और कुछ में ढील दी जा रही है, जिससे असंतोष बढ़ गया है।

चालकों ने यह भी आरोप लगाया कि ब्रेथ एनालाइजर मशीनें पुरानी और तकनीकी रूप से दोषपूर्ण हैं, जिनके कारण गलत परिणाम सामने आ रहे हैं और उन्हें अनावश्यक कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल के कारण मंचेरियल में टीजीआरटीसी की बस सेवाएं पूरी तरह बाधित हो गईं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोग निजी वाहनों, ऑटो और टैक्सियों पर निर्भर रहे और अधिक किराया देने को मजबूर हुए। प्रदर्शनकारी चालकों ने मांग की है कि दोषपूर्ण मशीनों को बदला जाए और सभी मामलों में समान नियम लागू किए जाएं। फिलहाल स्थिति को सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.